CTET MS L1 Hindi L2 Telugu P2

Topic:- CDP_P2_CTET

1) Development of children follows the principle of :

(1) Uniformity

(2) One-dimensionality

(3) Linearity

(4) Individual differences

बच्चों का विकास निम्नलिखित में से कौन-से सिद्धांत का अनुसरण करता है?

(1) एकरूपता

(2) एक-आयामी

(3) रैखिकता

(4) व्यक्तिगत भिन्नताएँ

[Question ID = 1][Question Description = S16_CDP_Q001]

1. 1 [Option ID = 1]
2. 2 [Option ID = 2]
3. 3 [Option ID = 3]
4. 4 [Option ID = 4]

2) **Assertion (A) :** Course of a child's physical development is totally determined at the time of birth.

Reason (R) : Heredity is the only factor responsible for development of children.

Choose the **correct** option :

(1) Both **(A)** and **(R)** are true and **(R)** is the correct explanation of **(A)**

(2) Both **(A)** and **(R)** are true but **(R)** is not the correct explanation of **(A)**

(3) **(A)** is true but **(R)** is false

(4) Both **(A)** and **(R)** are false

कथन (A) : एक बच्चे के शारीरिक विकास की दिशा पूरी तरह से उसके जन्म के समय निश्चित हो जाती है।

तर्क (R) : केवल अनुवंशिकता ही ऐसा एकमात्र कारक है जो बच्चों के विकास के लिए उत्तरदायी है।

सही विकल्प चुनें।

(1) **(A)** और **(R)** दोनों सही है और **(A)** की **(R)** सही व्याख्या करता है।

(2) **(A)** और **(R)** दोनों सही है लेकिन **(A)** की **(R)** सही व्याख्या नहीं करता है।

(3) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।

(4) **(A)** और **(R)** दोनों गलत है।

[Question ID = 2][Question Description = S16_CDP_Q002]

1. 1 [Option ID = 5]
2. 2 [Option ID = 6]
3. 3 [Option ID = 7]
4. 4 [Option ID = 8]

3) During middle childhood, __________ the primary agency of socialization continues to play an important role but secondary agencies of socialization __________ also become important.

(1) family; peers and media

(2) peers; family and school

(3) media; family and school

(4) school; peers and media

मध्य बाल्यावस्था के दौरान, __________, जोकि सामाजीकरण का प्राथमिक कारक है, एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाना ज़ारी रखता है, लेकिन ____________, जोकि सामाजीकरण के द्वितीयक कारक है, भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।

(1) परिवार; साथी और मीडिया

(2) साथी; परिवार और विद्यालय

(3) मीडिया; परिवार और विद्यालय

(4) विद्यालय; साथी और मीडिया

[Question ID = 3][Question Description = S16_CDP_Q003]

1. 1 [Option ID = 9]
2. 2 [Option ID = 10]
3. 3 [Option ID = 11]
4. 4 [Option ID = 12]

4) As per Jean Piaget, children acquire the ability to perform abstract reasoning in :

(1) Sensori-motor period

(2) Pre-operational stage

(3) Concrete operational stage

(4) Formal operational stage

जॉ पियाजे के अनुसार बच्चे किस स्तर पर अमूर्त तर्ककरने की क्षमता विकसित कर लेते है?

(1) संवेदी चालक अवस्था

(2) पूर्व संक्रियात्मक अवस्था

(3) मूर्त संक्रियात्मक अवस्था

(4) अमूर्त संक्रियात्मक अवस्था

[Question ID = 4][Question Description = S16_CDP_Q004]

1. 1 [Option ID = 13]
2. 2 [Option ID = 14]
3. 3 [Option ID = 15]
4. 4 [Option ID = 16]

5) In Jean Piaget's theory, the tendency to see the world and the experiences of others from one's own viewpoint is referred to as :

(1) Adaptation

(2) Egocentricism

(3) Animism

(4) Equilibration

जॉ पियाजे के सिद्धान्तों में, दूसरों के अनुभवों व सांसारिक दृष्टिकोण को अपनी दृष्टि से देखने की प्रवृत्ति क्या कहलाती है?

(1) अनुकुलन

(2) आत्मकेन्द्रियता

(3) जीववाद

(4) संतुलीकरण

[Question ID = 5][Question Description = S16_CDP_Q005]

1. 1 [Option ID = 17]
2. 2 [Option ID = 18]
3. 3 [Option ID = 19]
4. 4 [Option ID = 20]

6) According to Kohlberg's theory of moral development, the level in which moral understanding is based on rewards, punishment and the power of authority figures is called :

(1) Post conventional Level

(2) Pre conventional Level

(3) Conventional Level

(4) Formal conventional Level

कोहलबर्ग के नैतिक विकास के अनुसार किस स्तर पर नैतिक समझ–सज़ा, ईनाम व प्राधिकारियों की शक्ति पर आधारित होती है?

(1) उत्तर पारंपारिक स्तर

(2) पूर्व पारंपारिक स्तर

(3) पारंपारिक स्तर

(4) अमूर्त पारंपारिक स्तर

[Question ID = 6][Question Description = S16_CDP_Q006]

1. 1 [Option ID = 21]
2. 2 [Option ID = 22]
3. 3 [Option ID = 23]
4. 4 [Option ID = 24]

7) The importance of cultural tools such as language in cognitive development has been proposed by __________ in his __________.

(1) Lev Vygotsky; socio-cultural theory

(2) Lev Vygotsky; behavioristic

(3) Jean Piaget; behavioristic

(4) Jean Piaget; socio-cultural theory

संज्ञानात्मक विकास में भाषा जैसे सांस्कृतिक साधनों के महत्व को ____________ ने अपने ____________ सिद्धांत में प्रस्तावित किया है।

(1) लेव वायगोत्स्की; सामाजिक–सांस्कृतिक

(2) लेव वायगोत्स्की; व्यवहारवादी

(3) जीन पियाजे; व्यवहारवादी

(4) जीन पियाजे; सामाजिक–सांस्कृतिक

[Question ID = 7][Question Description = S16_CDP_Q007]

1. 1 [Option ID = 25]
2. 2 [Option ID = 26]
3. 3 [Option ID = 27]
4. 4 [Option ID = 28]

8) Lev Vygotsky proposed that children :

(1) Learn passively through the processes of repetition and recall.

(2) Go through eight sequential stages of cognitive development.

(3) Have a lot of potential that includes things that they are able to do with support from others.

(4) Are born with fixed intellectual abilities at birth which cannot be changed.

लेव वायगोतस्की ने प्रस्तावित किया कि बच्चे :

(1) पुनरावृत्ति और स्मरण की प्रक्रियाओं के माध्यम से निष्क्रिय रूप से सीखते हैं।

(2) संज्ञानात्मक विकास के आठ क्रमिक चरणों से गुजरते है।

(3) के विकास में बहुत सारी संभावनाएं है जिनमें वे चीजें शामिल हैं जो वे दूसरों के समर्थन से करने में सक्षम हैं।

(4) जन्म के समय निश्चित बौद्धिक क्षमताओं के साथ पैदा होते हैं जिन्हें बदला नहीं जा सकता।

[Question ID = 8][Question Description = S16_CDP_Q008]

1. 1 [Option ID = 29]
2. 2 [Option ID = 30]
3. 3 [Option ID = 31]
4. 4 [Option ID = 32]

9) In progressive classroom, the teacher :

(1) follows 'learning by doing' approach based on the child's interests.

(2) follows the pedagogy of repeated practice and rote memorization.

(3) ensures that all teaching is directed towards examinations.

(4) promotes competition rather than collaboration.

एक प्रगतिशील कक्षा में, शिक्षिका :

(1) बच्चों की रूचि के अनुरूप 'करके सीखने' की पद्धति का पालन करती है।

(2) बारमबार अभ्यास व रटनत स्मरण की प्रक्रिया का पालन करती है।

(3) सुनिश्चित करती है कि सभी अधिगम परिक्षाओं की तरफ केन्द्रित हो।

(4) सहयोग के बजाए प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देती है।

[Question ID = 9][Question Description = S16_CDP_Q009]

1. 1 [Option ID = 33]
2. 2 [Option ID = 34]
3. 3 [Option ID = 35]
4. 4 [Option ID = 36]

10) The ability to understand oneself and know one's thoughts, emotions, feelings, motives is called :

(1) Musical Intelligence

(2) Spatial Intelligence

(3) Intrapersonal Intelligence

(4) Social Intelligence

खुद को समझने व अपने विचार, संवेग, भावनाओं, अभिप्रेरण को पहचानने के कौशल किस प्रकार की बुद्धि में शामिल है?

(1) संगीतमय बुद्धि

(2) स्थानिक बुद्धि

(3) अंत: वैयक्तिक बुद्धि

(4) सामाजिक बुद्धि

[Question ID = 10][Question Description = S16_CDP_Q010]

1. 1 [Option ID = 37]
2. 2 [Option ID = 38]
3. 3 [Option ID = 39]
4. 4 [Option ID = 40]

11) According to Lev Vygotsky :

(1) Language and cognitive development are not related to each other.

(2) Language and cognitive development take place independent of each other.

(3) Language facilitates the shared experiences necessary for building cognitive processes.

(4) Language development takes place after cognitive development.

लेव व्यागोत्सकी के अनुसार :

(1) भाषा व संज्ञानात्मक विकास का आपस में कोई संबंध नहीं है।

(2) भाषा व संज्ञानात्मक प्रक्रियाओ का विकास एक दूसरे से स्वतंत्र होता है।

(3) भाषा उन सांझे अनुभवों को सुसाधित करती है जो संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं के लिए आवश्यक हैं।

(4) भाषा का विकास संज्ञानात्मक विकास के पश्चात होता है।

[Question ID = 11][Question Description = S16_CDP_Q011]

1. 1 [Option ID = 41]
2. 2 [Option ID = 42]
3. 3 [Option ID = 43]
4. 4 [Option ID = 44]

12) Assessment for learning includes :

(i) Categorisation and labelling of students in same ability groups.

(ii) Understanding the processes of students' thinking.

(iii) Finding out readiness levels of students.

(1) (i), (ii)

(2) (ii), (iii)

(3) (i), (iii)

(4) (i), (ii), (iii)

अधिगम के आंकलन करने में निम्नलिखित में से क्या शामिल है?

(i) विद्यार्थियों को समान क्षमता वाले समूहों में वर्गीकृत करना और नामीकरण करना।

(ii) विद्यार्थियों के चिंतन प्रक्रियाओं को समझना।

(iii) बच्चों के सीखने की तैयारी के स्तर का पता लगाना।

(1) (i), (ii)

(2) (ii), (iii)

(3) (i), (iii)

(4) (i), (ii), (iii)

[Question ID = 12][Question Description = S16_CDP_Q012]

1. 1 [Option ID = 45]
2. 2 [Option ID = 46]
3. 3 [Option ID = 47]
4. 4 [Option ID = 48]

13) Statement that - "Boys are intelligent while girls are compliant.", is an example of :

(1) Gender equity

(2) Gender stereotype

(3) Gender equality

(4) Gender role flexibility

यह कथन कि–''लड़के बुद्धिमान होते हें जबकि लड़कियां आज्ञाकारी होती है।'', किसका उदाहरण है?

(1) जेंडर समता

(2) जेंडर रूढ़िवादिता

(3) जेंडर समानता

(4) जेंडर भूमिका में लचीलापन

[Question ID = 13][Question Description = S16_CDP_Q013]

1. 1 [Option ID = 49]
2. 2 [Option ID = 50]
3. 3 [Option ID = 51]
4. 4 [Option ID = 52]

14) Assessment should be :

(1) Only quantitative

(2) Comprehensive

(3) Standardised

(4) Only Summative

आकलन किस प्रकार का होना चाहिए?

(1) केवल मात्रात्मक

(2) व्यापक

(3) मानकीकृत

(4) केवल योगात्मक

[Question ID = 14][Question Description = S16_CDP_Q014]

1. 1 [Option ID = 53]
2. 2 [Option ID = 54]
3. 3 [Option ID = 55]
4. 4 [Option ID = 56]

15) Why should children be assessed ?

(1) To compare the performance of children

(2) To encourage competition among children

(3) To identify and label slow learners

(4) To improve the process of teaching-learning

बच्चों का मूल्यांकन क्यों किया जाना चाहिए?

(1) बच्चों के प्रदर्शन की तुलना करने के लिए

(2) बच्चों में प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के लिए

(3) धीमी गति से सीखने वालों की पहचान और नामीकरण के लिए

(4) सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में सुधार करने के लिए

[Question ID = 15][Question Description = S16_CDP_Q015]

1. 1 [Option ID = 57]
2. 2 [Option ID = 58]
3. 3 [Option ID = 59]
4. 4 [Option ID = 60]

16) Inclusive education stresses on :

(1) enhancing the potential of each student.

(2) viewing gaps in learning as deficiencies.

(3) assessing cognitive skills on the basis of academic performance.

(4) setting same parameters of learning and assessment of each child.

समावेशी शिक्षा किस पर बल देती है?

(1) प्रत्येक छात्र की क्षमता को बढ़ाने पर

(2) सीखने में कमियों के रूप में देखने पर

(3) शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर संज्ञानात्मक कौशल के आकलन पर

(4) प्रत्येक बच्चे के सीखने और मूल्यांकन के समान मानदंड निर्धारित करने पर

[Question ID = 16][Question Description = S16_CDP_Q016]
1. 1 [Option ID = 61]
2. 2 [Option ID = 62]
3. 3 [Option ID = 63]
4. 4 [Option ID = 64]

17) **Assertion (A) :** When teachers believe that children coming from disadvantaged backgrounds have the capacities of learning and make them feel belonged in the classroom they are likely to improve their performance.

Reason (R) : Teachers beliefs about children and their abilities influence children.

Choose the **correct** option :

(1) Both **(A)** and **(R)** are true and **(R)** is the correct explanation of **(A)**.

(2) Both **(A)** and **(R)** are true but **(R)** is not the correct explanation of **(A)**.

(3) **(A)** is true but **(R)** is false.

(4) Both **(A)** and **(R)** are false.

कथन (A) : जब शिक्षक मानते हैं कि वंचित पृष्ठभूमि से आने वाले बच्चों में सीखने की क्षमता है और उन्हें कक्षा में अपनेपन का एहसास कराते हैं तो उनके प्रदर्शन में सुधार की संभावना है।

तर्क (R) : बच्चों और उनकी क्षमताओं के बारे में शिक्षकों का विश्वास बच्चों को प्रभावित करता है।

सही विकल्प चुनें।

(1) **(A)** और **(R)** दोनों सही है और **(A)** की **(R)** सही व्याख्या करता है।

(2) **(A)** और **(R)** दोनों सही है लेकिन **(A)** की **(R)** सही व्याख्या नहीं करता है।

(3) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।

(4) **(A)** और **(R)** दोनों गलत है।

[Question ID = 17][Question Description = S16_CDP_Q017]
1. 1 [Option ID = 65]
2. 2 [Option ID = 66]
3. 3 [Option ID = 67]
4. 4 [Option ID = 68]

18) Presentation of content in __________ facilitates __________.

(1) Multiple ways; learning of all children

(2) Multiple ways; learning of special children only

(3) Uniform manner; learning of all children

(4) Uniform manner; learning of special children only

__________ से सामग्री की प्रस्तुति __________को सुगम बनाती है।

(1) कई तरीके; सभी बच्चों के अधिगम

(2) कई तरीके; केवल विशेष बच्चों के अधिगम

(3) एकसमान तरीके; सभी बच्चों के अधिगम

(4) एकसमान तरीके; केवल विशेष बच्चों के अधिगम

[Question ID = 18][Question Description = S16_CDP_Q018]

1. 1 [Option ID = 69]
2. 2 [Option ID = 70]
3. 3 [Option ID = 71]
4. 4 [Option ID = 72]

19) Which of the following is NOT a reasonable accommodation for students with learning disability ?

(1) Allowance for frequent breaks between tasks

(2) Extending allotted time for test

(3) Providing a space with minimal distractions

(4) Standardized tests for assessment

सीखने की अक्षमता वाले छात्रों के लिए निम्नलिखित में से कौन सा उचित समायोजन नहीं है?

(1) कार्यों के बीच बार-बार विराम के लिए समय

(2) परीक्षण के लिए आवंटित समय का विस्तार

(3) न्यूनतम विकर्षणों के साथ कार्य स्थल प्रदान करना

(4) मूल्यांकन के लिए मानकीकृत परीक्षण

[Question ID = 19][Question Description = S16_CDP_Q019]

1. 1 [Option ID = 73]
2. 2 [Option ID = 74]
3. 3 [Option ID = 75]
4. 4 [Option ID = 76]

20) Flexibility, fluency and originality of ideas are typical identifying characteristics of :

(1) Creative learners

(2) Convergent thinkers

(3) Rigidity of thought

(4) Autism

धारणाओं में लचीलापन, धाराप्रवाहिता और मौलिकता निम्नलिखित में से किसकी प्रतिनिधिक अभिज्ञेय विशेषताएँ हैं?

(1) रचनात्मक शिक्षार्थी

(2) अभिसारी विचारक

(3) विचारण/विवेचन में अनम्यता

(4) स्वलीनता

[Question ID = 20][Question Description = S16_CDP_Q020]

1. 1 [Option ID = 77]
2. 2 [Option ID = 78]
3. 3 [Option ID = 79]
4. 4 [Option ID = 80]

21) Teachers should focus on use of __________ curriculum and __________ assessment.

(1) Fragmented; standardised

(2) Decontextualised; summative

(3) Flexible; formative

(4) Uniform; normative

सिक्षकों को ___________पाठ्यचर्या और ___________मूल्यांकन का उपयोग करना चाहिए।

(1) खंडित; मानकीकृत

(2) गैर-संदर्भित; योगात्मक

(3) लचीला; रचनात्मक

(4) एकसमान; मानक

[Question ID = 21][Question Description = S16_CDP_Q021]

1. 1 [Option ID = 81]
2. 2 [Option ID = 82]
3. 3 [Option ID = 83]
4. 4 [Option ID = 84]

22) A teacher should enable students to become effective problem-solvers by :

(1) Generating fear

(2) Inducing stress and tension

(3) Encouraging use of passive memorisation strategies

(4) Encouraging use of analogical thinking

एक शिक्षक को छात्रों को प्रभावी समस्या-समाधानकर्ता बनने में सक्षम किस प्रकार बनाना चहिए?

(1) भय उत्पन्न करके

(2) तनाव और तनाव को प्रेरित करके

(3) निष्क्रिय संस्मरण रणनीतियों के उपयोग को प्रोत्साहित करके

(4) समान सोच के उपयोग को प्रोत्साहित करके

[Question ID = 22][Question Description = S16_CDP_Q022]

1. 1 [Option ID = 85]
2. 2 [Option ID = 86]
3. 3 [Option ID = 87]
4. 4 [Option ID = 88]

23) The process of construction of knowledge and making meaning in middle school students is facilitated through :

(i) Active exploration

(ii) Social interaction

(iii) Experimentation

(iv) Conditioning of behaviour

(1) (i), (iii)

(2) (iii), (iv)

(3) (i), (ii), (iii)

(4) (i), (ii), (iii), (iv)

मध्य विद्यालय के छात्रों में ज्ञान निर्माण और अर्थ बनाने की प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए किसका प्रयोग करना चाहिए?

(i) सक्रिय अन्वेषण

(ii) सामाजिक संपर्क

(iii) प्रयोग

(iv) व्यवहार का अनुबंधन

(1) (i), (iii)

(2) (iii), (iv)

(3) (i), (ii), (iii)

(4) (i), (ii), (iii), (iv)

[Question ID = 23][Question Description = S16_CDP_Q023]

1. 1 [Option ID = 89]
2. 2 [Option ID = 90]
3. 3 [Option ID = 91]
4. 4 [Option ID = 92]

24) Which of the following strategies will not facilitate students conceptual understanding ?

(1) Asking students to copy answers from the backboard as it is

(2) Asking students to explain the concepts to a peer

(3) Asking students to think of examples and non-examples

(4) Asking students to make linkages with previous concepts

निम्नलिखित में से कौन सी रणनीति छात्रों की अवधारणात्मक समझ को बढ़ावा **नहीं** देगी ?

(1) छात्रों को बैकबोर्ड से ज्यो के त्यो उत्तर कॉपी करने के लिए कहना।

(2) विद्यार्थियों से किसी सहकर्मी को अवधारणाएँ समझाने के लिए कहना।

(3) विद्यार्थियों से उदाहरणों और गैर-उदाहरणों के बारे में सोचने के लिए कहना।

(4) छात्रों को पिछली अवधारणाओं के साथ संबंध बनाने के लिए कहना।

[Question ID = 24][Question Description = S16_CDP_Q024]

1. 1 [Option ID = 93]
2. 2 [Option ID = 94]
3. 3 [Option ID = 95]
4. 4 [Option ID = 96]

25) How should middle school teachers deal with alternative misconceptions of students during the process of teaching-learning ?

(1) Ignore them

(2) Punish them

(3) Reward them

(4) Address them

मध्य विद्यालय के शिक्षकों को शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के दौरान छात्रों की वैकल्पिक भ्रांतियों से कैसे निपटना चाहिए?

(1) उन्हें अनदेखा करके

(2) उन्हें सजा देकर

(3) उन्हें इनाम देकर

(4) उन्हें संबोधित करके

[Question ID = 25][Question Description = S16_CDP_Q025]

1. 1 [Option ID = 97]
2. 2 [Option ID = 98]
3. 3 [Option ID = 99]
4. 4 [Option ID = 100]

26) During brainstorming and discussions children's intuitive guesses should be :

(1) Discouraged

(2) Ignored

(3) Punished

(4) Facilitated

संवाद व चर्चा के दौरान बच्चों के सहज ज्ञान युक्त अनुमान लगाने :

(1) को हतोत्साहित करना चाहिए।

(2) की अवहेलना करनी चाहिए।

(3) को दंडित करना चाहिए।

(4) को सुसाधित करना चाहिए।

[Question ID = 26][Question Description = S16_CDP_Q026]

1. 1 [Option ID = 101]
2. 2 [Option ID = 102]
3. 3 [Option ID = 103]
4. 4 [Option ID = 104]

27) The process of problem-solving is facilitated by :

(1) Response set

(2) Convergent thinking

(3) Functional fixedness

(4) Making intuitive guesses

समस्या-समाधान की प्रक्रिया को किस प्रकार सुगम बनाया जा सकता है?

(1) प्रतिक्रियात्मक सधिरता को बढ़ावा देकर

(2) अभिसरण सोच को बढ़ावा देकर

(3) कार्यात्मक स्थिरता को बढ़ावा देकर

(4) सहज अनुमान को बढ़ावा देकर

[Question ID = 27][Question Description = S16_CDP_Q027]

1. 1 [Option ID = 105]
2. 2 [Option ID = 106]
3. 3 [Option ID = 107]
4. 4 [Option ID = 108]

28) Competition amongst students in a middle school classroom :

(1) Should be encouraged since creating 'winners' and 'losers' motivates children to learn constructively.

(2) Should be ignored and students should be left to decide if they want to compete.

(3) Should be encouraged since it prepares students to fit into the competitive market based economies.

(4) Should be discouraged since it increases the stress and anxiety of students thereby hampering their cognitive growth.

मध्य विद्यालय की कक्षा में छात्रों के बीच प्रतिस्पर्धा को :

(1) प्रोत्साहित किया जाना चाहिए क्यों कि 'विजेता' और 'हारे हुए' बच्चों के नामीकरण उन्हें रचनात्मक रूप से सीखने के लिए प्रेरित करते है।

(2) नजरअंदाज किया जाना चाहिए और छात्रों को यह तय करने के लिए छोड़ दिया जाना चाहिए कि क्या वे प्रतिस्पर्धा करना चाहते है।

(3) प्रोत्साहित किया जाना चाहिए क्योंकि यह छात्रों को प्रतिस्पर्धी बाजार आधारित अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के लिए तैयार करता है।

(4) हतोत्साहित किया जाना चाहिए क्योंकि यह छात्रों के तनाव और चिंता को बढ़ाता है जिससे उनके संज्ञानात्मक विकास में बाधा आती है।

[Question ID = 28][Question Description = S16_CDP_Q028]

1. 1 [Option ID = 109]
2. 2 [Option ID = 110]
3. 3 [Option ID = 111]
4. 4 [Option ID = 112]

29) When children experience the emotion of __________ their learning is likely to be influenced positively.

(1) Shame

(2) Fear

(3) Joy

(4) Humiliation

जब बच्चे __________ की भावना का अनुभव करते हैं, तो उनके सीखने पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना है।

(1) शर्म

(2) भय

(3) खुशी

(4) अपमान

[Question ID = 29][Question Description = S16_CDP_Q029]

1. 1 [Option ID = 113]
2. 2 [Option ID = 114]
3. 3 [Option ID = 115]

4. 4 [Option ID = 116]

30) **Assertion (A) :** Promoting students to reflect on attributing their success and failure to internal factors helps them to work on themselves constructively.

Reason (R) : Internal attributions of success and failure help individuals to improve their performance by working harder.

Choose the **correct** option :

(1) Both **(A)** and **(R)** are true and **(R)** is the correct explanation of **(A)**

(2) Both **(A)** and **(R)** are true but **(R)** is not the correct explanation of **(A)**

(3) **(A)** is true but **(R)** is false

(4) Both **(A)** and **(R)** are false

कथन (A) : छात्रों को अपनी सफलता और विफलता के लिए आंतरिक कारकों को जिम्मेदार ठहराने पर प्रतिबिंबित करने के लिए प्रोत्साहित करें जिससे उन्हें खुद पर रचनात्मक रूप से काम करने में मदद मिलती है।

तर्क (R) : सफलता और असफलता के आंतरिक गुण व्यक्तियों को कड़ी मेहनत करके अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद करते हैं।

सही विकल्प चुनें।

(1) **(A)** और **(R)** दोनों सही है और **(A)** की **(R)** सही व्याख्या करता है।

(2) **(A)** और **(R)** दोनों सही है लेकिन **(A)** की **(R)** सही व्याख्या नहीं करता है।

(3) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।

(4) **(A)** और **(R)** दोनों गलत है।

[Question ID = 30][Question Description = S16_CDP_Q030]

1. 1 [Option ID = 117]
2. 2 [Option ID = 118]
3. 3 [Option ID = 119]
4. 4 [Option ID = 120]

Topic:- MATH_P2_CTET

1) $3\frac{1}{7} \div (-3)$ is equal to :

(1) $\frac{22}{21}$

(2) $\frac{21}{22}$

(3) $-\frac{21}{22}$

(4) $-\frac{22}{21}$

$3\frac{1}{7} \div (-3)$ बराबर है :

(1) $\frac{22}{21}$

(2) $\frac{21}{22}$

(3) $-\frac{21}{22}$

(4) $-\frac{22}{21}$

[Question ID = 31][Question Description = S16_Maths Content/Pedagogy_Q031]

1. 1 [Option ID = 121]
2. 2 [Option ID = 122]
3. 3 [Option ID = 123]
4. 4 [Option ID = 124]

2)

$\frac{8^2}{4^3}$ is equal to :

(1) 2

(2) 1

(3) 0

(4) $\frac{1}{2}$

$\frac{8^2}{4^3}$ बराबर है :

(1) 2

(2) 1

(3) 0

(4) $\frac{1}{2}$

[Question ID = 32][Question Description = S16_Maths Content/Pedagogy_Q032]

1. 1 [Option ID = 125]
2. 2 [Option ID = 126]
3. 3 [Option ID = 127]
4. 4 [Option ID = 128]

3)

A square is divided into 9 equal squares, out of which 5 squares are shaded. If the shaded portion is expressed in the form of a fraction whose numerator is 25, what will be its denominator ?

(1) 9

(2) 10

(3) 45

(4) 90

किसी वर्ग को 9 समान वर्गों में विभाजित किया जाता है, जिनमें से 5 वर्गों को छायांकित कर दिया जाता है। यदि इस छायांकित भाग को एक ऐसी भिन्न के रूप में व्यक्त किया जाता है, जिसका अंश 25 है, तो उसका हर क्या होगा?

(1) 9
(2) 10
(3) 45
(4) 90

[Question ID = 33][Question Description = S16_Maths Content/Pedagogy_Q033]

1. 1 [Option ID = 129]
2. 2 [Option ID = 130]
3. 3 [Option ID = 131]
4. 4 [Option ID = 132]

4) The value of $(-1.1)^5 \times (1.21)^{-2}$ is :

(1) -1.1
(2) -1.21
(3) 1.1
(4) 1.21

$(-1.1)^5 \times (1.21)^{-2}$ का मान है :

(1) -1.1
(2) -1.21
(3) 1.1
(4) 1.21

[Question ID = 34][Question Description = S16_Maths Content/Pedagogy_Q034]

1. 1 [Option ID = 133]
2. 2 [Option ID = 134]
3. 3 [Option ID = 135]
4. 4 [Option ID = 136]

5) Which of the following statements need **not** always be true ?

(1) Sum of three consecutive natural numbers is a multiple of 3
(2) Product of two odd numbers is divisible by 3
(3) Sum of 4 consecutive even numbers is divisible by 4
(4) Product of an odd number with itself is an odd number

निम्न में से किस कथन का सदैव सत्य होना आवश्यक **नहीं** है?

(1) तीन क्रमागत प्राकृत संख्याओं का योग 3 का एक गुणज होता है।
(2) दो विषम संख्याओं का गुणनफल 3 से विभाज्य होता है।
(3) 4 क्रमागत सम संख्याओं का योग 4 से विभाज्य होता है।
(4) किसी विषम संख्या का स्वयं से गुणनफल एक विषम संख्या होती है।

[Question ID = 35][Question Description = S16_Maths Content/Pedagogy_Q035]

1. 1 [Option ID = 137]
2. 2 [Option ID = 138]
3. 3 [Option ID = 139]
4. 4 [Option ID = 140]

6) In an examination, 120 questions were asked. As there was negative marking, Reena decided not to attempt 15 questions. Each question carries 2 marks. 80% of her answers were correct. For a wrong answer 1 mark is deducted. How many marks were obtianed by Reena in the examination ?

(1) 140
(2) 147
(3) 152
(4) 168

किसी परीक्षा में 120 प्रश्न पूछे गए। क्योंकि इसमें नेगेटिव मार्किंग होती थी, इसलिए रीना ने 15 प्रश्नों को हल नहीं करने का निश्चय किया। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक थे। उसके 80% प्रश्नों के उत्तर सही थे। एक गलत उत्तर के लिए 1 अंक की कटौती की जाती है। इस परीक्षा में रीना ने कितने अंक प्राप्त किए?

(1) 140
(2) 147
(3) 152
(4) 168

[Question ID = 36][Question Description = S16_Maths Content/Pedagogy_Q036]

1. 1 [Option ID = 141]
2. 2 [Option ID = 142]
3. 3 [Option ID = 143]
4. 4 [Option ID = 144]

7) Three times of a natural number is 18 more than the number. Then, the number is :

(1) 7
(2) 8
(3) 9
(4) 13

किसी प्राकृत संख्या का तीन गुना उस संख्या से 18 अधिक है। तब, वह संख्या है :

(1) 7
(2) 8
(3) 9
(4) 13

[Question ID = 37][Question Description = S16_Maths Content/Pedagogy_Q037]

1. 1 [Option ID = 145]
2. 2 [Option ID = 146]
3. 3 [Option ID = 147]
4. 4 [Option ID = 148]

8) George deposited ₹ 15,000 in a bank, where compound interest is 10% per annum, compounded annually. How much interest will he get after two years ?

(1) ₹ 1500.00
(2) ₹ 3000.00
(3) ₹ 3150.00
(4) ₹ 3500.00

जार्ज ने किसी बैंक में ₹ 15,000 चक्रवृद्धि ब्याज की 10% वार्षिक दर पर जमा किए, जबकि ब्याज वार्षिक संयोजित होता है। दो वर्षों के बाद उसे कितना ब्याज प्राप्त होगा?

(1) ₹ 1500.00

(2) ₹ 3000.00

(3) ₹ 3150.00

(4) ₹ 3500.00

[Question ID = 38][Question Description = S16_Maths Content/Pedagogy_Q038]

1. 1 [Option ID = 149]
2. 2 [Option ID = 150]
3. 3 [Option ID = 151]
4. 4 [Option ID = 152]

9)

If $\frac{3y}{4} - 1 = \frac{y}{3}$, then y is equal to :

(1) $2\frac{2}{5}$

(2) $2\frac{3}{5}$

(3) $2\frac{1}{5}$

(4) $2\frac{4}{5}$

यदि $\frac{3y}{4} - 1 = \frac{y}{3}$ है, तो y बराबर है :

(1) $2\frac{2}{5}$

(2) $2\frac{3}{5}$

(3) $2\frac{1}{5}$

(4) $2\frac{4}{5}$

[Question ID = 39][Question Description = S16_Maths Content/Pedagogy_Q039]

1. 1 [Option ID = 153]
2. 2 [Option ID = 154]
3. 3 [Option ID = 155]
4. 4 [Option ID = 156]

10) The ratio of the number of boys and girls in a school is 12 : 13. If there are 372 boys, then the total number of students in the school is :

(1) 775

(2) 703

(3) 685

(4) 603

किसी स्कूल में लड़के और लड़कियों की संख्याओं का अनुपात 12 : 13 है। यदि लड़कों की संख्या 372 है, तो उस स्कूल में विद्यार्थियों की कुल संख्या है :

(1) 775

(2) 703

(3) 685

(4) 603

[Question ID = 40][Question Description = S16_Maths Content/Pedagogy_Q040]

1. 1 [Option ID = 157]
2. 2 [Option ID = 158]
3. 3 [Option ID = 159]
4. 4 [Option ID = 160]

11) How many vertices does a pyramid with square base have ?

(1) 3

(2) 4

(3) 5

(4) 6

वर्ग आधार वाले पिरामिड में कितने शीर्ष होते हैं?

(1) 3

(2) 4

(3) 5

(4) 6

[Question ID = 41][Question Description = S16_Maths Content/Pedagogy_Q041]

1. 1 [Option ID = 161]
2. 2 [Option ID = 162]
3. 3 [Option ID = 163]
4. 4 [Option ID = 164]

12) The three angles of a quadrilateral are equal. Measure of the fourth angle is 120°. Then, value of each equal angle is :

(1) 50°

(2) 90°

(3) 100°

(4) 80°

किसी चतुर्भुज के तीन कोण बराबर हैं। चौथे कोण की माप 120° है। प्रत्येक समान कोण की माप है :

(1) 50°

(2) 90°

(3) 100°

(4) 80°

[Question ID = 42][Question Description = S16_Maths Content/Pedagogy_Q042]

1. 1 [Option ID = 165]
2. 2 [Option ID = 166]
3. 3 [Option ID = 167]
4. 4 [Option ID = 168]

13) If three exterior angles of a quadrilateral are 50°, 100° and 150° respectively, then the interior angle corresponding to the fourth exterior angle is :

(1) 60°

(2) 80°

(3) 100°

(4) 120°

यदि किसी चतुर्भुज के तीन बहिष्कोण क्रमश: 50°, 100° एवं 150° हैं, तो चौथे बहिष्कोण के संगत आन्तरिक कोण का मान है :

(1) 60°

(2) 80°

(3) 100°

(4) 120°

[Question ID = 43][Question Description = S16_Maths Content/Pedagogy_Q043]

1. 1 [Option ID = 169]
2. 2 [Option ID = 170]
3. 3 [Option ID = 171]
4. 4 [Option ID = 172]

14) Some of the English letters depicts symmetrical structures. Which one of the following structures of letters has not linear symmetry about both horizontal and vertical axes ?

(1) O

(2) X

(3) H

(4) U

कुछ अंग्रेजी अक्षर सममित संरचना को दर्शाते हैं। निम्नलिखित में से कौन से अक्षर की संरचना में क्षैतिज एवं ऊर्ध्वाधर अक्षों दोनों के प्रति रैखिक सममिति नहीं है?

(1) O

(2) X

(3) H

(4) U

[Question ID = 44][Question Description = S16_Maths Content/Pedagogy_Q044]

1. 1 [Option ID = 173]
2. 2 [Option ID = 174]
3. 3 [Option ID = 175]
4. 4 [Option ID = 176]

15) Which one of the following is **not** a Pythagorean Triplet ?

(1) 11, 60, 61

(2) 33, 44, 45

(3) 12, 16, 20

(4) 13, 74, 85

निम्नलिखित में से कौन एक पाइथागोरियन त्रिक **नहीं** है ?

(1) 11, 60, 61

(2) 33, 44, 45

(3) 12, 16, 20

(4) 13, 74, 85

[Question ID = 45][Question Description = S16_Maths Content/Pedagogy_Q045]

1. 1 [Option ID = 177]
2. 2 [Option ID = 178]
3. 3 [Option ID = 179]
4. 4 [Option ID = 180]

16) Length of a rectangle is three times of its breadth. If its perimeter is 16.16 cm, then its area will be (approx) :

(1) 12 cm^2

(2) 12.01 cm^2

(3) 12.24 cm^2

(4) 12.35 cm^2

किसी आयत की लंबाई उसकी चौड़ाई की तिगुनी है। यदि इसका परिमाप 16.16 cm है, तो इसका क्षेत्रफल (लगभग) होगा :

(1) 12 cm^2

(2) 12.01 cm^2

(3) 12.24 cm^2

(4) 12.35 cm^2

[Question ID = 46][Question Description = S16_Maths Content/Pedagogy_Q046]

1. 1 [Option ID = 181]
2. 2 [Option ID = 182]
3. 3 [Option ID = 183]
4. 4 [Option ID = 184]

17) Surface area (in sq. units) of a face of a cube, whose volume is 68921 cubic units, is :

(1) 1518

(2) 1581

(3) 1618

(4) 1681

आयतन 68921 घन इकाइयों वाले एक घन के एक फलक का पृष्ठीय क्षेत्रफल (वर्ग इकाइयों में) है :

(1) 1518

(2) 1581

(3) 1618

(4) 1681

[Question ID = 47][Question Description = S16_Maths Content/Pedagogy_Q047]

1. 1 [Option ID = 185]
2. 2 [Option ID = 186]
3. 3 [Option ID = 187]
4. 4 [Option ID = 188]

18) A metallic cube of side 9 cm is melted to form 27 small cubes of the same size. Then, the surface area of each small cube is :

(1) $3\ cm^2$

(2) $27\ cm^2$

(3) $54\ cm^2$

(4) $486\ cm^2$

भुजा 9 cm वाले एक धातु के घन को पिघलाकर समान मापों के 27 छोटे घन बनाए जाते हैं। तब, प्रत्येक छोटे घन का पृष्ठीय क्षेत्रफल है :

(1) $3\ cm^2$

(2) $27\ cm^2$

(3) $54\ cm^2$

(4) $486\ cm^2$

[Question ID = 48][Question Description = S16_Maths Content/Pedagogy_Q048]

1. 1 [Option ID = 189]
2. 2 [Option ID = 190]
3. 3 [Option ID = 191]
4. 4 [Option ID = 192]

19) If each observation of the data is increased by 5, then the new mean :

(1) remains the same

(2) becomes 5 times of the original mean

(3) is increased by 5

(4) is increased by 10

यदि किन्हीं आँकड़ों के प्रत्येक प्रेक्षण में 5 की वृद्धि कर दी जाये, तो नया (नए) माध्य :

(1) समान रहता है।

(2) मूल माध्य का 5 गुना होता है।

(3) में 5 की वृद्धि होती है।

(4) में 10 की वृद्धि होती है।

[Question ID = 49][Question Description = S16_Maths Content/Pedagogy_Q049]

1. 1 [Option ID = 193]
2. 2 [Option ID = 194]
3. 3 [Option ID = 195]
4. 4 [Option ID = 196]

20) A bag contians 5 white and 4 red balls. A ball is drawn at random from the bag. What is the probability that the ball drawn is **not** red ?

(1) $\frac{4}{9}$

(2) $\frac{5}{9}$

(3) $\frac{1}{3}$

(4) $\frac{2}{3}$

एक थैले में 5 सफेद और 4 लाल गेंदें हैं। इस थैले में से एक गेंद यादृच्छिक रूप से निकाली जाती है। इसकी क्या प्रायिकता है कि निकाली गई गेंद लाल **नहीं** हैं?

(1) $\frac{4}{9}$

(2) $\frac{5}{9}$

(3) $\frac{1}{3}$

(4) $\frac{2}{3}$

[Question ID = 50][Question Description = S16_Maths Content/Pedagogy_Q050]

1. 1 [Option ID = 197]
2. 2 [Option ID = 198]
3. 3 [Option ID = 199]
4. 4 [Option ID = 200]

21) The statement "Mathematics opens the flexible ways of thinking about the world", is :

(1) True, since mathematics provides opportunity to the children to enhance problem solving and reasoning skills

(2) True, since mathematics teaches children a set of rules and algorithms to memorise

(3) False, since mathematics does not provide opportunity to the children to think critically

(4) False, since mathematics does not provide opportunity to the children to enhance their creativity

यह कथन, ''गणित से संसार के बारे में चिंतन करने के सुनम्य रास्ते खुल जाते हैं'' :

(1) सत्य है, क्योंकि गणित बच्चों को समस्या समाधान एवं तार्किक कौशल को बढ़ाने के अवसर प्रदान करता है

(2) सत्य है, क्योंकि गणित बच्चों को नियमों का समुच्चय एवं कलनविधि याद करना सिखाता है

(3) असत्य है, क्योंकि गणित बच्चों को तार्किक चिंतन करने के अवसर प्रदान नहीं करता है

(4) असत्य है, क्योंकि गणित बच्चों को उनकी सृजनात्मकता को बढ़ाने के अवसर प्रदान नहीं करता है

[Question ID = 51][Question Description = S16_Maths Content/Pedagogy_Q051]

1. 1 [Option ID = 201]
2. 2 [Option ID = 202]
3. 3 [Option ID = 203]
4. 4 [Option ID = 204]

22) To prove that 'If n^2 is even, then n is even', a teacher begins by assuming that n^2 is even but 'n' is odd and then proceeds to show how this assumption is not possible. It is an example of proof by :

(1) Induction

(2) Deduction

(3) Contradiction

(4) Verification

यह सिद्ध करने के लिए कि 'यदि n^2 सम है, तो n सम है', एक शिक्षक यह मानकर शुरू करता है कि n^2 सम है लेकिन 'n' विषम है और फिर यह दिखाने के लिए आगे बढ़ता है कि यह धारणा कैसे संभव नहीं है। यह उदाहरण है ________ द्वारा उपपत्ति का।

(1) आगमन

(2) निगमन

(3) विरोधाभास

(4) सत्यापन

[Question ID = 52][Question Description = S16_Maths Content/Pedagogy_Q052]

1. 1 [Option ID = 205]
2. 2 [Option ID = 206]
3. 3 [Option ID = 207]
4. 4 [Option ID = 208]

23) Which among the following statement is **NOT** true about the use of ICT in a mathematics classroom ?

(1) ICT enables students to generate many examples very quickly

(2) ICT enables students to see and know different representations of a relationship

(3) ICT enables students to work with static objects only

(4) ICT provides fast and reliable feedback to students

गणित की कक्षा में, ICT के उपयोग के विषय में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य **नहीं** है ?

(1) ICT विद्यार्थियों को शीघ्रता से कई उदाहरण देने में सक्षम करता है

(2) ICT विद्यार्थियों को किसी संबंध के विभिन्न निरुपणों को देखने और जानने में सक्षम बनाता है

(3) ICT विद्यार्थियों को केवल स्थैतिक (स्थिर) वस्तुओं के साथ कार्य करने में सक्षम बनाता है

(4) ICT विद्यार्थियों को शीघ्र और स्थायी प्रतिपुष्टि प्रदान करता है

[Question ID = 53][Question Description = S16_Maths Content/Pedagogy_Q053]

1. 1 [Option ID = 209]
2. 2 [Option ID = 210]
3. 3 [Option ID = 211]
4. 4 [Option ID = 212]

24) Contemporary understanding of mathematics pedagogy is reflected by which of the following statements ?

(1) Not all children are capable of understanding mathematical concepts
(2) Mathematical abilities are innate in nature
(3) Mathematical abilities are gender specific
(4) Mathematics is for all and all children can learn mathematics

निम्नलिखित में से किस कथन में गणित शिक्षा–शास्त्र की समकालीन समझ का अनुचिंतन होता है ?

(1) सभी बच्चे गणितीय अवधारणाओं को समझने के योग्य नहीं हैं
(2) गणितीय योग्यताएँ सहजात हैं
(3) गणितीय योग्यताएँ जेंडर विशिष्ट हैं
(4) गणित सबके लिए है और सभी बच्चे गणित सीख सकते हैं

[Question ID = 54][Question Description = S16_Maths Content/Pedagogy_Q054]

1. 1 [Option ID = 213]
2. 2 [Option ID = 214]
3. 3 [Option ID = 215]
4. 4 [Option ID = 216]

25) Ravi uses the following step for solving an algebraic equation

$2x + 14 = 26,$

$2x = 26 - 14.$

It is an example of :

(1) Visualisation
(2) Transposition
(3) Estimation
(4) Trial and Error

रवि एक बीजीय समीकरण को हल करने के लिए निम्नलिखित चरण अपनाता है –

$2x + 14 = 26$

$2x = 26 - 14$

यह ________ का एक उदाहरण है।

(1) दृश्यीकरण
(2) पक्षांतरण
(3) अनुमान
(4) प्रयास व त्रुटि

[Question ID = 55][Question Description = S16_Maths Content/Pedagogy_Q055]

1. 1 [Option ID = 217]
2. 2 [Option ID = 218]
3. 3 [Option ID = 219]
4. 4 [Option ID = 220]

26) Wich of the following statement is **NOT** true in mathematics ?

(1) An axiom is a mathematical statement that is accepted without proof

(2) A conjecture is a statement that we think is true, but we have not yet developed a proof that it is true

(3) A theorem is a mathematical statement for which we have a proof

(4) A corollary is a true mathematical statement that is proven mainly to helps in the proof of any theorem

गणित में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य **नहीं** है?

(1) स्वयंसिद्ध एक गणितीय कथन है जिसे बिना प्रमाण के स्वीकार किया जाता है

(2) कन्जेक्चर एक कथन है जो हमें लगता है कि सच है, लेकिन हमने अभी तक उसे सत्य सिद्ध करने के लिए कोई प्रमाण विकसित नहीं किया है

(3) प्रमेय एक गणितीय कथन है जिसके लिए हमारे पास एक उपपत्ति है

(4) उपप्रमेय एक सत्य गणितीय कथन है जो मुख्य रूप से किसी प्रमेय की उपपत्ति में मदद करने के लिए प्रमाणित है

[Question ID = 56][Question Description = S16_Maths Content/Pedagogy_Q056]

1. 1 [Option ID = 221]
2. 2 [Option ID = 222]
3. 3 [Option ID = 223]
4. 4 [Option ID = 224]

27) For the **Assertion (A)** and **Reason (R)** given below, choose the correct option.

Assertion (A) : Students should not be allowed to use calculators until they have shown mathematical proficiency with pencil and paper at foundational level.

Reason (R) : The use of calculators for learning at foundational level prevents them from building a conceptual understanding of numerical relationships and operations.

(1) Both **(A)** and **(R)** are true and **(R)** is the correct explanation of **(A)**

(2) Both **(A)** and **(R)** are true but **(R)** is not the correct explanation of **(A)**

(3) **(A)** is true but **(R)** is false

(4) **(A)** is false but **(R)** is true

नीचे दिए गए **अभिकथन (A)** और **कारण (R)** के लिए सही विकल्प चुनें।

अभिकथन (A) : छात्रों को कैलकुलेटर का उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए जब तक कि वे बुनियादी स्तर पर पेंसिल और कागज के साथ गणितीय दक्षता नहीं दिखाते हैं।

कारण (R) : बुनियादी स्तर पर सीखने के लिए, कैलकुलेटर का उपयोग उनकी संख्यात्मक संबंधों और संक्रियाओं की अवधारणात्मक समझ को बनने में बाधा डालता है।

(1) **(A)** और **(R)** दोनों सत्य हैं और **(R)**, **(A)** की सही व्याख्या करता है।

(2) **(A)** और **(R)** दोनों सत्य हैं लेकिन **(R)**, **(A)** की सही व्याख्या नहीं है।

(3) **(A)** सत्य है लेकिन **(R)** असत्य है।

(4) **(A)** असत्य है लेकिन **(R)** सत्य है।

[Question ID = 57][Question Description = S16_Maths Content/Pedagogy_Q057]

1. 1 [Option ID = 225]

2. 2 [Option ID = 226]
3. 3 [Option ID = 227]
4. 4 [Option ID = 228]

28) Which of the following can **NOT** be used for formative assessment in mathematics ?

(1) Rubrics
(2) Project work
(3) Annul examinations
(4) Class work

निम्नलिखित में से गणित में रचनात्मक आकलन के लिए किसका प्रयोग **नहीं** किया जा सकता ?

(1) रूब्रिक्स
(2) परियोजना कार्य
(3) वार्षिक परीक्षा
(4) कक्षाकार्य

[Question ID = 58][Question Description = S16_Maths Content/Pedagogy_Q058]

1. 1 [Option ID = 229]
2. 2 [Option ID = 230]
3. 3 [Option ID = 231]
4. 4 [Option ID = 232]

29) Using the mathematical reasoning, what will be the converse of the following statement : 'if $x<y$, then $x+5<y+5$', where x and y are positive integers ?

(1) If $x>y$, then $x+5<y+5$
(2) If $x+5<y+5$, then $x<y$
(3) If $x<y$, then $x-5>y-5$
(4) If $x-5>y-5$, then $x>y$

गणितीय तर्क का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित कथन का विलोम क्या होगा : 'यदि $x<y$, तो $x+5<y+5$, जहाँ x और y धनात्मक पूर्णांक हैं :

(1) यदि $x>y$, तो $x+5<y+5$
(2) यदि $x+5<y+5$, तो $x<y$
(3) यदि $x<y$, तो $x-5>y-5$
(4) यदि $x-5>y-5$, तो $x>y$

[Question ID = 59][Question Description = S16_Maths Content/Pedagogy_Q059]

1. 1 [Option ID = 233]
2. 2 [Option ID = 234]
3. 3 [Option ID = 235]
4. 4 [Option ID = 236]

30)

A student conceptualises Pythagoras theorem with the help of pictures and graphs very quickly. According to Bruner, at what stage of cognitive development is the students ?

(1) Enactive

(2) Iconic

(3) Symbolic

(4) Object permanence

एक विद्यार्थी पाइथागोरस प्रमेय को चित्रों और ग्राफ की सहायता से शीघ्रता से संकल्पित करता है। ब्रूनर के अनुसार विद्यार्थी संज्ञानात्मक विकास के __________ स्तर पर है।

(1) सक्रिय

(2) दृश्य प्रतिमान

(3) प्रतीकात्मक

(4) वस्तु स्थायित्व

[Question ID = 60][Question Description = S16_Maths Content/Pedagogy_Q060]

1. 1 [Option ID = 237]
2. 2 [Option ID = 238]
3. 3 [Option ID = 239]
4. 4 [Option ID = 240]

Topic:- SCIENCE_P2_CTET

1)

Identify the statements that are true :

(A) Charge becomes used up as it flows through a circuit

(B) Charge flows through circuits at very high speeds

(C) A light bulb transforms the electrical energy of moving charge into other forms of energy

(D) The charge carriers in wires are simply the electrons possessed by the atoms that make up the wires

(1) (A) and (B)

(2) (B) and (C)

(3) (C) and (D)

(4) (A) and (D)

सही कथनों की पहचान कीजिए :

(A) किसी परिपथ से बहते हुए आवेश खर्च होता है।

(B) परिपथों में आवेश बहुत उच्च गति से बहता है।

(C) प्रकाश का बल्ब गतिमान आवेश की विद्युतीय ऊर्जा को ऊर्जा के अन्य रूपों में रूपांतरित कर देता है।

(D) तारों के अन्दर आवेश वाहक मात्र तारों के परमाणुओं में निहित इलेक्ट्रॉन होते हैं।

(1) (A) तथा (B)

(2) (B) तथा (C)

(3) (C) तथा (D)

(4) (A) तथा (D)

[Question ID = 61][Question Description = S16_Science_Q061]

1. 1 [Option ID = 241]
2. 2 [Option ID = 242]
3. 3 [Option ID = 243]
4. 4 [Option ID = 244]

2)

Two mirrors (A) and (B) are at right angle to each other. If a ray of light strikes mirror (A) at 20 degree to the normal and then strikes mirror (B), find the angle of reflection of the ray emerging from mirror (B).

(1) 70 degree

(2) 20 degree

(3) 90 degree

(4) 30 degree

दो दर्पण (A) तथा (B) एक दूसरे के समकोण पर हैं। यदि कोई प्रकाश की किरण अभिलम्ब से 20 डिग्री के कोण से दर्पण (A) से टकराती है तो दर्पण (B) से निकलने वाली किरण का परावर्तन का कोण ज्ञात कीजिए :

(1) 70 डिग्री

(2) 20 डिग्री

(3) 90 डिग्री

(4) 30 डिग्री

[Question ID = 62][Question Description = S16_Science_Q062]

1. 1 [Option ID = 245]
2. 2 [Option ID = 246]
3. 3 [Option ID = 247]
4. 4 [Option ID = 248]

3)

Which material would you choose to wrap a box of ice cream to prevent it from melting in summers ?

(1) Aluminium foil

(2) Blanket

(3) Nylon cloth

(4) Plastic foil

गर्मियों में पिघलने से रोकने के लिए आप एक आइस क्रीम के डब्बे को किस वस्तु से लपेटेंगे ?

(1) एलूमिनियम फोयल

(2) कम्बल

(3) नायलॉन का कपड़ा

(4) प्लास्टिक फॉयल

[Question ID = 63][Question Description = S16_Science_Q063]

1. 1 [Option ID = 249]
2. 2 [Option ID = 250]
3. 3 [Option ID = 251]
4. 4 [Option ID = 252]

4)

When we place ice on water it floats, but if we place a piece of solid wax in a container of liquid wax it does not float. This observation is best explained by which of the following statements ?

(A) Floating of ice on water is an anomaly

(B) Sinking of solid wax is an anomaly

(C) Density of ice is less than water

(D) Density of solid wax in less than liquid wax

(1) Only (A)

(2) Both (B) and (D)

(3) Both (A) and (C)

(4) Only (C)

जब हम बर्फ को पानी में रखते हैं तो वह तैरती है, लेकिन जब हम ठोंस मोम के टुकड़े को तरल मोम के बर्तन में डालते हैं तो वह नहीं तैरता है। निम्नलिखित में से किस कथन द्वारा इस अवलोकन का सही स्पष्टीकरण होता है ?

(A) बर्फ का पानी पर तैरना एक अपवाद है।

(B) ठोंस मोम का डूब जाना एक अपवाद है।

(C) बर्फ का घनत्व पानी से कम होता है।

(D) ठोस मोम का घनत्व तरल मोम से कम होता है।

(1) केवल (A)

(2) दोनों (B) और (D)

(3) दोनों (A) और (C)

(4) केवल (C)

[Question ID = 64][Question Description = S16_Science_Q064]

1. 1 [Option ID = 253]
2. 2 [Option ID = 254]
3. 3 [Option ID = 255]
4. 4 [Option ID = 256]

5) Which of the following statements are true ?

(A) A force can act on an object with or without being in contact with it

(B) Earth's molten metallic core is the origin of the magnetic field

(C) Gravitational forces is one of the strongest forces

(D) Nuclear forces are weakest of fundamental forces

(1) (A) and (D)

(2) (B) and (C)

(3) (C) and (D)

(4) (A) and (B)

निम्नलिखित में से कौन से कथन **सही** है?

(A) बल किसी वस्तु पर कार्य कर सकता है चाहे वह उसके संपर्क में हो या न हो।

(B) पृथ्वी का गलित धात्विक क्रोड (केन्द्र) चुम्बकीय क्षेत्र का उद्गम है।

(C) गुरुत्वाकर्षण बल सर्वाधिक शक्तिशाली बलों में से एक है।

(D) नाभिकीय बल सबसे कमजोर मौलिक बल हैं।

(1) (A) तथा (D)

(2) (B) तथा (C)

(3) (C) तथा (D)

(4) (A) तथा (B)

[Question ID = 65][Question Description = S16_Science_Q065]

1. 1 [Option ID = 257]
2. 2 [Option ID = 258]
3. 3 [Option ID = 259]
4. 4 [Option ID = 260]

6)

Identify the correct statement/s regarding phases of moon.

(A) We see only that part of the moon from which the light of the sun is reflected towards us.

(B) Moon revolves around the Earth and the earth blocks the sunlight falling on it which results in phases

(C) Phases of moon are caused due to varying velocity of moon around the earth

(D) The size of the illuminated part of moon visible from earth increases after new moon day

(1) (A) and (D)

(2) Only (B)

(3) Only (C)

(4) (A) and (C)

चन्द्रमाँ की कलाओं के संदर्भ में सही कथनों की पहचान कीजिए :

(A) हम चन्द्रमा का केवल वो भाग देखते है जिससे सूर्य का प्रकाश हमारी ओर परावर्तित होता है।

(B) चन्द्रमा पृथ्वी का परिक्रमण करता है तथा पृथ्वी उस पर पड़ने वाले सूर्य के प्रकाश को अवरोधित (रोक) कर देती है जिसके परिणामस्वरूप कलाएँ बनती हैं।

(C) चन्द्रमाँ की कलाओं का कारण पृथ्वी के परिक्रमण में चन्द्रमा का बदलता वेग है।

(D) पृथ्वी से दिखने वाला चन्द्रमा का प्रदीप्त भाग नव चन्द्र के दिन के बाद बढ़ने लगता है।

(1) (A) तथा (D)

(2) केवल (B)

(3) केवल (C)

(4) (A) तथा (C)

[Question ID = 66][Question Description = S16_Science_Q066]

1. 1 [Option ID = 261]
2. 2 [Option ID = 262]
3. 3 [Option ID = 263]
4. 4 [Option ID = 264]

7) Identify the correct statement :

(1) Frequency is expressed in decibel (dB)

(2) 1 hertz is one oscillation per second

(3) Amplitude is expressed in hertz (Hz)/sec

(4) 1 decibel is 100 vibrations per second

सही कथन की पहचान कीजिए :

(1) आवृत्ति को डेसिबल (dB) में दर्शाया जाना

(2) 1 हर्ट्स बराबर है एक दौलन प्रति सैकंड के

(3) आयाम दर्शाया जाता है हर्ट्स (Hz) प्रति सैकंड में

(4) 1 डेसिबेल बराबर होता है 100 कंपन प्रति सैकंड के

[Question ID = 67][Question Description = S16_Science_Q067]

1. 1 [Option ID = 265]
2. 2 [Option ID = 266]
3. 3 [Option ID = 267]
4. 4 [Option ID = 268]

8) Which of the following sets comprises physical changes ?

(1) Boiling of oil, breaking of mug, burning of paper

(2) Dissolving copper sulphate in water, digestion of food, cutting of paper

(3) Breaking of egg, boiling salt water, mixing ink in water

(4) Rusting of iron, burning of paper, cooking of food

निम्नलिखित में से कौन सा समुच्चय भौतिक परिवर्तनों का है ?

(1) तेल का उबलना, मग का टूटना, कागज का जलना

(2) कॉपर सल्फेट को पानी में घोलना, भोजन का पाचन, कागज को काटना

(3) अंडे का टूटना, नमक वाले पानी का उबलना, स्याही को पानी में मिलाना

(4) लोहे पर जंग लगना, कागज का जलना, भोजन का पकना

[Question ID = 68][Question Description = S16_Science_Q068]

1. 1 [Option ID = 269]
2. 2 [Option ID = 270]
3. 3 [Option ID = 271]
4. 4 [Option ID = 272]

9)

In an experiment, samples of two colourless solutions X and Y were taken. On adding turmeric solution, X acquired yellow colour and Y became brick red. What can you conclude about the nature of X and Y ?

(1) X and Y are salts

(2) Y is a base and X can not be known with above information

(3) Y is base and X is acid

(4) X is base and Y is acid

एक प्रयोग में दो रंगहीन विलयन X तथा Y के नमूने लिए गए। हल्दी का घोल डालने पर X का रंग पीला तथा Y का रंग गहरा लाल हो गया। X तथा Y की प्रकृति के बारे में आप क्या निष्कर्ष निकाल सकते है?

(1) X तथा Y लवण हैं

(2) Y एक क्षार है तथा X का दी गई जानकारी से पता नहीं लगाया जा सकता है

(3) Y एक क्षार है तथा X एक अम्ल है

(4) X एक क्षार है तथा Y एक अम्ल है

[Question ID = 69][Question Description = S16_Science_Q069]

1. 1 [Option ID = 273]
2. 2 [Option ID = 274]
3. 3 [Option ID = 275]
4. 4 [Option ID = 276]

10)

Read the statements given below and choose the correct option.

Assertion : Salts, edible oils, vinegar, sugar, etc are common preservatives.

Reason : These enhance the flavour of food

(1) Both assertion and reason are correct and reason is the correct explanation of the assertion

(2) Both assertion and reason are correct but reason is not the correct explanation of the assertion

(3) Assertion is true but reason is false

(4) Assertion is false but reason is true

निम्नलिखित को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए :

कथन : लवण, खाद्य तेल, सिरका, चीनी आदि आम परिरक्षक हैं।

कारण : ये भोजन के सुस्वाद को बढ़ाते हैं।

(1) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन का सही स्पष्टीकरण है।

(2) कथन तथा कारण दोनों सही हैं किन्तु कारण कथन का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(3) कथन सही है किन्तु कारण गलत है।

(4) कथन गलत है किन्तु कारण सही है।

[Question ID = 70][Question Description = S16_Science_Q070]

1. 1 [Option ID = 277]
2. 2 [Option ID = 278]
3. 3 [Option ID = 279]
4. 4 [Option ID = 280]

11)

When magnesium ribbon is burnt in air, it forms a powdery substance A. A is dissolved in water and it forms substance B which turns red litmus blue. Identify the substances A and B.

(1) MgO_2 and Mg(OH)

(2) MgO_2 and $Mg(OH)_2$

(3) $Mg(OH)_2$ and MgO

(4) MgO and $Mg(OH)_2$

जब मैग्नीशियम के फीते को हवा में जलाया जाता है तो एक पाऊडरी पदार्थ A बनता है। A को पानी में घोला जाता है और ये पदार्थ B बनता है जो लाल लिट्मस को नीला में बदल देता है। पदार्थ A तथा B की पहचान कीजिए :

(1) MgO_2 तथा $Mg(OH)$

(2) MgO_2 तथा $Mg(OH)_2$

(3) $Mg(OH)_2$ तथा MgO

(4) MgO तथा $Mg(OH)_2$

[Question ID = 71][Question Description = S16_Science_Q071]

1. 1 [Option ID = 281]
2. 2 [Option ID = 282]
3. 3 [Option ID = 283]
4. 4 [Option ID = 284]

12) Which among the following is not considered as a greenhouse gas :

(1) Nitrogen

(2) Carbon dioxide

(3) Water vapour

(4) Methane

निम्नलिखित में से किस को ग्रीनहाऊस गैस नहीं माना जाता है :

(1) नाइट्रोजन

(2) कार्बनडाइआक्साइड

(3) जल वाष्प

(4) मीथेन

[Question ID = 72][Question Description = S16_Science_Q072]

1. 1 [Option ID = 285]
2. 2 [Option ID = 286]
3. 3 [Option ID = 287]
4. 4 [Option ID = 288]

13)

Assertion : If an iron nail is put in a blue copper sulphate solution, its colour changes to green.

Reason : The reactivity of copper is greater than that of iron and hence the change in colour

(1) Both assertion and reason are correct and reason is the correct explanation of the assertion

(2) Both assertion and reason are correct but reason is not the correct explanation of the assertion

(3) Assertion is true but reason is false

(4) Assertion is false but reason is true

निम्नलिखित को पढ़िए और सही विकल्प की पहचान कीजिए :

कथन : यदि एक लोहे की कील को नीले कॉपर सल्फेट के घोल में डाला जाता है तो उसका रंग बदल कर हरा हो जाता है।

कारण : कॉपर (तांबा) की अभिक्रियाशीलता लोहे से अधिक होती है इसलिए रंग में परिवर्तन होता है।

(1) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन का सही स्पष्टीकरण है।

(2) कथन तथा कारण दोनों सही हैं किन्तु कारण कथन का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(3) कथन सही है किन्तु कारण गलत है।

(4) कथन गलत है किन्तु कारण सही है।

[Question ID = 73][Question Description = S16_Science_Q073]

1. 1 [Option ID = 289]
2. 2 [Option ID = 290]
3. 3 [Option ID = 291]
4. 4 [Option ID = 292]

14) Identify <u>incorrect</u> statement about non-metals

(1) Non-metals are essential only for some living beings like us

(2) Non-metals are used in the water purification process

(3) Non-metals are used in crackers

(4) Non-metals are used in fertilizers

अधातुओं के विषय में **गलत** कथनों की पहचान कीजिए :

(1) अधातुएँ आवश्यक हैं केवल हमारे जैसे कुछ जीवित प्राणियों के लिए।

(2) अधातुओं का प्रयोग जल के शुद्धिकरण की प्रक्रिया में होता है।

(3) अधातुओं का प्रयोग पटाखों में होता है।

(4) अधातुओं का प्रयोग उर्वरकों में होता है।

[Question ID = 74][Question Description = S16_Science_Q074]

1. 1 [Option ID = 293]
2. 2 [Option ID = 294]
3. 3 [Option ID = 295]
4. 4 [Option ID = 296]

15) Identify only the true statement/s.

(A) Corn, papaya and cucumber produce unisexual flowers

(B) Mustard, rose and petunia have bisexual flowers

(C) The ovary contains one or more ovules

(D) After fertilization, the ovule develops as the fruit of the plant

(1) Only (A) and (B)

(2) Only (A), (B) and (C)

(3) Only (C)

(4) Only (D)

केवल सही कथनों की पहचान कीजिए :

(A) मक्का, पपीता तथा खीरा एकलिंगी फूल पैदा करते हैं।

(B) सरसों, गुलाब तथा पिटुनिया के द्विलिंगी फूल होते हैं।

(C) अण्डाशय में एक या एक से अधिक बीजाण्ड होते हैं।

(D) निषेचन के पश्चात्, बीजाण्ड पौधे के फल के रूप में विकसित हो जाता है।

(1) (A) तथा (B)

(2) (A), (B) तथा (C)

(3) केवल (C)

(4) केवल (D)

[Question ID = 75][Question Description = S16_Science_Q075]

1. 1 [Option ID = 297]
2. 2 [Option ID = 298]
3. 3 [Option ID = 299]
4. 4 [Option ID = 300]

16) How do the vaccines given to protect against Covid work ?

(1) By increasing the number of antigens in our body

(2) By producing suitable antibodies in our body

(3) By producing anti-inflammatory cells in our body

(4) By providing antibiotics to our body

कोविड से बचाव के लिए लगाई जाने वाली वैक्सीन (टीके) किस प्रकार कार्य करती हैं?

(1) हमारे शरीर में प्रतिजनों (ऐंटीजेन्स) की संख्या को बढ़ा कर

(2) हमारे शरीर में उपयुक्त प्रतिरक्षकों (एन्टीबॉडीज) का उत्पादन करके

(3) हमारे शरीर में उन कोशिकाओं का उत्पादन करके जो सूजन होने से रोकती हैं

(4) हमारे शरीर को प्रतिरक्षक मुहैय्या करा कै

[Question ID = 76][Question Description = S16_Science_Q076]

1. 1 [Option ID = 301]
2. 2 [Option ID = 302]
3. 3 [Option ID = 303]
4. 4 [Option ID = 304]

17)

Read the following statements and choose the **correct** option :

Assertion : Presence of starch in leaves indicates the occurrence of photosynthesis

Reason : Carbohydrate formed during photosynthesis ultimately gets converted to starch

(1) Both assertion and reason are correct and reason is the correct explanation of the assertion

(2) Both assertion and reason are correct but reason is not the correct explanation of the assertion

(3) Assertion is true but reason is false

(4) Assertion is false but reason is true

निम्नलिखित को पढ़िए और सही विकल्प की पहचान कीजिए :

कथन : पत्तियों में मांड (स्टार्च) की उपस्थिति प्रकाश संश्लेषण के घटित होने का सूचक है।

कारण : प्रकाश संश्लेषण के दौरान बनने वाला कार्बोहाइड्रेट अंततः मांड (स्टार्च) में परिवर्तित हो जाता है।

(1) कथन तथा कारण दोनों सही हैं एवं कारण कथन का सही स्पष्टीकरण है।

(2) कथन तथा कारण दोनों सही हैं किन्तु कारण कथन का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(3) कथन सही है किन्तु कारण गलत है।

(4) कथन गलत है किन्तु कारण सही है।

[Question ID = 77][Question Description = S16_Science_Q077]

1. 1 [Option ID = 305]
2. 2 [Option ID = 306]
3. 3 [Option ID = 307]
4. 4 [Option ID = 308]

18)

Which of the following statements about cells is correct ?

(1) Mitochondria is a jelly-like substance present between the cell membrane and nucleus

(2) Mitochondria, golgi bodies, ribosomes, etc are present in the nuclear membrane

(3) Nuclear membrane surrounding the nucleus is porous allowing the movement of materials

(4) Nuclear membrane is made up of thread-like structures called chromosomes

कोशिकाओं के विषय में निम्नलिखित में से कौन सा कथन **सही** है ?

(1) माइटोकॉँड्रिया एक जैलीनुमा पदार्थ है जो कोशिका झिल्ली तथा केन्द्रक के बीच में उपस्थित होता है।

(2) माइटोकॉँड्रिया, गॉल्गी बॉडीज़, राइबोसोम्स आदि केन्द्रकीय झिल्ली में उपस्थित होते है।

(3) केन्द्रक को घेरने वाली केन्द्रकीय झिल्ली सरंध्र होती है जिससे पदार्थों का संचलन हो पाता है।

(4) केन्द्रकीय झिल्ली क्रोमोसोम्स नामक धागे जैसी संरचनाओं से बनी होती है।

[Question ID = 78][Question Description = S16_Science_Q078]

1. 1 [Option ID = 309]
2. 2 [Option ID = 310]
3. 3 [Option ID = 311]
4. 4 [Option ID = 312]

19) Which of the following represents correct matching set :

(A)	Viruses	(i)	used in preparation of medicines
(B)	Bacteria	(ii)	cause cold and cough, polio, chicken pox
(C)	Protozoa	(iii)	cause rust of wheat
(D)	Fungi	(iv)	cause dysentery and malaria

(1) (A)-(ii), (B)-(i), (C)-(iv), (D)-(iii)

(2) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iv), (D)-(iii)

(3) (A)-(iii), (B)-(iv), (C)-(i), (D)-(ii)

(4) (A)-(iv), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(i)

निम्नलिखित में से कौन सही मिलान वाले समुच्चय (सेट) को प्रदर्शित करता है :

(A)	विषाणु	(i)	दवाईयाँ बनाने में प्रयुक्त
(B)	जीवाणु	(ii)	जुकाम, खाँसी, पोलियो, चिकन पोक्स का कारण
(C)	प्रोटोज़ोआ	(iii)	गेंहूँ में रस्ट का कारण
(D)	कवक	(iv)	पेचिश एवं मलेरिया का कारण

(1) (A)-(ii), (B)-(i), (C)-(iv), (D)-(iii)
(2) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iv), (D)-(iii)
(3) (A)-(iii), (B)-(iv), (C)-(i), (D)-(ii)
(4) (A)-(iv), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(i)

[Question ID = 79][Question Description = S16_Science_Q079]

1. 1 [Option ID = 313]
2. 2 [Option ID = 314]
3. 3 [Option ID = 315]
4. 4 [Option ID = 316]

20) Identify the following :

(A) Is the largest gland in human body
(B) Stores bile juice
(C) Breaks down starch into sugar
(D) Helps in controlling blood sugar level

(A), (B), (C) and (D) respectively are

(1) (A)-Heart, (B)-Liver, (C)-Saliva, D-Pancreas
(2) (A)-Heart, (B)-Gall bladder, (C)-Saliva, (D)-Pancreas
(3) (A)-Liver, (B)-Gall bladder, (C)-Saliva, (D)-Pancreas
(4) (A)-Liver, (B)-Gall bladder, (C)-Pancreas, (D)-Saliva

निम्नलिखित की पहचान कीजिए :

(A) मानव शरीर की सबसे बड़ी ग्रंथी है।
(B) पित्त रस का भंडारण करता है।
(C) स्टार्च (मांड) को शर्करा में विघटित करता है।
(D) रक्त में शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में सहायक होता है।

(A), (B), (C) and (D) respectively are

(1) (A)-हृदय, (B)-यकृत, (C)-लार, D-अग्नाशय
(2) (A)-हृदय, (B)-पित्त की थैली, (C)-लार, (D)-अग्नाशय
(3) (A)-यकृत, (B)-पित्त की थैली, (C)-लार, (D)-अग्नाशय
(4) (A)-यकृत, (B)-पित्त की थैली, (C)-अग्नाशय, (D)-लार

[Question ID = 80][Question Description = S16_Science_Q080]

1. 1 [Option ID = 317]
2. 2 [Option ID = 318]
3. 3 [Option ID = 319]
4. 4 [Option ID = 320]

21)

From the following, identify the statement that is true about science.

(1) Science is a creative field and scientists need imagination to carry out their work

(2) All scientific ideas need to be proved

(3) When a theory has been supported by a great deal of scientific evidence, it becomes a law

(4) All scientific ideas are discovered and tested by controlled experiments

निम्नलिखित में से उस कथन को पहचानिए जो विज्ञान के संदर्भ में **सही** है ?

(1) विज्ञान एक सृजनात्मक क्षेत्र है तथा वैज्ञानिकों को अपना कार्य करने के लिए कल्पनाशीलता की आवश्यकता होती है।

(2) सभी वैज्ञानिकों मतों को सिद्ध करना आवश्यक है।

(3) जब किसी सिद्धांत को बहुत से वैज्ञानिक प्रमाणों द्वारा समर्थन प्राप्त हो, तो वह नियम बन जाता है।

(4) सभी वैज्ञानिक विचारों की खोज एवं परीक्षण नियंत्रित प्रयोगों द्वारा होती है।

[Question ID = 81][Question Description = S16_Science_Q081]

1. 1 [Option ID = 321]
2. 2 [Option ID = 322]
3. 3 [Option ID = 323]
4. 4 [Option ID = 324]

22)

Shanu wants to demonstrate to the class that air has mass. Which one of the following activities will be most suitable for the purpose ?

(1) Taking two balloons, inflating them to the same size, attaching each balloon with a string to a ruler and then puncturing one of them

(2) Taking a glass tumbler, putting a tissue in it and upending that glass tumbler into a bucket of water

(3) Taking an empty glass mug and upending it into water and making children observe the bubbles of air rise

(4) Taking a deflated balloon and putting it on the mouth of a glass bottle. Making the children observe the balloon inflate by putting the glass bottle in a bath of boiling water

शानू कक्षा में प्रदर्शन करना चाहता है कि वायु में द्रव्यमान होता है। निम्नलिखित में से कौन से क्रियाकलाप इस उद्देश्य के लिए सबसे उपयुक्त होंगे ?

(1) दो गुब्बारे लेकर उन्हें एक समान आकार में फुला कर प्रत्येक गुब्बारे को एक डोरी द्वारा मापनी से बाँध दे तत्पश्चात् उनमें से एक को पंचर कर दें।

(2) एक काँच का गिलास लें, उसमें एक टिशु डाल कर ग्लास को पानी की बाल्टी में उल्टा खड़ा कर दें।

(3) एक खाली गिलास लेकर उसें पानी में उल्टा कर दे और बच्चों को उसमें से उठते हुए हवा के बुलबुलों का अवलोकन करने को कहें।

(4) एक बगैर हवा वाला गुब्बारा लेकर उसे काँच की बोतल के मुँह पर लगायें। काँच की बोतल को उबलते पानी के बर्तन में रखने पर गुब्बारे के फूलने की क्रिया का अवलोकन बच्चों से कराएँ।

[Question ID = 82][Question Description = S16_Science_Q082]

1. 1 [Option ID = 325]
2. 2 [Option ID = 326]
3. 3 [Option ID = 327]
4. 4 [Option ID = 328]

23)

According to N.C.F. 2005, which of the following is recommended as an objective of upper primary stage science curriculum ?

(1) Systematic experimentation needs to be introduced to verify theoretical principles

(2) Concepts should be arrived at from activities / experiments

(3) Vocational education needs to be integrated with science

(4) Concepts should be taught through a disciplinary approach

N.C.F. 2005 के अनुसार निम्नलिखित में से किस की सिफारिश उच्च प्राथमिक स्तर के पाठ्यक्रम के एक उद्देश्य के रूप में की गयी है ?

(1) सैद्धान्तिक सिद्धान्तों के सत्यापन हेतु क्रमबद्ध प्रयोगों को प्रवर्तित करने की आवश्यकता है।

(2) क्रियाकलापों/प्रयोगों द्वारा प्रत्ययों तक पहुँचना चाहिए।

(3) व्यवसायिक शिक्षा का विज्ञान के साथ एकीकरण करना चाहिए।

(4) प्रत्ययों को विषय परक पद्धति के माध्यम से सिखाना चाहिए।

[Question ID = 83][Question Description = S16_Science_Q083]

1. 1 [Option ID = 329]
2. 2 [Option ID = 330]
3. 3 [Option ID = 331]
4. 4 [Option ID = 332]

24)

Which of the following be the least appropriate strategy to understand misconceptions regarding current electricity in grade 7 students ?

(1) Using concept mapping

(2) Using various kinds of circuit diagram worksheets

(3) Asking students to write answers to questions given at the end of the lesson

(4) Observing students while they make different kinds of circuit arrangement

कक्षा 7 के छात्रों में धारा विद्युत से संबंधित गलत धारणाओं को समझने के लिए सबसे कम उपयुक्त नीति कौन सी होगी ?

(1) प्रत्यय मानचित्रण का प्रयोग

(2) विभिन्न प्रकार के परिपथ चित्र कार्यपत्रों का प्रयोग

(3) छात्रों से कहना कि वे पाठ के अन्त में दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें

(4) छात्रों का अवलोकन करना जब वे विभिन्न प्रकार के परिपथ व्यवस्थाओं को बना रहे हों

[Question ID = 84][Question Description = S16_Science_Q084]

1. 1 [Option ID = 333]
2. 2 [Option ID = 334]
3. 3 [Option ID = 335]
4. 4 [Option ID = 336]

25)

What kind of strategies will you use in order to help girls feel confident in your science classes ?

(A) Using gender sensitive language

(B) Invite women scientists to visit your classroom

(C) Help girls to always dominate discussion in the science classroom

(D) Help students in examining myths and sterotypes about science.

(1) (A) and (B)

(2) (B) and (C)

(3) (A), (C) and (D)

(4) (A), (B) and (D)

अपनी विज्ञान की कक्षा में लड़कियों को आत्मविश्वासी महसूस करने में मदद करने के लिए आप किस प्रकार की नीतियाँ प्रयुक्त करेंगे ?

(A) लिंग संवेदनशील भाषा का प्रयोग।

(B) अपनी कक्षा में महिला वैज्ञानिकों को आमंत्रित करना।

(C) लड़कियों को विज्ञान की कक्षा में विचार-विमर्श में प्रबल होने में मदद करना।

(D) विज्ञान के बारे में मिथकों एवं रुढ़िबद्ध धारणाओं का परीक्षण करने में छात्रों की मदद करना।

(1) (A) तथा (B)

(2) (B) तथा (C)

(3) (A), (C) तथा (D)

(4) (A), (B) तथा (D)

[Question ID = 85][Question Description = S16_Science_Q085]

1. 1 [Option ID = 337]
2. 2 [Option ID = 338]
3. 3 [Option ID = 339]
4. 4 [Option ID = 340]

26) Which of the following best describes a divergent question ?

(1) Do you think all things expand on heating ?

(2) What is the process of heat transfer in soilds, liquids and gases ?

(3) What materials can you use to wrap ice to prevent from melting in summers ?

(4) What is the difference between heat and temperature ?

निम्नलिखित में से कौन सा अपसारी प्रश्न का सबसे अच्छा वर्णन करता है ?

(1) क्या आप सोचते है कि सभी वस्तुएँ गर्म करने पर विस्तारित होती हैं ?

(2) ठोस, तरल एवं गैसों में ऊष्मा के स्थानांतरण की प्रक्रिया क्या है ?

(3) गर्मियों में बर्फ को पिघलने से रोकने के लिए कौन सी वस्तुओं का प्रयोग करेंगे ?

(4) ऊष्मा एवं ताप में क्या अंतर है ?

[Question ID = 86][Question Description = S16_Science_Q086]

1. 1 [Option ID = 341]
2. 2 [Option ID = 342]
3. 3 [Option ID = 343]
4. 4 [Option ID = 344]

27) Content validity in science curriculum means :

(1) inclusion of how concepts of science evolve over time

(2) conveying significant and scientifically correct content

(3) dilution of content as per the cognitive level of children

(4) inclusion of appropriate fun elements of science

विज्ञान के पाठ्यक्रम में विषय–वस्तु वैधता का अर्थ है –

(1) शामिल करना कि समय के साथ विज्ञान के प्रत्यय कैसे विकसित होते हैं।

(2) सार्थक एवं वैज्ञानिक रूप से सही सामग्री को संप्रेषित करना

(3) बच्चों के ज्ञानात्मक स्तर के अनुसार सामग्री का मंदन

(4) विज्ञान में उचित मनोरंजक तत्वों को शामिल करना

[Question ID = 87][Question Description = S16_Science_Q087]

1. 1 [Option ID = 345]
2. 2 [Option ID = 346]
3. 3 [Option ID = 347]
4. 4 [Option ID = 348]

28) In an inquiry-based classroom, which of the following is least suitable form of assessment ?

(1) Projects

(2) Observations by teacher

(3) Reflections / Journals

(4) Written Examination

एक जाँच–आधारित कक्षा में सबसे कम उपयुक्त मूल्यांकन का स्वरूप क्या है ?

(1) परियोजनायें

(2) शिक्षकों द्वारा किए गए अवलोकन

(3) विचार/दैनिकी

(4) लिखित परीक्षायें

[Question ID = 88][Question Description = S16_Science_Q088]

1. 1 [Option ID = 349]
2. 2 [Option ID = 350]
3. 3 [Option ID = 351]
4. 4 [Option ID = 352]

29)

Tashi has been asked to conduct remedial classes every Saturday. Whom should she include in her remedial classes ?

(A) Students with learning disabilities
(B) Students who have fallen behind for some reason
(C) All students so that group work can be done
(D) All students for sharing the examination pattern

(1) (A) and (B)
(2) (B) and (C)
(3) (A), (B) and (C)
(4) Only (A)

ताशी को हर शनिवार नैदानिक कक्षायें संचालित करने के लिए कहा गया है। उसे अपनी सुधार कक्षाओं में किन्हे सम्मिलित करना चाहिए :

(A) अधिगम बाधित क्षमताओं वाले छात्र
(B) वे छात्र जो किसी करणवश पिछड़ गए हैं
(C) सभी छात्र जिससे समूह कार्य हों सकें
(D) सभी छात्र जिससे परीक्षा प्रणाली सांझा हों सकें

(1) (A) तथा (B)
(2) (B) तथा (C)
(3) (A), (B) तथा (C)
(4) केवल (A)

[Question ID = 89][Question Description = S16_Science_Q089]

1. 1 [Option ID = 353]
2. 2 [Option ID = 354]
3. 3 [Option ID = 355]
4. 4 [Option ID = 356]

30)

Read the statements given below and choose the **correct** option :

Assertion : Concept Mapping promotes meaning making through active learning

Reason : Concept mapping helps students make connections between new ideas that they are attempting to visually represent and those that already exist in their minds.

(1) Both assertion and reason are correct and reason is the correct explanation of the assertion
(2) Both assertion and reason are correct but reason is not the correct explanation of the assertion
(3) Assertion is true but reason is false
(4) Assertion is false but reason is true

निम्नलिखित को पढ़िए और सही विकल्प की पहचान कीजिए :

कथन : प्रत्यय मानचित्रण क्रियाशील अधिगम द्वारा अर्थांकन को प्रोत्साहित करता है।

कारण : प्रत्यय मानचित्रण छात्रों को संबंध स्थापित करने में सहायक होता है; उन नए विचारों में जिन्हें वे दृश्य रूप में दर्शाने का प्रयास कर रहे है तथा उनमें जो उसके मस्तिष्क में पहले से विद्यमान हैं।

(1) कथन तथा कारण दोनों सही हैं एवं कारण कथन का सही स्पष्टीकरण है।

(2) कथन तथा कारण दोनों सही हैं एवं कारण कथन का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(3) कथन सही है किन्तु कारण गलत है।

(4) कथन गलत है किन्तु कारण सही है।

[Question ID = 90][Question Description = S16_Science_Q090]

1. 1 [Option ID = 357]
2. 2 [Option ID = 358]
3. 3 [Option ID = 359]
4. 4 [Option ID = 360]

Topic:- HIN_Q91-99_L1_P2_CTET

1) **दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

मेघालय – यानी बादलों का घर। तीन पर्वतीय अंचलों में बँटा हुआ है मेघालय–खासी, गारो और जयंतिया पर्वत। हर अंचल की अपनी अलग संस्कृति है। हर कहीं पारिवारिक व्यवस्था मातृसत्तात्मक है। तमाम दुकानों पर स्त्रियाँ सौदा बेचती और बेहिचक बतियाती दिखाई देती हैं। शायद कमोबेश यह स्थिति पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में भी है, भले ही वहाँ मातृसत्तात्मक परिवार व्यवस्था न हो। भारत में जहाँ भी जाइए, लोग सब जगह एक–से ही हैं। हाँ, बोली, पहनावे, नाक–नक्श में थोड़ा अंतर है। यह स्वाभाविक ही है। भौगोलिक स्थितियाँ ही ऐसा अंतर कर देती हैं। यहाँ के रंगारंग नृत्यों का अपना सौंदर्य है। नृत्य और उत्सव के जरिए शांति और संपन्नता की कामना की जाती है, अच्छी फसल के लिए ईश्वर को धन्यवाद दिया जाता है। उत्तर, दक्षिण और पूर्व भारत के उत्सवों में भी तो यही भावना निहित है। खासियों के नोंगक्रेम नृत्य को देखने के बाद माँसमाई गाँव की गुफाओं की ओर प्रस्थान किया।

प्रस्तुत गद्यांश की विधा क्या है ?

(1) जीवनी

(2) निबंध

(3) कविता

(4) यात्रा वृत्तान्त

[Question ID = 181][Question Description = S16_Hindi Content/Pedagogy_Q091]

1. 1 [Option ID = 721]
2. 2 [Option ID = 722]
3. 3 [Option ID = 723]
4. 4 [Option ID = 724]

2) **दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

मेघालय – यानी बादलों का घर। तीन पर्वतीय अंचलों में बँटा हुआ है मेघालय-खासी, गारो और जयंतिया पर्वत। हर अंचल की अपनी अलग संस्कृति है। हर कहीं पारिवारिक व्यवस्था मातृसत्तात्मक है। तमाम दुकानों पर स्त्रियाँ सौदा बेचती और बेहिचक बतियाती दिखाई देती हैं। शायद कमोबेश यह स्थिति पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में भी है, भले ही वहाँ मातृसत्तात्मक परिवार व्यवस्था न हो। भारत में जहाँ भी जाइए, लोग सब जगह एक-से ही हैं। हाँ, बोली, पहनावे, नाक-नक्श में थोड़ा अंतर है। यह स्वाभाविक ही है। भौगोलिक स्थितियाँ ही ऐसा अंतर कर देती हैं। यहाँ के रंगारंग नृत्यों का अपना सौंदर्य है। नृत्य और उत्सव के जरिए शांति और संपन्नता की कामना की जाती है, अच्छी फसल के लिए ईश्वर को धन्यवाद दिया जाता है। उत्तर, दक्षिण और पूर्व भारत के उत्सवों में भी तो यही भावना निहित है। खासियों के नोंगक्रेम नृत्य को देखने के बाद माँसमाई गाँव की गुफाओं की ओर प्रस्थान किया।

हर अंचल की अपनी अलग-अलग संस्कृति क्यों है?

(1) लोगों के अलगाववादी दृष्टिकोण के कारण

(2) लोगों के शैक्षिक स्तर के कारण

(3) भौगोलिक स्थितियों में अंतर के कारण

(4) प्रशासनिक व्यवस्थाओं में अंतर के कारण

[Question ID = 182][Question Description = S16_Hindi Content/Pedagogy_Q092]

1. 1 [Option ID = 725]
2. 2 [Option ID = 726]
3. 3 [Option ID = 727]
4. 4 [Option ID = 728]

3) **दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

मेघालय – यानी बादलों का घर। तीन पर्वतीय अंचलों में बँटा हुआ है मेघालय-खासी, गारो और जयंतिया पर्वत। हर अंचल की अपनी अलग संस्कृति है। हर कहीं पारिवारिक व्यवस्था मातृसत्तात्मक है। तमाम दुकानों पर स्त्रियाँ सौदा बेचती और बेहिचक बतियाती दिखाई देती हैं। शायद कमोबेश यह स्थिति पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में भी है, भले ही वहाँ मातृसत्तात्मक परिवार व्यवस्था न हो। भारत में जहाँ भी जाइए, लोग सब जगह एक-से ही हैं। हाँ, बोली, पहनावे, नाक-नक्श में थोड़ा अंतर है। यह स्वाभाविक ही है। भौगोलिक स्थितियाँ ही ऐसा अंतर कर देती हैं। यहाँ के रंगारंग नृत्यों का अपना सौंदर्य है। नृत्य और उत्सव के जरिए शांति और संपन्नता की कामना की जाती है, अच्छी फसल के लिए ईश्वर को धन्यवाद दिया जाता है। उत्तर, दक्षिण और पूर्व भारत के उत्सवों में भी तो यही भावना निहित है। खासियों के नोंगक्रेम नृत्य को देखने के बाद माँसमाई गाँव की गुफाओं की ओर प्रस्थान किया।

'तमाम दुकानों पर स्त्रियाँ सौदा बेचती और बेहिचक बतियाती दिखाई देती हैं।'

यह पंक्ति किस ओर संकेत करती है?

(1) समाज में स्त्रियों की उन्नत स्थिति

(2) स्त्रियों पर सामाजिक प्रतिबंध

(3) पुरुषों के जुझारुपन में कमी

(4) महिला-पुरुष असमानता

[Question ID = 183][Question Description = S16_Hindi Content/Pedagogy_Q093]

1. 1 [Option ID = 729]
2. 2 [Option ID = 730]
3. 3 [Option ID = 731]
4. 4 [Option ID = 732]

4)

दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

मेघालय – यानी बादलों का घर। तीन पर्वतीय अंचलों में बँटा हुआ है मेघालय–खासी, गारो और जयंतिया पर्वत। हर अंचल की अपनी अलग संस्कृति है। हर कहीं पारिवारिक व्यवस्था मातृसत्तात्मक है। तमाम दुकानों पर स्त्रियाँ सौदा बेचती और बेहिचक बतियाती दिखाई देती हैं। शायद कमोबेश यह स्थिति पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में भी है, भले ही वहाँ मातृसत्तात्मक परिवार व्यवस्था न हो। भारत में जहाँ भी जाइए, लोग सब जगह एक–से ही हैं। हाँ, बोली, पहनावे, नाक–नक्श में थोड़ा अंतर है। यह स्वाभाविक ही है। भौगोलिक स्थितियाँ ही ऐसा अंतर कर देती हैं। यहाँ के रंगारंग नृत्यों का अपना सौंदर्य है। नृत्य और उत्सव के जरिए शांति और संपन्नता की कामना की जाती है, अच्छी फसल के लिए ईश्वर को धन्यवाद दिया जाता है। उत्तर, दक्षिण और पूर्व भारत के उत्सवों में भी तो यही भावना निहित है। खासियों के नोंगक्रेम नृत्य को देखने के बाद माँसमाई गाँव की गुफाओं की ओर प्रस्थान किया।

मातृसत्तात्मक परिवार व्यवस्था से क्या तात्पर्य है?

(1) भूमि, धन, संपत्ति पिता से बेटे को मिलता है।

(2) भूमि, धन, संपत्ति माँ से बेटी को मिलती है।

(3) सभी काम माताओं की देखरेख में होते हैं।

(4) सभी काम माताओं को ही करने पड़ते हैं।

[Question ID = 184][Question Description = S16_Hindi Content/Pedagogy_Q094]

1. 1 [Option ID = 733]
2. 2 [Option ID = 734]
3. 3 [Option ID = 735]
4. 4 [Option ID = 736]

5) **दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

मेघालय – यानी बादलों का घर। तीन पर्वतीय अंचलों में बँटा हुआ है मेघालय–खासी, गारो और जयंतिया पर्वत। हर अंचल की अपनी अलग संस्कृति है। हर कहीं पारिवारिक व्यवस्था मातृसत्तात्मक है। तमाम दुकानों पर स्त्रियाँ सौदा बेचती और बेहिचक बतियाती दिखाई देती हैं। शायद कमोबेश यह स्थिति पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में भी है, भले ही वहाँ मातृसत्तात्मक परिवार व्यवस्था न हो। भारत में जहाँ भी जाइए, लोग सब जगह एक–से ही हैं। हाँ, बोली, पहनावे, नाक–नक्श में थोड़ा अंतर है। यह स्वाभाविक ही है। भौगोलिक स्थितियाँ ही ऐसा अंतर कर देती हैं। यहाँ के रंगारंग नृत्यों का अपना सौंदर्य है। नृत्य और उत्सव के जरिए शांति और संपन्नता की कामना की जाती है, अच्छी फसल के लिए ईश्वर को धन्यवाद दिया जाता है। उत्तर, दक्षिण और पूर्व भारत के उत्सवों में भी तो यही भावना निहित है। खासियों के नोंगक्रेम नृत्य को देखने के बाद माँसमाई गाँव की गुफाओं की ओर प्रस्थान किया।

नृत्य और उत्सव के जरिए किसकी कामना की जाती है?

(1) सभी नागरिकों की दीर्घ आयु की

(2) सभी बच्चों की अच्छी शिक्षा की

(3) शांति और संपन्नता की

(4) उत्सव मनाने की शक्ति की

[Question ID = 185][Question Description = S16_Hindi Content/Pedagogy_Q095]

1. 1 [Option ID = 737]
2. 2 [Option ID = 738]
3. 3 [Option ID = 739]
4. 4 [Option ID = 740]

6) **दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

मेघालय – यानी बादलों का घर। तीन पर्वतीय अंचलों में बँटा हुआ है मेघालय–खासी, गारो और जयंतिया पर्वत। हर अंचल की अपनी अलग संस्कृति है। हर कहीं पारिवारिक व्यवस्था मातृसत्तात्मक है। तमाम दुकानों पर स्त्रियाँ सौदा बेचती और बेहिचक बतियाती दिखाई देती हैं। शायद कमोबेश यह स्थिति पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में भी है, भले ही वहाँ मातृसत्तात्मक परिवार व्यवस्था न हो। भारत में जहाँ भी जाइए, लोग सब जगह एक–से ही हैं। हाँ, बोली, पहनावे, नाक–नक्श में थोड़ा अंतर है। यह स्वाभाविक ही है। भौगोलिक स्थितियाँ ही ऐसा अंतर कर देती हैं। यहाँ के रंगारंग नृत्यों का अपना सौंदर्य है। नृत्य और उत्सव के जरिए शांति और संपन्नता की कामना की जाती है, अच्छी फसल के लिए ईश्वर को धन्यवाद दिया जाता है। उत्तर, दक्षिण और पूर्व भारत के उत्सवों में भी तो यही भावना निहित है। खासियों के नोंगक्रेम नृत्य को देखने के बाद माँसमाई गाँव की गुफाओं की ओर प्रस्थान किया।

पूरे भारत में उत्सवों से जुड़ी कौन–सी बात एक समान लगी?

(1) अच्छी फसल के लिए ईश्वर को धन्यवाद देना

(2) सभी लोगों के नाकनक्श एक से होना

(3) सभी लोगों का मिल–जुलकर नृत्य करना

(4) सभी लोगों का एक सा पहनावा होना

[Question ID = 186][Question Description = S16_Hindi Content/Pedagogy_Q096]

1. 1 [Option ID = 741]
2. 2 [Option ID = 742]
3. 3 [Option ID = 743]
4. 4 [Option ID = 744]

7) **दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

मेघालय – यानी बादलों का घर। तीन पर्वतीय अंचलों में बँटा हुआ है मेघालय–खासी, गारो और जयंतिया पर्वत। हर अंचल की अपनी अलग संस्कृति है। हर कहीं पारिवारिक व्यवस्था मातृसत्तात्मक है। तमाम दुकानों पर स्त्रियाँ सौदा बेचती और बेहिचक बतियाती दिखाई देती हैं। शायद कमोबेश यह स्थिति पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में भी है, भले ही वहाँ मातृसत्तात्मक परिवार व्यवस्था न हो। भारत में जहाँ भी जाइए, लोग सब जगह एक–से ही हैं। हाँ, बोली, पहनावे, नाक–नक्श में थोड़ा अंतर है। यह स्वाभाविक ही है। भौगोलिक स्थितियाँ ही ऐसा अंतर कर देती हैं। यहाँ के रंगारंग नृत्यों का अपना सौंदर्य है। नृत्य और उत्सव के जरिए शांति और संपन्नता की कामना की जाती है, अच्छी फसल के लिए ईश्वर को धन्यवाद दिया जाता है। उत्तर, दक्षिण और पूर्व भारत के उत्सवों में भी तो यही भावना निहित है। खासियों के नोंगक्रेम नृत्य को देखने के बाद माँसमाई गाँव की गुफाओं की ओर प्रस्थान किया।

'मेघालय' का संधि विच्छेद है –

(1) मेघा + अलय

(2) मेघ + अलय

(3) मेघा + आलय

(4) मेघ + आलय

[Question ID = 187][Question Description = S16_Hindi Content/Pedagogy_Q097]

1. 1 [Option ID = 745]
2. 2 [Option ID = 746]
3. 3 [Option ID = 747]
4. 4 [Option ID = 748]

8) **दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

मेघालय – यानी बादलों का घर। तीन पर्वतीय अंचलों में बँटा हुआ है मेघालय–खासी, गारो और जयंतिया पर्वत। हर अंचल की अपनी अलग संस्कृति है। हर कहीं पारिवारिक व्यवस्था मातृसत्तात्मक है। तमाम दुकानों पर स्त्रियाँ सौदा बेचती और बेहिचक बतियाती दिखाई देती हैं। शायद कमोबेश यह स्थिति पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में भी है, भले ही वहाँ मातृसत्तात्मक परिवार व्यवस्था न हो। भारत में जहाँ भी जाइए, लोग सब जगह एक–से ही हैं। हाँ, बोली, पहनावे, नाक–नक्श में थोड़ा अंतर है। यह स्वाभाविक ही है। भौगोलिक स्थितियाँ ही ऐसा अंतर कर देती हैं। यहाँ के रंगारंग नृत्यों का अपना सौंदर्य है। नृत्य और उत्सव के जरिए शांति और संपन्नता की कामना की जाती है, अच्छी फसल के लिए ईश्वर को धन्यवाद दिया जाता है। उत्तर, दक्षिण और पूर्व भारत के उत्सवों में भी तो यही भावना निहित है। खासियों के नोंगक्रेम नृत्य को देखने के बाद माँसमाई गाँव की गुफाओं की ओर प्रस्थान किया।

कौन–सा शब्द 'पर्वत' का पर्यायवाची है?

(1) अंबर

(2) गिरि

(3) नीरज

(4) समीर

[Question ID = 188][Question Description = S16_Hindi Content/Pedagogy_Q098]

1. 1 [Option ID = 749]
2. 2 [Option ID = 750]
3. 3 [Option ID = 751]
4. 4 [Option ID = 752]

9) **दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

मेघालय – यानी बादलों का घर। तीन पर्वतीय अंचलों में बँटा हुआ है मेघालय–खासी, गारो और जयंतिया पर्वत। हर अंचल की अपनी अलग संस्कृति है। हर कहीं पारिवारिक व्यवस्था मातृसत्तात्मक है। तमाम दुकानों पर स्त्रियाँ सौदा बेचती और बेहिचक बतियाती दिखाई देती हैं। शायद कमोबेश यह स्थिति पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में भी है, भले ही वहाँ मातृसत्तात्मक परिवार व्यवस्था न हो। भारत में जहाँ भी जाइए, लोग सब जगह एक–से ही हैं। हाँ, बोली, पहनावे, नाक–नक्श में थोड़ा अंतर है। यह स्वाभाविक ही है। भौगोलिक स्थितियाँ ही ऐसा अंतर कर देती हैं। यहाँ के रंगारंग नृत्यों का अपना सौंदर्य है। नृत्य और उत्सव के जरिए शांति और संपन्नता की कामना की जाती है, अच्छी फसल के लिए ईश्वर को धन्यवाद दिया जाता है। उत्तर, दक्षिण और पूर्व भारत के उत्सवों में भी तो यही भावना निहित है। खासियों के नोंगक्रेम नृत्य को देखने के बाद माँसमाई गाँव की गुफाओं की ओर प्रस्थान किया।

'पर्वतीय' शब्द में कौन–सा प्रत्यय प्रयुक्त हुआ है?

(1) ईय

(2) इय

(3) ईन

(4) ई

[Question ID = 189][Question Description = S16_Hindi Content/Pedagogy_Q099]

1. 1 [Option ID = 753]
2. 2 [Option ID = 754]
3. 3 [Option ID = 755]
4. 4 [Option ID = 756]

Topic:- HIN_Q100-105_L1_P2_CTET

1) **दिए गए काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

फिर तेजी से तूफ़ान का झोंका आया
और सड़क के किनारे खड़े
सिर्फ़ एक पेड़ को हिला गया
शेष पेड़ गुमसुम देखते रहे
उनमें कोई हरकत नहीं हुई।
जब एक पेड़ झूम–झूम कर निढाल हो गया
पत्तियाँ गिर गयीं, टहनियाँ टूट गयीं
तना ऐंचा हो गया, तब हवा आगे बढ़ी
उसने सड़क के किनारे दूसरे पेड़ को हिलाया
शेष पेड़ गुमसुम देखते रहे
इस नगर में लोग या तो पागलों की तरह उत्तेजित होते हैं
या दुबक कर गुमसुम हो जाते है।
वे हर समय अकेले ही हो जाते हैं।

इस काव्यांश में नगर के किस तरह के जीवन को रेखांकित किया गया है?

(1) उल्लसित जीवन
(2) वैभवमय जीवन
(3) एकाकी जीवन
(4) सामूहिक जीवन

[Question ID = 190][Question Description = S16_Hindi Content/Pedagogy_Q100]

1. 1 [Option ID = 757]
2. 2 [Option ID = 758]
3. 3 [Option ID = 759]
4. 4 [Option ID = 760]

2) **दिए गए काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

फिर तेजी से तूफ़ान का झोंका आया
और सड़क के किनारे खड़े
सिर्फ़ एक पेड़ को हिला गया
शेष पेड़ गुमसुम देखते रहे
उनमें कोई हरकत नहीं हुई।
जब एक पेड़ झूम–झूम कर निढाल हो गया
पत्तियाँ गिर गयीं, टहनियाँ टूट गयीं
तना ऐंचा हो गया, तब हवा आगे बढ़ी
उसने सड़क के किनारे दूसरे पेड़ को हिलाया
शेष पेड़ गुमसुम देखते रहे
इस नगर में लोग या तो पागलों की तरह उत्तेजित होते हैं
या दुबक कर गुमसुम हो जाते है।
वे हर समय अकेले ही हो जाते हैं।

कविता की किन पंक्तियों से प्रतीत होता है कि एक व्यक्ति पर संकट आने पर शेष लोग तटस्थ रहते हैं?

(1) शेष पेड़ गुमसुम देखते रहे

(2) सिर्फ़ एक पेड़ को हिला गया

(3) पत्तियाँ गिर गयी, टहनियाँ टूट गयी

(4) तना ऐंचा हो गया

[Question ID = 191][Question Description = S16_Hindi Content/Pedagogy_Q101]

1. 1 [Option ID = 761]
2. 2 [Option ID = 762]
3. 3 [Option ID = 763]
4. 4 [Option ID = 764]

3) **दिए गए काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

फिर तेजी से तूफ़ान का झोंका आया
और सड़क के किनारे खड़े
सिर्फ़ एक पेड़ को हिला गया
शेष पेड़ गुमसुम देखते रहे
उनमें कोई हरकत नहीं हुई।
जब एक पेड़ झूम–झूम कर निढाल हो गया
पत्तियाँ गिर गयीं, टहनियाँ टूट गयीं
तना ऐंचा हो गया, तब हवा आगे बढ़ी
उसने सड़क के किनारे दूसरे पेड़ को हिलाया
शेष पेड़ गुमसुम देखते रहे
इस नगर में लोग या तो पागलों की तरह उत्तेजित होते हैं
या दुबक कर गुमसुम हो जाते है।
वे हर समय अकेले ही हो जाते हैं।

'तूफ़ान का झोंका आया' से क्या व्यंजित हुआ है?

(1) मूसलाधार वर्षा

(2) भूकंप का आना

(3) तेज हवाएँ चलना

(4) संकट आना

[Question ID = 192][Question Description = S16_Hindi Content/Pedagogy_Q102]

1. 1 [Option ID = 765]
2. 2 [Option ID = 766]
3. 3 [Option ID = 767]
4. 4 [Option ID = 768]

4) **दिए गए काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

फिर तेजी से तूफ़ान का झोंका आया
और सड़क के किनारे खड़े
सिर्फ़ एक पेड़ को हिला गया
शेष पेड़ गुमसुम देखते रहे
उनमें कोई हरकत नहीं हुई।
जब एक पेड़ झूम–झूम कर निढाल हो गया
पत्तियाँ गिर गयीं, टहनियाँ टूट गयीं
तना ऐंचा हो गया, तब हवा आगे बढ़ी
उसने सड़क के किनारे दूसरे पेड़ को हिलाया
शेष पेड़ गुमसुम देखते रहे
इस नगर में लोग या तो पागलों की तरह उत्तेजित होते हैं
या दुबक कर गुमसुम हो जाते है।
वे हर समय अकेले ही हो जाते हैं।

नगरीय लोगों की किन दो प्रतिक्रियाओं की बात हुई है?

(1) प्रसन्नता और संपन्नता

(2) तटस्थता और उदासी

(3) उत्तेजित और गुमसुम होना

(4) हँसना और हँसाना

[Question ID = 193][Question Description = S16_Hindi Content/Pedagogy_Q103]

1. 1 [Option ID = 769]
2. 2 [Option ID = 770]
3. 3 [Option ID = 771]
4. 4 [Option ID = 772]

5) **दिए गए काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

फिर तेजी से तूफ़ान का झोंका आया
और सड़क के किनारे खड़े
सिर्फ़ एक पेड़ को हिला गया
शेष पेड़ गुमसुम देखते रहे
उनमें कोई हरकत नहीं हुई।
जब एक पेड़ झूम–झूम कर निढाल हो गया
पत्तियाँ गिर गयीं, टहनियाँ टूट गयीं
तना ऐंचा हो गया, तब हवा आगे बढ़ी
उसने सड़क के किनारे दूसरे पेड़ को हिलाया
शेष पेड़ गुमसुम देखते रहे
इस नगर में लोग या तो पागलों की तरह उत्तेजित होते हैं
या दुबक कर गुमसुम हो जाते है।
वे हर समय अकेले ही हो जाते हैं।

'ऐंचा' का अर्थ है –

(1) सीधा होना

(2) टेढ़ा होना

(3) बैठ जाना

(4) गिर जाना

[Question ID = 194][Question Description = S16_Hindi Content/Pedagogy_Q104]

1. 1 [Option ID = 773]
2. 2 [Option ID = 774]
3. 3 [Option ID = 775]
4. 4 [Option ID = 776]

6) **दिए गए काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्न के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**

फिर तेजी से तूफ़ान का झोंका आया
और सड़क के किनारे खड़े
सिर्फ़ एक पेड़ को हिला गया
शेष पेड़ गुमसुम देखते रहे
उनमें कोई हरकत नहीं हुई।
जब एक पेड़ झूम–झूम कर निढाल हो गया
पत्तियाँ गिर गयीं, टहनियाँ टूट गयीं
तना ऐंचा हो गया, तब हवा आगे बढ़ी
उसने सड़क के किनारे दूसरे पेड़ को हिलाया
शेष पेड़ गुमसुम देखते रहे
इस नगर में लोग या तो पागलों की तरह उत्तेजित होते हैं
या दुबक कर गुमसुम हो जाते है।
वे हर समय अकेले ही हो जाते हैं।

'उत्तेजित' में प्रत्यय है –

(1) इत

(2) इ

(3) त

(4) ई

[Question ID = 195][Question Description = S16_Hindi Content/Pedagogy_Q105]

1. 1 [Option ID = 777]
2. 2 [Option ID = 778]
3. 3 [Option ID = 779]
4. 4 [Option ID = 780]

Topic:- HIN_Q106-120_L1_P2_CTET

1) एक अध्यापक चाहता है कि उसके विद्यार्थी कक्षा के बाहर भी सक्षम और आत्मविश्वासी पाठक बनें। निम्नलिखित में से कौन–सी रणनीति उसकी कक्षा में सर्वाधिक महत्वपूर्ण होगी ?

(1) चयनित पाठ्य सामग्री का अध्यापक द्वारा आदर्श वाचन और विद्यार्थियों का पीछे–पीछे दोहराना

(2) शिक्षार्थियों को गहन पठन के लिए प्रोत्साहित करना

(3) शिक्षार्थियों को पंक्तियों के मध्य गहराई से पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना

(4) विविध प्रकार की रुचिकर, उपयुक्त एवं प्रासंगिक पाठ्य सामग्री पढ़ने के अवसर देना

[Question ID = 196][Question Description = S16_Hindi Content/Pedagogy_Q106]

1. 1 [Option ID = 781]
2. 2 [Option ID = 782]
3. 3 [Option ID = 783]
4. 4 [Option ID = 784]

2) निम्नलिखित में से कौन–सी युक्ति बच्चों के भाषा विकास में मदद **नहीं** करेगी ?

(1) दूसरों के साथ अर्थपूर्ण अन्त:क्रिया करने के अवसर देना

(2) ऐसा सौहार्दपूर्ण परिवेश देना जो बच्चों के भाषा में रुचि को बनाए रखे

(3) अभिभावक और अध्यापकों की ओर से अधिकाधिक सहयोग, ड्रिल और पुनरावृत्ति

(4) संदर्भ में भाषा अधिगम के अवसर

[Question ID = 197][Question Description = S16_Hindi Content/Pedagogy_Q107]

1. 1 [Option ID = 785]
2. 2 [Option ID = 786]
3. 3 [Option ID = 787]
4. 4 [Option ID = 788]

3) भाषा की कक्षा में गतिविधि और कार्य संचालित करने के लिए समूह के आकार और गठन पर सावधानीपूर्वक विचार करना चाहिए क्यों कि –

(1) केवल अच्छे वक्ताओं को ही बोलने के अवसर दिए जाए जिससे कक्षा में व्यस्तता बनी रहे।

(2) कुछ चयनित बच्चे उन बच्चों के साथ प्रभावशाली तरीके से काम कर सकते हैं जो उन्हें सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

(3) भाषा विकास में समूह आयामों की कोई भूमिका नहीं होती है ।

(4) सहयोगात्मक कार्यों में बच्चों की संलग्नता का सावधानीपूर्वक अवलोकन बच्चों को योगात्मक परीक्षा में ग्रेड देने में मदद करता है।

[Question ID = 198][Question Description = S16_Hindi Content/Pedagogy_Q108]

1. 1 [Option ID = 789]
2. 2 [Option ID = 790]
3. 3 [Option ID = 791]
4. 4 [Option ID = 792]

4) अध्यापक अपने शिक्षार्थियों को अपने लेखन को अन्तिम स्वरूप देने से पहले योजना बनाने और प्रारूपण के चरणों से परिचित कराना चाहती हैं। अध्यापक किसका अनुसरण कर रही हैं ?

(1) लेखन का प्रक्रिया उपागम

(2) लेखन का उत्पाद उपागम

(3) लेखन का उद्देश्यपूर्ण तरीका

(4) लेखन का प्रगतिशील तरीका

[Question ID = 199][Question Description = S16_Hindi Content/Pedagogy_Q109]

1. 1 [Option ID = 793]
2. 2 [Option ID = 794]
3. 3 [Option ID = 795]
4. 4 [Option ID = 796]

5) निम्नलिखित में से कौन–सी भाषा अधिगम के लिए प्रामाणिक सामग्री **नहीं** है ?

(1) समाचारपत्र के लेख

(2) डायरी प्रविष्टि

(3) विज्ञापन

(4) पाठ्यपुस्तकें

[Question ID = 200][Question Description = S16_Hindi Content/Pedagogy_Q110]

1. 1 [Option ID = 797]
2. 2 [Option ID = 798]
3. 3 [Option ID = 799]

4. 4 [Option ID = 800]

6) अध्यापक ने अपने शिक्षार्थियों को किसी अनुच्छेद की बहुत ही आकर्षक शुरुआत लिखने के लिए कहा जिससे कि पाठकों का ध्यान आकर्षित किया जा सके। यहाँ लेखन का उद्देश्य क्या है ?

(1) व्याकरणिक रूप से सही वाक्य लिखना

(2) उचित विराम चिन्हों का प्रयोग करना

(3) रचनात्मक रूप से लिखने के प्रयास करना

(4) लिखते समय सही वर्तनी का प्रयोग

[Question ID = 201][Question Description = S16_Hindi Content/Pedagogy_Q111]

1. 1 [Option ID = 801]
2. 2 [Option ID = 802]
3. 3 [Option ID = 803]
4. 4 [Option ID = 804]

7) किसी एक बच्चे के अनुच्छेद को देखकर अध्यापक ने कहा, ''श्रेष्ठ कार्य।'' बच्चों को इस तरह से दी गई प्रतिपुष्टि ____________।

(1) प्रक्रिया और उत्पाद के बारे में स्पष्टता नहीं देती है

(2) प्रक्रिया के स्थान पर उत्पाद पर केन्द्रित है

(3) केवल प्रक्रिया आधारित है

(4) उपचारात्मक शिक्षण में सहायक है

[Question ID = 202][Question Description = S16_Hindi Content/Pedagogy_Q112]

1. 1 [Option ID = 805]
2. 2 [Option ID = 806]
3. 3 [Option ID = 807]
4. 4 [Option ID = 808]

8) भाषा के प्रभावशाली आकलन में शामिल है –

(1) सत्र के अंत में योगात्मक आकलन का प्रयोग

(2) बच्चों की प्रगति के बारे में उनके अभिभावकों को बताना

(3) बच्चों के प्रदर्शन की जाँच के लिए निदानात्मक आकलन करना

(4) आकलन के विभिन्न प्रकार के तरीकों का प्रयोग

[Question ID = 203][Question Description = S16_Hindi Content/Pedagogy_Q113]

1. 1 [Option ID = 809]
2. 2 [Option ID = 810]
3. 3 [Option ID = 811]
4. 4 [Option ID = 812]

9) वह चरण जिसमें बच्चे आत्मनिर्भर होकर पढ़ते हैं और अध्यापक बच्चों के व्यक्तिगत पठन को सुन सकता है या समूह के पठन की मॉनीटरिंग करता है, जो बच्चे अटक जाते हैं, उन्हें संकेत देता है, यह चरण ___________ है।

(1) पठन पूर्व

(2) पठन के दौरान

(3) पठन के बाद

(4) स्वयं पठन

[Question ID = 204][Question Description = S16_Hindi Content/Pedagogy_Q114]

1. 1 [Option ID = 813]

2. 2 [Option ID = 814]
3. 3 [Option ID = 815]
4. 4 [Option ID = 816]

10) प्रथम भाषा में बच्चों के पठन या लेखन के अनुभव __________।

(1) बच्चे को द्वितीय भाषा में पठन-लेखन सीखने में मदद करते हैं

(2) द्वितीय भाषा सीखते समय बिलकुल भी काम नहीं आते हैं

(3) दूसरी भाषा में पठन-लेखन सीखते समय बाधा पैदा करते हैं

(4) दूसरी भाषा सीखने के लिए जब पहली भाषा का सिखाया हुआ भूला जाए, तभी लाभदायक हैं

[Question ID = 205][Question Description = S16_Hindi Content/Pedagogy_Q115]

1. 1 [Option ID = 817]
2. 2 [Option ID = 818]
3. 3 [Option ID = 819]
4. 4 [Option ID = 820]

11) किसी पाठ्य सामग्री से सूचना लेना और शाब्दिक स्तर से कहीं आगे जाकर उसकी व्याख्या करना क्या कहलाएगा ?

(1) अनुमान लगाना

(2) तुलना करना

(3) सरसरी तौर पर पढ़ना

(4) निष्कर्ष निकालना

[Question ID = 206][Question Description = S16_Hindi Content/Pedagogy_Q116]

1. 1 [Option ID = 821]
2. 2 [Option ID = 822]
3. 3 [Option ID = 823]
4. 4 [Option ID = 824]

12) जब किसी पाठ्य सामग्री में विचारों का तार्किक क्रम और व्यवस्थित संयोजन होता है, तो यह __________ है।

(1) तार्किक सम्बद्धता

(2) जुड़ाव

(3) बोध गम्यता

(4) विन्यास

[Question ID = 207][Question Description = S16_Hindi Content/Pedagogy_Q117]

1. 1 [Option ID = 825]
2. 2 [Option ID = 826]
3. 3 [Option ID = 827]
4. 4 [Option ID = 828]

13) भाषा की पाठ्यपुस्तक से नया अध्याय पढ़ाना शुरू करने से पहले अध्यापक को किस पर ध्यान देना चाहिए ?

(1) अध्याय के सारांश

(2) अध्याय में आए कठिन शब्द

(3) अध्याय के व्याकरणिक पहलू

(4) अध्याय की थीम को उनके पहले से अर्जित अनुभवों से जोड़ना

[Question ID = 208][Question Description = S16_Hindi Content/Pedagogy_Q118]

1. 1 [Option ID = 829]
2. 2 [Option ID = 830]
3. 3 [Option ID = 831]
4. 4 [Option ID = 832]

14)

एक अध्यापक विद्यार्थियों को उपयुक्त मदद देता है जिससे कि वे जितना स्वयं सीख सकते हैं, उससे अधिक सीख लें। अध्यापक क्या कर रहा है ?

(1) प्रतिपुष्टि दे रहा है

(2) मदद दे रहा है

(3) उपचारात्मक शिक्षण कर रहा है

(4) प्रोत्साहित कर रहा है

[Question ID = 209][Question Description = S16_Hindi Content/Pedagogy_Q119]

1. 1 [Option ID = 833]
2. 2 [Option ID = 834]
3. 3 [Option ID = 835]
4. 4 [Option ID = 836]

15)

व्याकरण कैसे पढ़ाई जानी चाहिए ?

(1) संदर्भ में

(2) पृथक रूप से

(3) नियमों को रटकर

(4) ड्रिल और अभ्यास द्वारा

[Question ID = 210][Question Description = S16_Hindi Content/Pedagogy_Q120]

1. 1 [Option ID = 837]
2. 2 [Option ID = 838]
3. 3 [Option ID = 839]
4. 4 [Option ID = 840]

Topic:- Telugu_Q121-128_L2_P2_CTET

1)

సూచన : ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి ప్రశ్నకు సరియైన సమాధానాలు రాయండి.

వివిధ కాలములకు చెందిన కవులు పలు విషయములను గూర్చి కావించిన రచనలను కొందరు ఏర్చి, కూర్చి ఒక గ్రంథముగా తయారు చేసిరి. ఇట్టివానిలోని శ్లోకములలో కొన్ని సంకలనకర్తవి కూడా ఉండవచ్చును. ఇట్టివానికే సంకలన గ్రంథములని పేరు.

వీనిలో ఉదహరింపబడిన చాలామంది కవుల కాలములు వ్రాయబడలేదు. కొన్ని శ్లోకముల కర్తలెవ్వరో తెలియదు. ఐనను ఈ రకమైన గ్రంథముల మూలమున సాధారణముగా కవుల కాలములు తెలిసికొనుటకు వీలు కలుగును. నష్టమైన కొందరి రచనలను, వారి నామములను ఇందు కాననగును పూర్వ కవులు కొన్ని శీర్షికలపై ఎవరెవరు ఎట్టి భావములను కల్పించిరో, ఎవరెట్టి రకపు రచనాపాటవము కలవారో తెలిసికొటకు ఇట్టి గ్రంథములు ఉపయోగపడును.

ఇప్పటికి లభించిన సంకలన గ్రంథములలో మొదటిది మహారాష్ట్రీ ప్రాకృతములో ఉన్నది. దానికి 'గాథా సప్తశతి' అనియు, 'శాలీవాహన సప్తశతి' అనియు పేర్లు. ఇందు 700 శ్లోకములు కలవు. శృంగారము ప్రధాన రసము. హాలుడు దీని సంకలయిత అందురు. హాలుడు 'శాతవాహన' వంశము వాడు. ఇది క్రీ.శ. ఒకటవ శతాబ్దమునకు చెంది ఉండును. ఇందలి శ్లోకములు పరమ లలితములు. హృదయంగమములు, మూలము చాలా మార్పులు చెంది మన చేత చిక్కినదని పాశ్చాత్యులందరు.

సంస్కృతమున మొదటి సంకలన గ్రంథము కవీంద్ర వచన సముచ్చయము. క్రీ.శ 13 వ శతాబ్దమునకు చెందిన నేపాళదేశపు ఒక వ్రాతప్రతి. డా. ఎఫ్.డబ్ల్యు. థామసు గారికి చిక్కినది. దీనిని వారు సంస్కరించిరి. ఇందు క్రీ.శ. 900 కు పూర్వపు వారి రచనలే ఉన్నవి. కాన ఇది క్రీ.శ. 1000 ప్రాంతమున కూర్పబడి ఉండును. ఇందు 500 శ్లోకములు కలవు. కవి ఎవరో తెలియదు. ఇందు బుద్ధ, అవలోకితేశ్వరులను గూర్చిన భాగములున్నవి. ప్రేమ, లోకజ్ఞానము, సాంఘిక అంనములున్నవి.

'మానసోల్లాసము' లేక 'అభిలషితార్థ చింతామణి' అనబడు గ్రంథములను సోమేశ్వరుడు కూర్చెను. ఈతడు చాళుక్య రాజకుమారుడు. కాలము క్రీ.శ. 1131 ప్రాంతము. ఇది ఐదు భాగములు. రాచరికము, రాజవినోదములు, అశ్వ గజ శిక్షణలు, జ్యోతిషము, అలంకార శాస్త్రము, లలితకళలు, వైద్యశాస్త్రము మొదలైన బహు విషయములను గూర్చి ఈ గ్రంథము వర్ణించును. క్రీ.శ. 1169 ప్రాంతమున వంగదేశీయుడైన గోవర్ధనుడు గాథాసప్తశతిని అనుసరించి ఆర్యావృత్తములలో ఆర్యా సప్తశతి అను గ్రంథమును కూర్చెను. ఇంది 700 శ్లోకములు అకారానుక్రమముగా

కూర్పబడినవి.

క్రీ.శ. 1205 ప్రాంతమున శ్రీధర దాసుడు సదుక్తి కర్ణామృతము లేక సూక్తి కర్ణామృతము అనబడు గ్రంథమును కూర్చెను. ఇందు 447 గురు కవులవి 2368 శ్లోకములు కలవు. ఈ కవులలో చాలామంది వంగదేశీయులే. సూక్తి ముక్తావళి అను గ్రంథమును క్రీ.శ. 1257 లో యాదవ కృష్ణరాజు మంత్రి జల్హణుడు తయారు చేసెను. ఇందులో 2790 శ్లోకములును, 243 కవులును కలరు. ధనము, అదృష్టము, ప్రేమ, రాచకొలువు మొదలైన విషయములు ఇందలి వస్తువులు. ఈ గ్రంథము చాలమంది కవులను, వారి రచనలను గూర్చి తెలుపగలదు. చారిత్రకులు దీని వైశిష్ట్యము గుర్తించిరి.

క్రీ.శ. 1350 ప్రాంతమున వేదములకు భాష్యము వ్రాసిన సాయణుడు సుభాషిత సుధానిధిని రచించెను.

ఇందు పూరకవుల చక్కని సూక్తు లెన్నో కలవు. దీనికి పదమూడు సంవత్సరముల తర్వాత 'శార్ఙ్గధర పద్ధతి' అనబడు ఒక ప్రముఖ సంకలన గ్రంథమును శార్ఙ్గధరుడు కూర్చెను. ఇందు 163 ఖండములును, 4689 శ్లోకములును కలవు. శార్ఙ్గధరునివి కూడా కొన్ని శ్లోకములు ఇందు కలవు.

'సుభాషితావళి' అను పేరు కల రెండు గ్రంథములున్నవి. ఒకటి క్రీ.శ. 1450 ప్రాంతము దనియు,రెండవది 1480 నాటిదనియు పెద్దలందురు. మొదటి దానిని సకలకీర్తియు రెండవదానిని శ్రీవరుణుడును రచించిరి. మొదటిదాని కర్తను గూర్చి భిన్నాభిప్రాయములు కలవు. పోతనార్యుడు ప్రసంగ రత్నావళి అను గ్రంథమును కూర్చెను. ఇది పై రెండిటినడిమి కాలమునకు చెందినది. సుభాషిత రత్నావళి అనబడు మరి ఒకటి వల్లభదేవుని రచన. ఇది 101 భాగములును, 2597 శ్లోకములును కలిగి ఉన్నది. చాలవరకు ఉత్తర హిందూదేశమునకు చెందిన 350 మంది కవులిందు కనిపింతురు. వల్లభదేవునివి కూడా కొన్ని శ్లోకములు కలవు, ఈ శతాబ్దము చివర రూపగోస్వామి పద్యావళి రచించెను. ఇందు కృష్ణభక్తికి సంబంధించిన 386 శ్లోకములు కలవు. ఇదే కాలమున పెద్దిభట్టు సూక్తి వారిధిని కూర్చెను.

సమకాలికుల శ్లోకముల తోడను, జగన్నాథ పండితుని ప్రశంస తోడను కూడిన హరికవి కృత సుభాషిత హారావళి ఒకటి. క్రీ.శ. 1700 ప్రాంతమున రచింపబడినది. శివాజీ కుమారుడు శంభు బుధభూషణ మనుదానిని మూడు భాగములుగా కూర్చెను. క్రీ.శ. 19 వ శతాబ్దమున డా. భోట్లింగ్క్ సంస్కృతమునందలి రత్నముల వంటి 8000 శ్లోకములను ఏర్చి కూర్చెను. పద్యామృత తరంగిణి, సుభాషిత రత్నభాండాగారము అనునవి కూడా ఇట పేర్కొనదగినవి.

మానసోల్లాసము అనే గ్రంథమును కూర్చినది.

(1) సోమేశ్వరుడు

(2) గోవర్ధనుడు

(3) హాలుడు

(4) శ్రీధర దాసుడు

[Question ID = 391][Question Description = S7_Telugu_Q121]

1. 1 [Option ID = 1561]
2. 2 [Option ID = 1562]
3. 3 [Option ID = 1563]
4. 4 [Option ID = 1564]

2)

సూచన : ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి ప్రశ్నకు సరియైన సమాధానాలు రాయండి.

వివిధ కాలములకు చెందిన కవులు పలు విషయములను గూర్చి కావించిన రచనలను కొందరు ఏర్చి, కూర్చి ఒక గ్రంథముగా తయారు చేసిరి. ఇట్టివానిలోని శ్లోకములలో కొన్ని సంకలనకర్తవి కూడా ఉండవచ్చును. ఇట్టివానికే సంకలన గ్రంథములని పేరు.
వీనిలో ఉదహరింపబడిన చాలామంది కవుల కాలములు వ్రాయబడలేదు. కొన్ని శ్లోకముల కర్తలెవ్వరో తెలియదు. ఐనను ఈ రకమైన గ్రంథముల మూలమున సాధారణముగా కవుల కాలములు తెలిసికొనుటకు వీలు కలుగును. నష్టమైన కొందరి రచనలను, వారి నామములను ఇందు కాననగును పూర్వ కవులు కొన్ని శీర్షికలపై ఎవరెవరు ఎట్టి భావములను కల్పించిరో, ఎవరెట్టి రకపు రచనాపాటవము కలవారో తెలిసికొనుటకు ఇట్టి గ్రంథములు ఉపయోగపడును.

ఇప్పటికి లభించిన సంకలన గ్రంథములలో మొదటిది మహారాష్ట్రీ ప్రాకృతములో ఉన్నది. దానికి 'గాథా సప్తశతి' అనియు, 'శాలీవాహన సప్తశతి' అనియు పేర్లు. ఇందు 700 శ్లోకములు కలవు. శృంగారము ప్రధాన రసము. హాలుడు దీని సంకలయిత అందురు. హాలుడు 'శాతవాహన' వంశము వాడు. ఇది క్రీ.శ. ఒకటవ శతాబ్దమునకు చెంది ఉండును. ఇందలి శ్లోకములు పరమ లలితములు. హృదయంగమములు, మూలము చాలా మార్పులు చెంది మన చేత చిక్కినదని పాశ్చాత్యులందరు.

సంస్కృతమున మొదటి సంకలన గ్రంథము కవీంద్ర వచన సముచ్చయము. క్రీ.శ 13 వ శతాబ్దమునకు చెందిన నేపాళదేశపు ఒక వ్రాతప్రతి. డా. ఎఫ్.డబ్ల్యు. థామసు గారికి చిక్కినది. దీనిని వారు సంస్కరించిరి. ఇందు క్రీ.శ. 900 కు పూర్వపు వారి రచనలే ఉన్నవి. కాన ఇది క్రీ.శ. 1000 ప్రాంతమున కూర్పబడి ఉండును. ఇందు 500 శ్లోకములు కలవు. కవి ఎవరో తెలియదు. ఇందు బుద్ధ, అవలోకితేశ్వరులను గూర్చిన భాగములున్నవి. ప్రేమ, లోకజ్ఞానము, సాంఘిక అంశములున్నవి.

'మానసోల్లాసము' లేక 'అభిలషితార్థ చింతామణి' అనబడు గ్రంథములను సోమేశ్వరుడు కూర్చెను. ఈతడు చాళుక్య రాజకుమారుడు. కాలము క్రీ.శ. 1131 ప్రాంతము. ఇది ఐదు భాగములు. రాచరికము, రాజవినోదములు, అశ్వ గజ శిక్షణలు, జ్యోతిషము, అలంకార శాస్త్రము, లలితకళలు, వైద్యశాస్త్రము మొదలైన బహు విషయములను గూర్చి ఈ గ్రంథము వర్ణించును. క్రీ.శ. 1169 ప్రాంతమున వంగదేశీయుడైన గోవర్ధనుడు గాథాసప్తశతిని అనుసరించి ఆర్యావృత్తములలో ఆర్యా సప్తశతి అను గ్రంథమును కూర్చెను. ఇంది 700 శ్లోకములు అకారానుక్రమముగా కూర్పబడినవి.

క్రీ.శ. 1205 ప్రాంతమున శ్రీధర దాసుడు సదుక్తి కర్ణామృతము లేక సూక్తి కర్ణామృతము అనబడు గ్రంథమును కూర్చెను. ఇందు 447 గురు కవులవి 2368 శ్లోకములు కలవు. ఈ కవులలో చాలామంది వంగదేశీయులే. సూక్తి ముక్తావళి అను గ్రంథమును క్రీ.శ. 1257 లో యాదవ కృష్ణరాజు మంత్రి జల్హణుడు తయారు చేసెను. ఇందులో 2790 శ్లోకములును, 243 కవులును కలరు. ధనము, అదృష్టము, ప్రేమ, రాచకొలువు మొదలైన విషయములు ఇందలి వస్తువులు. ఈ గ్రంథము చాలమంది కవులను, వారి రచనలను గూర్చి తెలుపగలదు. చారిత్రకులు దీని వైశిష్ట్యము గుర్తించిరి.

క్రీ.శ. 1350 ప్రాంతమున వేదములకు భాష్యము వ్రాసిన సాయణుడు సుభాషిత సుధానిధిని రచించెను.

ఇందు పూరకవుల చక్కని సూక్తు లెన్నో కలవు. దీనికి పదమూడు సంవత్సరముల తర్వాత 'శార్ఙ్గధర పద్ధతి' అనబడు ఒక ప్రముఖ సంకలన గ్రంథమును శార్ఙ్గధరుడు కూర్చెను. ఇందు 163 ఖండములును, 4689 శ్లోకములును కలవు. శార్ఙ్గధరునివి కూడా కొన్ని శ్లోకములు ఇందు కలవు.

'సుభాషితావళి' అను పేరు కల రెండు గ్రంథములున్నవి. ఒకటి క్రీ.శ. 1450 ప్రాంతము దనియు,రెండవది 1480 నాటిదనియు పెద్దలందురు. మొదటి దానిని సకలకీర్తియు రెండవదానిని శ్రీవరుణుడును రచించిరి. మొదటిదాని కర్తను గూర్చి భిన్నాభిప్రాయములు కలవు. పోతనార్యుడు ప్రసంగ రత్నావళి అను గ్రంథమును కూర్చెను. ఇది పై రెండిటినడిమి కాలమునకు చెందినది. సుభాషిత రత్నావళి అనబడు మరి ఒకటి వల్లభదేవుని రచన. ఇది 101 భాగములును, 2597 శ్లోకములును కలిగి ఉన్నది. చాలవరకు ఉత్తర హిందూదేశమునకు చెందిన 350 మంది కవులిందు కనిపింతురు. వల్లభదేవునివి కూడా కొన్ని శ్లోకములు కలవు, ఈ శతాబ్దము చివర రూపగోస్వామి పద్యావళి రచించెను. ఇందు కృష్ణభక్తికి సంబంధించిన 386 శ్లోకములు కలవు. ఇదే కాలమున పెద్దిభట్టు సూక్తి వారిధిని కూర్చెను.

సమకాలికుల శ్లోకముల తోడను, జగన్నాథ పండితుని ప్రశంస తోడను కూడిన హరికవి కృత సుభాషిత హారావళి ఒకటి. క్రీ.శ. 1700 ప్రాంతమున రచింపబడినది. శివాజీ కుమారుడు శంభు బుధభూషణ మనుదానిని మూడు భాగములుగా కూర్చెను. క్రీ.శ. 19 వ శతాబ్దమున డా. బోట్లింగ్క్ సంస్కృతమునందలి రత్నముల వంటి 8000 శ్లోకములను ఏర్చి కూర్చెను. పద్యామృత తరంగిణి, సుభాషిత రత్నభాండాందారము అనునవి కూడా ఇట పేర్కొనదగినవి.

ఆర్యా సప్తశతి అనే గ్రంథాన్ని కూర్చినది.

(1) హాలుడు

(2) గోవర్ధనుడు

(3) సోమేశ్వరుడు

(4) శ్రీధరదాసుడు

[Question ID = 392][Question Description = S7_Telugu_Q122]

1. 1 [Option ID = 1565]
2. 2 [Option ID = 1566]
3. 3 [Option ID = 1567]
4. 4 [Option ID = 1568]

3)

సూచన : ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి ప్రశ్నకు సరియైన సమాధానాలు రాయండి.

వివిధ కాలములకు చెందిన కవులు పలు విషయములను గూర్చి కావించిన రచనలను కొందరు ఏర్చి, కూర్చి ఒక గ్రంథముగా తయారు చేసిరి. ఇట్టివానిలోని శ్లోకములలో కొన్ని సంకలనకర్తవి కూడా ఉండవచ్చును. ఇట్టివానికే సంకలన గ్రంథములని పేరు.

వీనిలో ఉదహరింపబడిన చాలామంది కవుల కాలములు వ్రాయబడలేదు. కొన్ని శ్లోకముల కర్తలెవ్వరో తెలియదు. ఐనను ఈ రకమైన గ్రంథముల

మూలమున సాధారణముగా కవుల కాలములు తెలిసికొనుటకు వీలు కలుగును. నష్టమైన కొందరి రచనలను, వారి నామములను ఇందు కాననగును పూర్వ కవులు కొన్ని శీర్షికలపై ఎవరెవరు ఎట్టి భావములను కల్పించిరో, ఎవరెట్టి రకపు రచనాపాటవము కలవారో తెలిసికొనుటకు ఇట్టి గ్రంథములు ఉపయోగపడును.

ఇప్పటికి లభించిన సంకలన గ్రంథములలో మొదటిది మహారాష్ట్రీ ప్రాకృతములో ఉన్నది. దానికి 'గాథా సప్తశతి' అనియు, 'శాలీవాహన సప్తశతి' అనియు పేర్లు. ఇందు 700 శ్లోకములు కలవు. శృంగారము ప్రధాన రసము. హాలుడు దీని సంకలయిత అందురు. హాలుడు 'శాతవాహన' వంశము వాడు. ఇది క్రీ.శ. ఒకటవ శతాబ్దమునకు చెంది ఉండును. ఇందలి శ్లోకములు పరమ లలితములు. హృదయంగమములు, మూలము చాలా మార్పులు చెంది మన చేత చిక్కినదని పాశ్చాత్యులందరు.

సంస్కృతమున మొదటి సంకలన గ్రంథము కవీంద్ర వచన సముచ్చయము. క్రీ.శ 13 వ శతాబ్దమునకు చెందిన నేపాళదేశపు ఒక వ్రాతప్రతి. డా. ఎఫ్.డబ్ల్యు. థామసు గారికి చిక్కినది. దీనిని వారు సంస్కరించిరి. ఇందు క్రీ.శ. 900 కు పూర్వపు వారి రచనలే ఉన్నవి. కాన ఇది క్రీ.శ. 1000 ప్రాంతమున కూర్పబడి ఉండును. ఇందు 500 శ్లోకములు కలవు. కవి ఎవరో తెలియదు. ఇందు బుద్ధ, అవలోకితేశ్వరులను గూర్చిన భాగములున్నవి. ప్రేమ, లోకజ్ఞానము, సాంఘిక అంశములున్నవి.

'మానసోల్లాసము' లేక 'అభిలషితార్థ చింతామణి' అనబడు గ్రంథములను సోమేశ్వరుడు కూర్చెను. ఈతడు చాళుక్య రాజకుమారుడు. కాలము క్రీ.శ. 1131 ప్రాంతము. ఇది ఐదు భాగములు. రాచరికము, రాజవినోదములు, అశ్వ గజ శిక్షణలు, జ్యోతిషము, అలంకార శాస్త్రము, లలితకళలు, వైద్యశాస్త్రము మొదలైన బహు విషయములను గూర్చి ఈ గ్రంథము వర్ణించును. క్రీ.శ. 1169 ప్రాంతమున వంగదేశీయుడైన గోవర్ధనుడు గాథాసప్తశతిని అనుసరించి ఆర్యావృత్తములలో ఆర్యా సప్తశతి అను గ్రంథమును కూర్చెను. ఇంది 700 శ్లోకములు అకారానుక్రమముగా కూర్పబడినవి.

క్రీ.శ. 1205 ప్రాంతమున శ్రీధర దాసుడు సదుక్తి కర్ణామృతము లేక సూక్తి కర్ణామృతము అనబడు గ్రంథమును కూర్చెను. ఇందు 447 గురు కవులవి 2368 శ్లోకములు కలవు. ఈ కవులలో చాలామంది వంగదేశీయులే. సూక్తి ముక్తావళి అను గ్రంథమును క్రీ.శ. 1257 లో యాదవ కృష్ణరాజు మంత్రి జల్హణుడు తయారు చేసెను. ఇందులో 2790 శ్లోకములును, 243 కవులును కలరు. ధనము, అదృష్టము, ప్రేమ, రాచకొలువు మొదలైన విషయములు ఇందలి వస్తువులు. ఈ గ్రంథము చాలమంది కవులను, వారి రచనలను గూర్చి తెలుపగలదు. చారిత్రకులు దీని వైశిష్ట్యము గుర్తించిరి.

క్రీ.శ. 1350 ప్రాంతమున వేదములకు భాష్యము వ్రాసిన సాయణుడు సుభాషిత సుధానిధిని రచించెను.

ఇందు పూరకవుల చక్కని సూక్తు లెన్నో కలవు. దీనికి పదమూడు సంవత్సరముల తర్వాత 'శార్ఙ్గధర పద్ధతి' అనబడు ఒక ప్రముఖ సంకలన గ్రంథమును శార్ఙ్గధరుడు కూర్చెను. ఇందు 163 ఖండములును, 4689 శ్లోకములును కలవు. శార్ఙ్గధరునివి కూడా కొన్ని శ్లోకములు ఇందు కలవు.

'సుభాషితావళి' అను పేరు కల రెండు గ్రంథములున్నవి. ఒకటి క్రీ.శ. 1450 ప్రాంతము దనియు,రెండవది 1480 నాటిదనియు పెద్దలందురు. మొదటి దానిని సకలకీర్తియు రెండవదానిని శ్రీవరుణుడును రచించిరి. మొదటిదాని కర్తను గూర్చి భిన్నాభిప్రాయములు కలవు. పోతనార్యుడు ప్రసంగ రత్నావళి అను గ్రంథమును కూర్చెను. ఇది పై రెండిటినడిమి కాలమునకు చెందినది. సుభాషిత రత్నావళి అనబడు మరి ఒకటి వల్లభదేవుని రచన. ఇది 101 భాగములును, 2597 శ్లోకములును కలిగి ఉన్నది. చాలవరకు ఉత్తర హిందూదేశమునకు చెందిన 350 మంది కవులిందు కనిపింతురు. వల్లభదేవునివి కూడా కొన్ని శ్లోకములు కలవు, ఈ శతాబ్దము చివర రూపగోస్వామి పద్యావళి రచించెను. ఇందు కృష్ణభక్తికి సంబంధించిన 386 శ్లోకములు కలవు. ఇదే కాలమున పెద్దిభట్టు సూక్తి వారిధిని కూర్చెను.

సమకాలికుల శ్లోకముల తోడను, జగన్నాథ పండితుని ప్రశంస తోడను కూడిన హరికవి కృత సుభాషిత హారావళి ఒకటి. క్రీ.శ. 1700 ప్రాంతమున రచింపబడినది. శివాజీ కుమారుడు శంభు బుధభూషణ మనుదానిని మూడు భాగములుగా కూర్చెను. క్రీ.శ. 19 వ శతాబ్దమున డా. భోట్లింగ్క్ సంస్కృతమునందలి రత్నముల వంటి 8000 శ్లోకములను ఏర్చి కూర్చెను. పద్యామృత తరంగిణి, సుభాషిత రత్నభాండాగారము అనునవి కూడా ఇట పేర్కొనదగినవి.

వేదములకు భాష్యము రాసినవారు

(1) పోతనార్యుడు

(2) సోమేశ్వరుడు

(3) సాయణుడు

(4) శ్రీధరదాసుడు

[Question ID = 393][Question Description = S7_Telugu_Q123]

1. 1 [Option ID = 1569]
2. 2 [Option ID = 1570]
3. 3 [Option ID = 1571]
4. 4 [Option ID = 1572]

4)

సూచన : ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి ప్రశ్నకు సరియైన సమాధానాలు రాయండి.

వివిధ కాలములకు చెందిన కవులు పలు విషయములను గూర్చి కావించిన రచనలను కొందరు ఏర్చి, కూర్చి ఒక గ్రంథముగా తయారు చేసిరి. ఇట్టివానిలోని శ్లోకములలో కొన్ని సంకలనకర్తవి కూడా ఉండవచ్చును. ఇట్టివానికే సంకలన గ్రంథములని పేరు.

వీనిలో ఉదహరింపబడిన చాలామంది కవుల కాలములు వ్రాయబడలేదు. కొన్ని శ్లోకముల కర్తలెవ్వరో తెలియదు. ఐనను ఈ రకమైన గ్రంథముల మూలమున సాధారణముగా కవుల కాలములు తెలిసికొనుటకు వీలు కలుగును. నష్టమైన కొందరి రచనలను, వారి నామములను ఇందు కాననగును పూర్వ కవులు కొన్ని శీర్షికలపై ఎవరెవరు ఎట్టి భావములను కల్పించిరో, ఎవరెట్టి రకపు రచనాపాటవము కలవారో తెలిసికొటకు ఇట్టి గ్రంథములు ఉపయోగపడును.

ఇప్పటికి లభించిన సంకలన గ్రంథములలో మొదటిది మహారాష్ట్రీ ప్రాకృతములో ఉన్నది. దానికి 'గాథా సప్తశతి' అనియు, 'శాలీవాహన సప్తశతి' అనియు పేర్లు. ఇందు 700 శ్లోకములు కలవు. శృంగారము ప్రధాన రసము. హాలుడు దీని సంకలయిత అందురు. హాలుడు 'శాతవాహన' వంశము వాడు. ఇది క్రీ.శ. ఒకటవ శతాబ్దమునకు చెంది ఉండును. ఇందలి శ్లోకములు పరమ లలితములు. హృదయంగమములు, మూలము చాలా మార్పులు చెంది మన చేత చిక్కినదని పాశ్చాత్యులందరు.

సంస్కృతమున మొదటి సంకలన గ్రంథము కవీంద్ర వచన సముచ్చయము. క్రీ.శ 13 వ శతాబ్దమునకు చెందిన నేపాళదేశపు ఒక వ్రాతప్రతి. డా. ఎఫ్.డబ్ల్యు. థామసు గారికి చిక్కినది. దీనిని వారు సంస్కరించిరి. ఇందు క్రీ.శ. 900 కు పూర్వపు వారి రచనలే ఉన్నవి. కాన ఇది క్రీ.శ. 1000 ప్రాంతమున కూర్చబడి ఉండును. ఇందు 500 శ్లోకములు కలవు. కవి ఎవరో తెలియదు. ఇందు బుద్ధ, అవలోకితేశ్వరులను గూర్చిన భాగములున్నవి. ప్రేమ, లోకజ్ఞానము, సాంఘిక అంశములున్నవి.

'మానసోల్లాసము' లేక 'అభిలషితార్థ చింతామణి' అనబడు గ్రంథములను సోమేశ్వరుడు కూర్చెను. ఈతడు చాళుక్య రాజకుమారుడు. కాలము క్రీ.శ. 1131 ప్రాంతము. ఇది ఐదు భాగములు. రాచరికము, రాజవినోదములు, అశ్వ గజ శిక్షణలు, జ్యోతిషము, అలంకార శాస్త్రము, లలితకళలు, వైద్యశాస్త్రము మొదలైన బహు విషయములను గూర్చి ఈ గ్రంథము వర్ణించును. క్రీ.శ. 1169 ప్రాంతమున వంగదేశీయుడైన గోవర్ధనుడు గాథాసప్తశతిని అనుసరించి ఆర్యావృత్తములలో ఆర్యా సప్తశతి అను గ్రంథమును కూర్చెను. ఇంది 700 శ్లోకములు అకారానుక్రమముగా కూర్చబడినవి.

క్రీ.శ. 1205 ప్రాంతమున శ్రీధర దాసుడు సదుక్తి కర్ణామృతము లేక సూక్తి కర్ణామృతము అనబడు గ్రంథమును కూర్చెను. ఇందు 447 గురు కవులవి 2368 శ్లోకములు కలవు. ఈ కవులలో చాలామంది వంగదేశీయులే. సూక్తి ముక్తావళి అను గ్రంథమును క్రీ.శ. 1257 లో యాదవ కృష్ణరాజు మంత్రి జల్హణుడు తయారు చేసెను. ఇందులో 2790 శ్లోకములును, 243 కవులును కలరు. ధనము, అదృష్టము, ప్రేమ, రాచకొలువు మొదలైన విషయములు ఇందలి వస్తువులు. ఈ గ్రంథము చాలమంది కవులను, వారి రచనలను గూర్చి తెలుపగలదు. చారిత్రకులు దీని వైశిష్ట్యము గుర్తించిరి.

క్రీ.శ. 1350 ప్రాంతమున వేదములకు భాష్యము వ్రాసిన సాయణుడు సుభాషిత సుధానిధిని రచించెను.

ఇందు పూరకవుల చక్కని సూక్తు లెన్నో కలవు. దీనికి పదమూడు సంవత్సరముల తర్వాత 'శార్ఙ్గధర పద్ధతి' అనబడు ఒక ప్రముఖ సంకలన గ్రంథమును శార్ఙ్గధరుడు కూర్చెను. ఇందు 163 ఖండములును, 4689 శ్లోకములును కలవు. శార్ఙ్గధరునివి కూడా కొన్ని శ్లోకములు ఇందు కలవు.

'సుభాషితావళి' అను పేరు కల రెండు గ్రంథములున్నవి. ఒకటి క్రీ.శ. 1450 ప్రాంతము దనియు,రెండవది 1480 నాటిదనియు పెద్దలందురు. మొదటి దానిని సకలకీర్తియు రెండవదానిని శ్రీవరుణుడును రచించిరి. మొదటిదాని కర్తను గూర్చి భిన్నాభిప్రాయములు కలవు. పోతనార్యుడు ప్రసంగ రత్నావళి అను గ్రంథమును కూర్చెను. ఇది పై రెండిటినడిమి కాలమునకు చెందినది. సుభాషిత రత్నావళి అనబడు మరి ఒకటి వల్లభదేవుని రచన. ఇది 101 భాగములును, 2597 శ్లోకములును కలిగి ఉన్నది. చాలవరకు ఉత్తర హిందూదేశమునకు చెందిన 350 మంది కవులిందు కనిపింతురు. వల్లభదేవునివి కూడా కొన్ని శ్లోకములు కలవు, ఈ శతాబ్దము చివర రూపగోస్వామి పద్యావళి రచించెను. ఇందు కృష్ణభక్తికి సంబంధించిన 386 శ్లోకములు కలవు. ఇదే కాలమున పెద్దిభట్టు సూక్తి వారిధిని కూర్చెను.

సమకాలికుల శ్లోకముల తోడను, జగన్నాథ పండితుని ప్రశంస తోడను కూడిన హరికవి కృత సుభాషిత హారావళి ఒకటి. క్రీ.శ. 1700 ప్రాంతమున రచింపబడినది. శివాజీ కుమారుడు శంభు బుధభూషణ మనుదానిని మూడు భాగములుగా కూర్చెను. క్రీ.శ. 19 వ శతాబ్దమున డా. బోటింగ్ సంస్కృతమునందలి రత్నముల వంటి 8000 శ్లోకములను ఏరి కూర్చెను. పద్యామృత తరంగిణి. సుభాషిత రత్నభాండాగారము

అనునవి కూడా ఇట పేర్కొనదగినవి.

సూక్తిముక్తావళిలోని శ్లోకముల సంఖ్య:

(1) 2790 శ్లోకములు

(2) 2368 శ్లోకములు

(3) 8000 శ్లోకములు

(4) 700 శ్లోకములు

[Question ID = 394][Question Description = S7_Telugu_Q124]

1. 1 [Option ID = 1573]
2. 2 [Option ID = 1574]
3. 3 [Option ID = 1575]
4. 4 [Option ID = 1576]

5)

సూచన : ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి ప్రశ్నకు సరియైన సమాధానాలు రాయండి.

వివిధ కాలములకు చెందిన కవులు పలు విషయములను గూర్చి కావించిన రచనలను కొందరు ఏర్చి, కూర్చి ఒక గ్రంథముగా తయారు చేసిరి. ఇట్టివానిలోని శ్లోకములలో కొన్ని సంకలనకర్తవి కూడా ఉండవచ్చును. ఇట్టివానికే సంకలన గ్రంథములని పేరు.
వీనిలో ఉదహరింపబడిన చాలామంది కవుల కాలములు వ్రాయబడలేదు. కొన్ని శ్లోకముల కర్తలెవ్వరో తెలియదు. ఐనను ఈ రకమైన గ్రంథముల మూలమున సాధారణముగా కవుల కాలములు తెలిసికొనుటకు వీలు కలుగును. నష్టమైన కొందరి రచనలను, వారి నామములను ఇందు కాననగును పూర్వ కవులు కొన్ని శీర్షికలపై ఎవరెవరు ఎట్టి భావములను కల్పించిరో, ఎవరెట్టి రకపు రచనాపాటవము కలవారో తెలిసికొటకు ఇట్టి గ్రంథములు ఉపయోగపడును.

ఇప్పటికి లభించిన సంకలన గ్రంథములలో మొదటిది మహారాష్ట్రీ ప్రాకృతములో ఉన్నది. దానికి 'గాథా సప్తశతి' అనియు, 'శాలీవాహన సప్తశతి' అనియు పేర్లు. ఇందు 700 శ్లోకములు కలవు. శృంగారము ప్రధాన రసము. హాలుడు దీని సంకలయిత అందురు. హాలుడు 'శాతవాహన' వంశము వాడు. ఇది క్రీ.శ. ఒకటవ శతాబ్దమునకు చెంది ఉండును. ఇందలి శ్లోకములు పరమ లలితములు. హృదయంగమములు, మూలము చాలా మార్పులు చెంది మన చేత చిక్కినదని పాశ్చాత్యులందరు.

సంస్కృతమున మొదటి సంకలన గ్రంథము కవీంద్ర వచన సముచ్చయము. క్రీ.శ 13 వ శతాబ్దమునకు చెందిన నేపాళదేశపు ఒక వ్రాతప్రతి. డా. ఎఫ్.డబ్ల్యు. థామసు గారికి చిక్కినది. దీనిని వారు సంస్కరించిరి. ఇందు క్రీ.శ. 900 కు పూర్వపు వారి రచనలే ఉన్నవి. కాన ఇది క్రీ.శ. 1000 ప్రాంతమున కూర్పబడి ఉండును. ఇందు 500 శ్లోకములు కలవు. కవి ఎవరో తెలియదు. ఇందు బుద్ధ, అవలోకితేశ్వరులను గూర్చిన భాగములున్నవి. ప్రేమ, లోకజ్ఞానము, సాంఘిక అంశములున్నవి.

'మానసోల్లాసము' లేక 'అభిలషితార్థ చింతామణి' అనబడు గ్రంథములను సోమేశ్వరుడు కూర్చెను. ఈతడు చాళుక్య రాజకుమారుడు. కాలము క్రీ.శ. 1131 ప్రాంతము. ఇది ఐదు భాగములు. రాచరికము, రాజవినోదములు, అశ్వ గజ శిక్షణలు, జ్యోతిషము, అలంకార శాస్త్రము, లలితకళలు, వైద్యశాస్త్రము మొదలైన బహు విషయములను గూర్చి ఈ గ్రంథము వర్ణించును. క్రీ.శ. 1169 ప్రాంతమున వంగదేశీయుడైన గోవర్ధనుడు గాథాసప్తశతిని అనుసరించి ఆర్యావృత్తములలో ఆర్యా సప్తశతి అను గ్రంథమును కూర్చెను. ఇంది 700 శ్లోకములు అకారానుక్రమముగా కూర్పబడినవి.

క్రీ.శ. 1205 ప్రాంతమున శ్రీధర దాసుడు సదుక్తి కర్ణామృతము లేక సూక్తి కర్ణామృతము అనబడు గ్రంథమును కూర్చెను. ఇందు 447 గురు కవులవి 2368 శ్లోకములు కలవు. ఈ కవులలో చాలామంది వంగదేశీయులే. సూక్తి ముక్తావళి అను గ్రంథమును క్రీ.శ. 1257 లో యాదవ కృష్ణరాజు మంత్రి జల్హణుడు తయారు చేసెను. ఇందులో 2790 శ్లోకములును, 243 కవులును కలరు. ధనము, అదృష్టము, ప్రేమ, రాచకొలువు మొదలైన విషయములు ఇందలి వస్తువులు. ఈ గ్రంథము చాలమంది కవులను, వారి రచనలను గూర్చి తెలుపగలదు. చారిత్రకులు దీని వైశిష్ట్యము గుర్తించిరి.

క్రీ.శ. 1350 ప్రాంతమున వేదములకు భాష్యము వ్రాసిన సాయణుడు సుభాషిత సుధానిధిని రచించెను.

ఇందు పూరకవుల చక్కని సూక్తు లెన్నో కలవు. దీనికి పదమూడు సంవత్సరముల తర్వాత 'శార్ఙ్గధర పద్ధతి' అనబడు ఒక ప్రముఖ సంకలన గ్రంథమును శార్ఙ్గధరుడు కూర్చెను. ఇందు 163 ఖండములును, 4689 శ్లోకములును కలవు. శార్ఙ్గధరునివి కూడా కొన్ని శ్లోకములు ఇందు కలవు.

'సుభాషితావళి' అను పేరు కల రెండు గ్రంథములున్నవి. ఒకటి క్రీ.శ. 1450 ప్రాంతము దనియు,రెండవది 1480 నాటిదనియు

పెద్దలందురు. మొదటి దానిని సకలకీర్తియు రెండవదానిని శ్రీవరుణుడును రచించిరి. మొదటిదాని కర్తను గూర్చి భిన్నాభిప్రాయములు కలవు. పోతనార్యుడు ప్రసంగ రత్నావళి అను గ్రంథమును కూర్చెను. ఇది పై రెండిటినడిమి కాలమునకు చెందినది. సుభాషిత రత్నావళి అనబడు మరి ఒకటి వల్లభదేవుని రచన. ఇది 101 భాగములును, 2597 శ్లోకములును కలిగి ఉన్నది. చాలవరకు ఉత్తర హిందూదేశమునకు చెందిన 350 మంది కవులిందు కనిపింతురు. వల్లభదేవునివి కూడా కొన్ని శ్లోకములు కలవు, ఈ శతాబ్దము చివర రూపగోస్వామి పద్యావళి రచించెను. ఇందు కృష్ణభక్తికి సంబంధించిన 386 శ్లోకములు కలవు. ఇదే కాలమున పెద్దిభట్టు సూక్తి వారిధిని కూర్చెను.

సమకాలికుల శ్లోకముల తోడను, జగన్నాథ పండితుని ప్రశంస తోడను కూడిన హరికవి కృత సుభాషిత హారావళి ఒకటి. క్రీ.శ. 1700 ప్రాంతమున రచింపబడినది. శివాజీ కుమారుడు శంభు బుధభూషణ మనుదానిని మూడు భాగములుగా కూర్చెను. క్రీ.శ. 19 వ శతాబ్దమున డా. భోట్లింగ్క్ సంస్కృతమునందలి రత్నముల వంటి 8000 శ్లోకములను ఏర్చి కూర్చెను. పద్యామృత తరంగిణి, సుభాషిత రత్నబాండాందారము అనునవి కూడా ఇట పేర్కొనదగినవి.

ఈ క్రిందివాటిలో ఏది సంస్కృతములో మొదటి సంకలన గ్రంథము.

(1) గాథా సప్తశతి

(2) శాలివాహన సప్తశతి

(3) కవీంద్ర వచన సముచ్చయము.

(4) ఆర్యా సప్తశతి

[Question ID = 395][Question Description = S7_Telugu_Q125]

1. 1 [Option ID = 1577]
2. 2 [Option ID = 1578]
3. 3 [Option ID = 1579]
4. 4 [Option ID = 1580]

6)

సూచన : ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి ప్రశ్నకు సరియైన సమాధానాలు రాయండి.

వివిధ కాలములకు చెందిన కవులు పలు విషయములను గూర్చి కావించిన రచనలను కొందరు ఏర్చి, కూర్చి ఒక గ్రంథముగా తయారు చేసిరి. ఇట్టివానిలోని శ్లోకములలో కొన్ని సంకలనకర్తవి కూడా ఉండవచ్చును. ఇట్టివానికే సంకలన గ్రంథములని పేరు.
వీనిలో ఉదహరింపబడిన చాలామంది కవుల కాలములు వ్రాయబడలేదు. కొన్ని శ్లోకముల కర్తలెవ్వరో తెలియదు. ఐనను ఈ రకమైన గ్రంథముల మూలమున సాధారణముగా కవుల కాలములు తెలిసికొనుటకు వీలు కలుగును. నష్టమైన కొందరి రచనలను, వారి నామములను ఇందు కాననగును పూర్వ కవులు కొన్ని శీర్షికలపై ఎవరెవరు ఎట్టి భావములను కల్పించిరో, ఎవరెట్టి రకపు రచనాపాటవము కలవారో తెలిసికొటకు ఇట్టి గ్రంథములు ఉపయోగపడును.

ఇప్పటికి లభించిన సంకలన గ్రంథములలో మొదటిది మహారాష్ట్రీ ప్రాకృతములో ఉన్నది. దానికి 'గాథా సప్తశతి' అనియు, 'శాలీవాహన సప్తశతి' అనియు పేర్లు. ఇందు 700 శ్లోకములు కలవు. శృంగారము ప్రధాన రసము. హాలుడు దీని సంకలయిత అందురు. హాలుడు 'శాతవాహన' వంశము వాడు. ఇది క్రీ.శ. ఒకటవ శతాబ్దమునకు చెంది ఉండును. ఇందలి శ్లోకములు పరమ లలితములు. హృదయంగమములు, మూలము చాలా మార్పులు చెంది మన చేత చిక్కినదని పాశ్చాత్యులందరు.

సంస్కృతమున మొదటి సంకలన గ్రంథము కవీంద్ర వచన సముచ్చయము. క్రీ.శ 13 వ శతాబ్దమునకు చెందిన నేపాళదేశపు ఒక వ్రాతప్రతి. డా. ఎఫ్.డబ్ల్యు. థామసు గారికి చిక్కినది. దీనిని వారు సంస్కరించిరి. ఇందు క్రీ.శ. 900 కు పూర్వపు వారి రచనలే ఉన్నవి. కాన ఇది క్రీ.శ. 1000 ప్రాంతమున కూర్పబడి ఉండును. ఇందు 500 శ్లోకములు కలవు. కవి ఎవరో తెలియదు. ఇందు బుద్ధ, అవలోకితేశ్వరులను గూర్చిన భాగములున్నవి. ప్రేమ, లోకజ్ఞానము, సాంఘిక అంశములున్నవి.

'మానసోల్లాసము' లేక 'అభిలషితార్థ చింతామణి' అనబడు గ్రంథములను సోమేశ్వరుడు కూర్చెను. ఈతడు చాళుక్య రాజకుమారుడు. కాలము క్రీ.శ. 1131 ప్రాంతము. ఇది ఐదు భాగములు. రాచరికము, రాజవినోదములు, అశ్వ గజ శిక్షణలు, జ్యోతిషము, అలంకార శాస్త్రము, లలితకళలు, వైద్యశాస్త్రము మొదలైన బహు విషయములను గూర్చి ఈ గ్రంథము వర్ణించును. క్రీ.శ. 1169 ప్రాంతమున వంగదేశీయుడైన గోవర్ధనుడు గాథాసప్తశతిని అనుసరించి ఆర్యావృత్తములలో ఆర్యా సప్తశతి అను గ్రంథమును కూర్చెను. ఇంది 700 శ్లోకములు అకారానుక్రమముగా కూర్పబడినవి.

క్రీ.శ. 1205 ప్రాంతమున శ్రీధర దాసుడు సదుక్తి కర్ణామృతము లేక సూక్తి కర్ణామృతము అనబడు గ్రంథమును కూర్చెను. ఇందు 447 గురు కవులవి 2368 శ్లోకములు కలవు. ఈ కవులలో చాలామంది వంగదేశీయులే. సూక్తి ముక్తావళి అను గ్రంథమును క్రీ.శ. 1257 లో

యాదవ కృష్ణరాజు మంత్రి జల్హణుడు తయారు చేసెను. ఇందులో 2790 శ్లోకములును, 243 కవులును కలరు. ధనము, అదృష్టము, ప్రేమ, రాచకొలువు మొదలైన విషయములు ఇందలి వస్తువులు. ఈ గ్రంథము చాలమంది కవులను, వారి రచనలను గూర్చి తెలుపగలదు. చారిత్రకులు దీని వైశిష్ట్యము గుర్తించిరి.

క్రీ.శ. 1350 ప్రాంతమున వేదములకు భాష్యము వ్రాసిన సాయణుడు సుభాషిత సుధానిధిని రచించెను.

ఇందు పూరకవుల చక్కని సూక్తు లెన్నో కలవు. దీనికి పదమూడు సంవత్సరముల తర్వాత 'శార్ఙ్గధర పద్ధతి' అనబడు ఒక ప్రముఖ సంకలన గ్రంథమును శార్ఙ్గధరుడు కూర్చెను. ఇందు 163 ఖండములును, 4689 శ్లోకములును కలవు. శార్ఙ్గధరునివి కూడా కొన్ని శ్లోకములు ఇందు కలవు.

'సుభాషితావళి' అను పేరు కల రెండు గ్రంథములున్నవి. ఒకటి క్రీ.శ. 1450 ప్రాంతము దనియు,రెండవది 1480 నాటిదనియు పెద్దలందురు. మొదటి దానిని సకలకీర్తియు రెండవదానిని శ్రీవరుణుడును రచించిరి. మొదటిదాని కర్తను గూర్చి భిన్నాభిప్రాయములు కలవు. పోతనార్యుడు ప్రసంగ రత్నావళి అను గ్రంథమును కూర్చెను. ఇది పై రెండిటినడిమి కాలమునకు చెందినది. సుభాషిత రత్నావళి అనబడు మరి ఒకటి వల్లభదేవుని రచన. ఇది 101 భాగములును, 2597 శ్లోకములును కలిగి ఉన్నది. చాలవరకు ఉత్తర హిందూదేశమునకు చెందిన 350 మంది కవులిందు కనిపింతురు. వల్లభదేవునివి కూడా కొన్ని శ్లోకములు కలవు, ఈ శతాబ్దము చివర రూపగోస్వామి పద్యావళి రచించెను. ఇందు కృష్ణభక్తికి సంబంధించిన 386 శ్లోకములు కలవు. ఇదే కాలమున పెద్దిభట్టు సూక్తి వారిధిని కూర్చెను.

సమకాలికుల శ్లోకముల తోడను, జగన్నాథ పండితుని ప్రశంస తోడను కూడిన హరికవి కృత సుభాషిత హారావళి ఒకటి. క్రీ.శ. 1700 ప్రాంతమున రచింపబడినది. శివాజీ కుమారుడు శంభు బుధభూషణ మనుదానిని మూడు భాగములుగా కూర్చెను. క్రీ.శ. 19 వ శతాబ్దమున డా. భోట్లింగ్క్ సంస్కృతమునందలి రత్నముల వంటి 8000 శ్లోకములను ఏర్చి కూర్చెను. పద్యామృత తరంగిణి, సుభాషిత రత్నభాండాగారము అనునవి కూడా ఇట పేర్కొనదగినవి.

జగన్నాథ పండితుని ప్రశంసతో కూడిన గ్రంథం ఏది ?

(1) సుభాషిత హారావళి

(2) సదుక్తి కర్ణామృతము

(3) ఆర్యా సప్తశతి

(4) శాలివాహన సప్తశతి

[Question ID = 396][Question Description = S7_Telugu_Q126]

1. 1 [Option ID = 1581]
2. 2 [Option ID = 1582]
3. 3 [Option ID = 1583]
4. 4 [Option ID = 1584]

7)

సూచన : ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి ప్రశ్నకు సరియైన సమాధానాలు రాయండి.

వివిధ కాలములకు చెందిన కవులు పలు విషయములను గూర్చి కావించిన రచనలను కొందరు ఏర్చి, కూర్చి ఒక గ్రంథముగా తయారు చేసిరి. ఇట్టివానిలోని శ్లోకములలో కొన్ని సంకలనకర్తవి కూడా ఉండవచ్చును. ఇట్టివానికే సంకలన గ్రంథములని పేరు.
వీనిలో ఉదహరింపబడిన చాలామంది కవుల కాలములు వ్రాయబడలేదు. కొన్ని శ్లోకముల కర్తలెవ్వరో తెలియదు. ఐనను ఈ రకమైన గ్రంథముల మూలమున సాధారణముగా కవుల కాలములు తెలిసికొనుటకు వీలు కలుగును. నష్టమైన కొందరి రచనలను, వారి నామములను ఇందు కాననగును పూర్వ కవులు కొన్ని శీర్షికలపై ఎవరెవరు ఎట్టి భావములను కల్పించిరో, ఎవరెట్టి రకపు రచనాపాటవము కలవారో తెలిసికొటకు ఇట్టి గ్రంథములు ఉపయోగపడును.

ఇప్పటికి లభించిన సంకలన గ్రంథములలో మొదటిది మహారాష్ట్రీ ప్రాకృతములో ఉన్నది. దానికి 'గాథా సప్తశతి' అనియు, 'శాలీవాహన సప్తశతి' అనియు పేర్లు. ఇందు 700 శ్లోకములు కలవు. శృంగారము ప్రధాన రసము. హాలుడు దీని సంకలయిత అందురు. హాలుడు 'శాతవాహన' వంశము వాడు. ఇది క్రీ.శ. ఒకటవ శతాబ్దమునకు చెంది ఉండును. ఇందలి శ్లోకములు పరమ లలితములు. హృదయంగమములు, మూలము చాలా మార్పులు చెంది మన చేత చిక్కినదని పాశ్చాత్యులందరు.

సంస్కృతమున మొదటి సంకలన గ్రంథము కవీంద్ర వచన సముచ్చయము. క్రీ.శ 13 వ శతాబ్దమునకు చెందిన నేపాళదేశపు ఒక వ్రాతప్రతి. డా. ఎఫ్.డబ్ల్యు. థామసు గారికి చిక్కినది. దీనిని వారు సంస్కరించిరి. ఇందు క్రీ.శ. 900 కు పూర్వపు వారి రచనలే ఉన్నవి. కాన ఇది క్రీ.శ. 1000 ప్రాంతమున కూర్పబడి ఉండును. ఇందు 500 శ్లోకములు కలవు. కవి ఎవరో తెలియదు. ఇందు బుద్ధ, అవలోకితేశ్వరులను గూర్చిన భాగములున్నవి. ప్రేమ, లోకజ్ఞానము, ప్రాంతిక అంశములున్నవి

[illegible]

'మానసోల్లాసము' లేక 'అభిలషితార్థ చింతామణి' అనబడు గ్రంథములను సోమేశ్వరుడు కూర్చెను. ఈతడు చాళుక్య రాజకుమారుడు. కాలము క్రీ.శ. 1131 ప్రాంతము. ఇది ఐదు భాగములు. రాచరికము, రాజవినోదములు, అశ్వ గజ శిక్షణలు, జ్యోతిషము, అలంకార శాస్త్రము, లలితకళలు, వైద్యశాస్త్రము మొదలైన బహు విషయములను గూర్చి ఈ గ్రంథము వర్ణించును. క్రీ.శ. 1169 ప్రాంతమున వంగదేశీయుడైన గోవర్ధనుడు గాథాసప్తశతిని అనుసరించి ఆర్యావృత్తములలో ఆర్యా సప్తశతి అను గ్రంథమును కూర్చెను. ఇంది 700 శ్లోకములు అకారానుక్రమముగా కూర్చబడినవి.

క్రీ.శ. 1205 ప్రాంతమున శ్రీధర దాసుడు సదుక్తి కర్ణామృతము లేక సూక్తి కర్ణామృతము అనబడు గ్రంథమును కూర్చెను. ఇందు 447 గురు కవులవి 2368 శ్లోకములు కలవు. ఈ కవులలో చాలామంది వంగదేశీయులే. సూక్తి ముక్తావళి అను గ్రంథమును క్రీ.శ. 1257 లో యాదవ కృష్ణరాజు మంత్రి జల్హణుడు తయారు చేసెను. ఇందులో 2790 శ్లోకములును, 243 కవులును కలరు. ధనము, అదృష్టము, ప్రేమ, రాచకొలువు మొదలైన విషయములు ఇందలి వస్తువులు. ఈ గ్రంథము చాలమంది కవులను, వారి రచనలను గూర్చి తెలుపగలదు. చారిత్రకులు దీని వైశిష్ట్యము గుర్తించిరి.

క్రీ.శ. 1350 ప్రాంతమున వేదములకు భాష్యము వ్రాసిన సాయణుడు సుభాషిత సుధానిధిని రచించెను.

ఇందు పూరకవుల చక్కని సూక్తు లెన్నో కలవు. దీనికి పదమూడు సంవత్సరముల తర్వాత 'శార్ఙ్గధర పద్ధతి' అనబడు ఒక ప్రముఖ సంకలన గ్రంథమును శార్ఙ్గధరుడు కూర్చెను. ఇందు 163 ఖండములును, 4689 శ్లోకములును కలవు. శార్ఙ్గధరునివి కూడా కొన్ని శ్లోకములు ఇందు కలవు.

'సుభాషితావళి' అను పేరు కల రెండు గ్రంథములున్నవి. ఒకటి క్రీ.శ. 1450 ప్రాంతము దనియు,రెండవది 1480 నాటిదనియు పెద్దలందురు. మొదటి దానిని సకలకీర్తియు రెండవదానిని శ్రీవరుణుడును రచించిరి. మొదటిదాని కర్తను గూర్చి భిన్నాభిప్రాయములు కలవు. పోతనార్యుడు ప్రసంగ రత్నావళి అను గ్రంథమును కూర్చెను. ఇది పై రెండిటినడిమి కాలమునకు చెందినది. సుభాషిత రత్నావళి అనబడు మరి ఒకటి వల్లభదేవుని రచన. ఇది 101 భాగములును, 2597 శ్లోకములును కలిగి ఉన్నది. చాలవరకు ఉత్తర హిందూదేశమునకు చెందిన 350 మంది కవులిందు కనిపింతురు. వల్లభదేవునివి కూడా కొన్ని శ్లోకములు కలవు, ఈ శతాబ్దము చివర రూపగోస్వామి పద్యావళి రచించెను. ఇందు కృష్ణభక్తికి సంబంధించిన 386 శ్లోకములు కలవు. ఇదే కాలమున పెద్దిభట్టు సూక్తి వారిధిని కూర్చెను.

సమకాలికుల శ్లోకముల తోడను, జగన్నాథ పండితుని ప్రశంస తోడను కూడిన హరికవి కృత సుభాషిత హారావళి ఒకటి. క్రీ.శ. 1700 ప్రాంతమున రచింపబడినది. శివాజీ కుమారుడు శంభు బుధభూషణ మనుదానిని మూడు భాగములుగా కూర్చెను. క్రీ.శ. 19 వ శతాబ్దమున డా. భోట్లింగ్క్ సంస్కృతమునందలి రత్నముల వంటి 8000 శ్లోకములను ఏర్చి కూర్చెను. పద్యామృత తరంగిణి, సుభాషిత రత్నబాండాందారము అనునవి కూడా ఇట పేర్కొనదగినవి.

శ్రీధర దాసుడి కాలమ

(1) క్రీ.శ. 1205 ప్రాంతము

(2) క్రీ.శ. 1257

(3) క్రీ.శ. 1350

(4) క్రీ.శ. 1450

[Question ID = 397][Question Description = S7_Telugu_Q127]

1. 1 [Option ID = 1585]
2. 2 [Option ID = 1586]
3. 3 [Option ID = 1587]
4. 4 [Option ID = 1588]

8)

సూచన : ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి ప్రశ్నకు సరియైన సమాధానాలు రాయండి.

వివిధ కాలములకు చెందిన కవులు పలు విషయములను గూర్చి కావించిన రచనలను కొందరు ఏర్చి, కూర్చి ఒక గ్రంథముగా తయారు చేసిరి. ఇట్టివానిలోని శ్లోకములలో కొన్ని సంకలనకర్తవి కూడా ఉండవచ్చును. ఇట్టివానికే సంకలన గ్రంథములని పేరు.

వీనిలో ఉదహరింపబడిన చాలామంది కవుల కాలములు వ్రాయబడలేదు. కొన్ని శ్లోకముల కర్తలెవ్వరో తెలియదు. ఐనను ఈ రకమైన గ్రంథముల మూలమున సాధారణముగా కవుల కాలములు తెలిసికొనుటకు వీలు కలుగును. నష్టమైన కొందరి రచనలను, వారి నామములను ఇందు కాననగును పూర్వ కవులు కొన్ని శీర్షికలపై ఎవరెవరు ఎట్టి భావములను కల్పించిరో, ఎవరెట్టి రకపు రచనాపాటవము కలవారో తెలిసికొటకు ఇట్టి గ్రంథములు ఉపయోగపడును.

ఇప్పటికి లభించిన సంకలన గ్రంథములలో మొదటిది మహారాష్ట్రీ ప్రాకృతములో ఉన్నది. దానికి 'గాథా సప్తశతి' అనియు, 'శాలీవాహన సప్తశతి' అనియు పేర్లు. ఇందు 700 శ్లోకములు కలవు. శృంగారము ప్రధాన రసము. హాలుడు దీని సంకలయిత అందురు. హాలుడు 'శాతవాహన' వంశము వాడు. ఇది క్రీ.శ. ఒకటవ శతాబ్దమునకు చెంది ఉండును. ఇందలి శ్లోకములు పరమ లలితములు. హృదయంగమములు, మూలము చాలా మార్పులు చెంది మన చేత చిక్కినదని పాశ్చాత్యులందరు.

సంస్కృతమున మొదటి సంకలన గ్రంథము కవీంద్ర వచన సముచ్చయము. క్రీ.శ 13 వ శతాబ్దమునకు చెందిన నేపాళదేశపు ఒక వ్రాతప్రతి. డా. ఎఫ్.డబ్ల్యు. థామసు గారికి చిక్కినది. దీనిని వారు సంస్కరించిరి. ఇందు క్రీ.శ. 900 కు పూర్వపు వారి రచనలే ఉన్నవి. కాన ఇది క్రీ.శ. 1000 ప్రాంతమున కూర్పబడి ఉండును. ఇందు 500 శ్లోకములు కలవు. కవి ఎవరో తెలియదు. ఇందు బుద్ధ, అవలోకితేశ్వరులను గూర్చిన భాగములున్నవి. ప్రేమ, లోకజ్ఞానము, సాంఘిక అంశములున్నవి.

'మానసోల్లాసము' లేక 'అభిలషితార్థ చింతామణి' అనబడు గ్రంథములను సోమేశ్వరుడు కూర్చెను. ఈతడు చాళుక్య రాజకుమారుడు. కాలము క్రీ.శ. 1131 ప్రాంతము. ఇది ఐదు భాగములు. రాచరికము, రాజవినోదములు, అశ్వ గజ శిక్షణలు, జ్యోతిషము, అలంకార శాస్త్రము, లలితకళలు, వైద్యశాస్త్రము మొదలైన బహు విషయములను గూర్చి ఈ గ్రంథము వర్ణించును. క్రీ.శ. 1169 ప్రాంతమున వంగదేశీయుడైన గోవర్ధనుడు గాథాసప్తశతిని అనుసరించి ఆర్యావృత్తములలో ఆర్యా సప్తశతి అను గ్రంథమును కూర్చెను. ఇంది 700 శ్లోకములు అకారానుక్రమముగా కూర్పబడినవి.

క్రీ.శ. 1205 ప్రాంతమున శ్రీధర దాసుడు సదుక్తి కర్ణామృతము లేక సూక్తి కర్ణామృతము అనబడు గ్రంథమును కూర్చెను. ఇందు 447 గురు కవులవి 2368 శ్లోకములు కలవు. ఈ కవులలో చాలామంది వంగదేశీయులే. సూక్తి ముక్తావళి అను గ్రంథమును క్రీ.శ. 1257 లో యాదవ కృష్ణరాజు మంత్రి జల్హణుడు తయారు చేసెను. ఇందులో 2790 శ్లోకములును, 243 కవులును కలరు. ధనము, అదృష్టము, ప్రేమ, రాచకొలువు మొదలైన విషయములు ఇందలి వస్తువులు. ఈ గ్రంథము చాలమంది కవులను, వారి రచనలను గూర్చి తెలుపగలదు. చారిత్రకులు దీని వైశిష్ట్యము గుర్తించిరి.

క్రీ.శ. 1350 ప్రాంతమున వేదములకు భాష్యము వ్రాసిన సాయణుడు సుభాషిత సుధానిధిని రచించెను.

ఇందు పూరకవుల చక్కని సూక్తు లెన్నో కలవు. దీనికి పదమూడు సంవత్సరముల తర్వాత 'శార్ఙ్గధర పద్ధతి' అనబడు ఒక ప్రముఖ సంకలన గ్రంథమును శార్ఙ్గధరుడు కూర్చెను. ఇందు 163 ఖండములును, 4689 శ్లోకములును కలవు. శార్ఙ్గధరునివి కూడా కొన్ని శ్లోకములు ఇందు కలవు.

'సుభాషితావళి' అను పేరు కల రెండు గ్రంథములున్నవి. ఒకటి క్రీ.శ. 1450 ప్రాంతము దనియు,రెండవది 1480 నాటిదనియు పెద్దలందురు. మొదటి దానిని సకలకీర్తియు రెండవదానిని శ్రీవరుణుడును రచించిరి. మొదటిదాని కర్తను గూర్చి భిన్నాభిప్రాయములు కలవు. పోతనార్యుడు ప్రసంగ రత్నావళి అను గ్రంథమును కూర్చెను. ఇది పై రెండిటినడిమి కాలమునకు చెందినది. సుభాషిత రత్నావళి అనబడు మరి ఒకటి వల్లభదేవుని రచన. ఇది 101 భాగములును, 2597 శ్లోకములును కలిగి ఉన్నది. చాలవరకు ఉత్తర హిందూదేశమునకు చెందిన 350 మంది కవులిందు కనిపింతురు. వల్లభదేవునివి కూడా కొన్ని శ్లోకములు కలవు, ఈ శతాబ్దము చివర రూపగోస్వామి పద్యావళి రచించెను. ఇందు కృష్ణభక్తికి సంబంధించిన 386 శ్లోకములు కలవు. ఇదే కాలమున పెద్దిభట్టు సూక్తి వారిధిని కూర్చెను.

సమకాలికుల శ్లోకముల తోడను, జగన్నాథ పండితుని ప్రశంస తోడను కూడిన హరికవి కృత సుభాషిత హారావళి ఒకటి. క్రీ.శ. 1700 ప్రాంతమున రచింపబడినది. శివాజీ కుమారుడు శంభు బుధభూషణ మనుదానిని మూడు భాగములుగా కూర్చెను. క్రీ.శ. 19 వ శతాబ్దమున డా. భోట్లింగ్క్ సంస్కృతమునందలి రత్నముల వంటి 8000 శ్లోకములను ఏర్చి కూర్చెను. పద్యామృత తరంగిణి, సుభాషిత రత్నబాండాందారము అనునవి కూడా ఇట పేర్కొనదగినవి.

243 మంది కవులున్న సంకలన గ్రంథము

(1) సూక్తి ముక్తావళి

(2) అభిలషితార్థ చింతమణి

(3) శాలివాహన సప్తశతి

(4) సుభాషిత హారావళి

[Question ID = 398][Question Description = S7_Telugu_Q128]

1. 1 [Option ID = 1589]
2. 2 [Option ID = 1590]
3. 3 [Option ID = 1591]
4. 4 [Option ID = 1592]

1)

సూచన : ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ప్రశ్నకు సమాధానములు రాయండి.

ఒక విధంగా చూస్తే తెలుగులో వార్తాపత్రికా సంప్రదాయం 16 వ శతాబ్ది ఉత్తరార్థం చివరనే మొద లైందనవచ్చు; తొలి తెలుగు వార్తాపత్రిక ఉద్భవించినదనవచ్చు. అది రాయవాచకం. దీని రచయిత విశ్వనాథ నాయకుని స్థానాధిపతి. ఈ రచన విజయనగర సార్వభౌముల, ముఖ్యంగా కృష్ణరాయల సమాచారం తెలిపే ఆకరంగా ప్రభవించింది. ఇది ఒక విధంగా డైరీ కూడా. ఇలాటిదే కన్నడంలో రామరాజన బఖైరు. కాని ఇవి నేటి పత్రికల దృష్టితోనే కాక ఇతర దృష్టితో చూచినా సంపూర్ణ వార్తాపత్రికలు కావు. కనుక తెలుగులో ఆధునిక సాహిత్య ప్రక్రియలైన కథ, నవల, వ్యాసం, ఆత్మాశ్రయ కవితల లాగే పత్రికా రచన కూడా పాశ్చాత్య ప్రభావంతో పూచిన సారస్వత ప్రక్రియా ప్రసూనమేనని అందాం. సాహిత్య ప్రక్రియలలో ఇది అన్యతమమయినా అన్ని సాహిత్య ప్రక్రియలను అందించగల – ఏకకాలంలోనే అందించగల విశిష్టత దీనికి ఉంది.

భారతదేశంలో ఈ విధంగా అవతరించిన తొట్టతొలి పత్రిక దిగ్దర్శన్. ఇది 1818 లో వంగ రాష్ట్రంలో శ్రీరాంపూర్ లో అవతరించింది. సంపాదకుడు మార్షుమేన్. అటు తర్వాత 14 సంవత్సరాలకు కాని తెలుగులో పత్రిక వెలువడలేదు.

తెలుగులో మొదటి పత్రిక కర్నాటిక్ క్రానికల్ అని, ఇది మద్రాసు నుంచి వెలువడేదని డా. జి.ఎన్ . రెడ్డి అంటున్నారు. ఈ పత్రిక ప్రతులేవీ దొరకలేదు కాని ఒక తమిళ తెలుగు పత్రికకు అనుమతి ఇచ్చినట్లు రె వరెండు జె. లాంగ్ అనే ఫాదరీ 1829 లో బెంగాల్ ప్రభుత్వానికి పంపిన నివేదికలో పేర్కొన్నారు. ఆయన దాని పేరు చెప్పలేదు.కాని లండన్ నుంచి వెలువడే ఏషియాటిక్ జర్నల్ 1822 నవంబర్ సంచికలో ప్రచురితమైన పుస్తక సమీక్షను బట్టి దానిపేరు 'కర్నాటిక్ క్రానికల్' అని డాక్టర్ రెడ్డి నిరూపించారు. ఆ సమీక్ష ఈ విధంగా ఉంది.

ది కర్నాటిక్ క్రానికల్ : ఇంగ్లీషు– తమిళ్– తెలుగు భాషలలో ముద్రించిన ఈ పత్రికల ఫైలు (సంపుటి) మాకు అందింది. ఆంగ్ల వ్యాసాలు తెలుగు తమిళాలలోను, తెలుగు తమిళ వ్యాసాలు ఇంగ్లీషులోను అనువదింపబడ్డాయి. హిందూస్థాన్ లోనూ ఈ పద్ధతినే ప్రవేశపెట్టే ఉద్దేశం ఉంది. పత్రిక ఉపోద్ఘాతం "ఇది కేవలంవార్తలను యథాతథంగా పొందుపరచడమే కాని వ్యాఖ్య కాదని" తెలుపుతున్నది. ఇది బాల్యావస్థకు తార్కాణం.పత్రిక ముద్రణ బాగుంది. వార్తల అనువాదం చాలవరకు మూలానుసారిగా ఉంది. ధోరణి మితవాద ధోరణిగా ఉంది.

తొలినాళ్ళ పత్రికలు – సత్యదూత

దీనిని బట్టి 1832 లోనే తెలుగు పత్రిక తొలిసారిగా ప్రచురితమైందని నిర్ధారించవచ్చు. అటు తర్వాత 1835 లో సత్యదూత అనే పత్రిక వెలువడింది. బళ్ళారి నుంచి క్రైస్తవ సంఘం వారు వెలువరించారు. 'సత్యదూత' 1835 లో లేదని ఇది కేవలం ఊహేనని శ్రీ బండి గోపాలరెడ్డి అంటున్నారు. "సిలోన్ మిషనరీ కాన్ఫరెన్స్ (1879) ప్రచురణలో నేను చూచినంతవరకు బళ్ళారి క్రైస్తవ కూటమి తాలూకు సమాచారంలో ఈ ప్రస్తావన లేదు. బళ్ళారి మాన్యుయెల్లులోగాని, గజిటర్ లో గాని దీని వైనం ఉన్నదీ లేనిదీ నేనింకా చూడలేదు. మద్రాసు ఆర్కెయివ్స్‌లో, నేను గాలించినంత వరకు దీనిని గురించిన దాఖలా ఎదీ నా కనులకు తగల్లేదు." అని శ్రీ గోపాలరెడ్డి వాదం. చాలామంది పెద్దలు సత్యదూతను గురించి చెప్పారు గనుక, లేదు అనడానికి తగిన బలం లేదు గనుక ఉందనే అనుకొందాం

ఇంతవరకూ సత్యదూత మొదటి పత్రిక అని చెప్పినప్పుడు కదా ఈ వాదనంతా. 1831 లోనే తెలుగు – తమిళ– ఆంగ్లపత్రిక ఉన్నట్లు డాక్టర్ జి.ఎన్. నాగిరెడ్డి తిరుగులేని ఆధారాలతో నిరూపించారు గనుక సత్యదూత ఎప్పటిదయినా ఆక్షేపణ లేదు. కాని తెలుగు పత్రిక చరిత్రను చెప్పిన వారంతా ఇంతవరకు సత్యదూత తొలి తెలుగు వారపత్రిక అని చెబుతూవచ్చారు. వారి మాటల ప్రామాణ్యాన్ని శంకించనక్కర లేదు గాని డాక్టర్ జి.ఎన్ రెడ్డి చూపిన ప్రమాణం తిరుగులేనిది.

సత్యదూత అనే పత్రిక వెలువడిన సంవత్సరం :

(1) 1835
(2) 1879
(3) 1835
(4) 1829

[Question ID = 399][Question Description = S7_Telugu_Q129]

1. 1 [Option ID = 1593]
2. 2 [Option ID = 1594]
3. 3 [Option ID = 1595]
4. 4 [Option ID = 1596]

2)

సూచన : ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ప్రశ్నకు సమాధానములు రాయండి.

ఒక విధంగా చూస్తే తెలుగులో వార్తాపత్రికా సంప్రదాయం 16 వ శతాబ్ది ఉత్తరార్ధం చివరనే మొదలైందనవచ్చు; తొలి తెలుగు వార్తాపత్రిక ఉద్భవించినదనవచ్చు. అది రాయవాచకం. దీని రచయిత విశ్వనాథ నాయకుని స్థానాధిపతి. ఈ రచన విజయనగర సార్వభౌముల, ముఖ్యంగా కృష్ణరాయల సమాచారం తెలిపే ఆకరంగా ప్రభవించింది. ఇది ఒక విధంగా డైరీ కూడా. ఇలాటిదే కన్నడంలో రామరాజన బఖైరు. కాని ఇవి నేటి పత్రికల దృష్టితోనే కాక ఇతర దృష్టితో చూచినా సంపూర్ణ వార్తాపత్రికలు కావు. కనుక తెలుగులో ఆధునిక సాహిత్య ప్రక్రియలైన కథ, నవల, వ్యాసం, ఆత్మాశ్రయ కవితల లాగే పత్రికా రచన కూడా పాశ్చాత్య ప్రభావంతో పూచిన సారస్వత ప్రక్రియా ప్రసూనమేనని అందాం. సాహిత్య ప్రక్రియలలో ఇది అన్యతమమయినా అన్ని సాహిత్య ప్రక్రియలను అందించగల – ఏకకాలంలోనే అందించగల విశిష్టత దీనికి ఉంది.

భారతదేశంలో ఈ విధంగా అవతరించిన తొట్టతొలి పత్రిక దిగ్దర్శన్. ఇది 1818 లో వంగ రాష్ట్రంలో శ్రీరాంపూర్ లో అవతరించింది. సంపాదకుడు మార్షుమేన్. అటు తర్వాత 14 సంవత్సరాలకు కాని తెలుగులో పత్రిక వెలువడలేదు.

తెలుగులో మొదటి పత్రిక కర్నాటిక్ క్రానికల్ అని, ఇది మద్రాసు నుంచి వెలువడేదని డా. జి.ఎన్ . రెడ్డి అంటున్నారు. ఈ పత్రిక ప్రతులేవీ దొరకలేదు కాని ఒక తమిళ తెలుగు పత్రికకు అనుమతి ఇచ్చినట్లు రె వరెండు జె. లాంగ్ అనే ఫాదరీ 1829 లో బెంగాల్ ప్రభుత్వానికి పంపిన నివేదికలో పేర్కొన్నారు. ఆయన దాని పేరు చెప్పలేదు.కాని లండన్ నుంచి వెలువడే ఏషియాటిక్ జర్నల్ 1822 నవంబర్ సంచికలో ప్రచురితమైన పుస్తక సమీక్షను బట్టి దానిపేరు 'కర్నాటిక్ క్రానికల్' అని డాక్టర్ రెడ్డి నిరూపించారు. ఆ సమీక్ష ఈ విధంగా ఉంది.

ది కర్నాటిక్ క్రానికల్ : ఇంగ్లీషు– తమిళ్– తెలుగు భాషలలో ముద్రించిన ఈ పత్రికల ఫైలు (సంపుటి) మాకు అందింది. ఆంగ్ల వ్యాసాలు తెలుగు తమిళాలలోను, తెలుగు తమిళ వ్యాసాలు ఇంగ్లీషులోను అనువదింపబడ్డాయి. హిందూస్థాన్ లోనూ ఈ పద్ధతినే ప్రవేశపెట్టే ఉద్దేశం ఉంది. పత్రిక ఉపోద్ఘాతం "ఇది కేవలంవార్తలను యథాతథంగా పొందుపరచడమే కాని వ్యాఖ్య కాదని" తెలుపుతున్నది. ఇది బాల్యావస్థకు తార్కాణం.పత్రిక ముద్రణ బాగుంది. వార్తల అనువాదం చాలవరకు మూలానుసారిగా ఉంది. ధోరణి మితవాద ధోరణిగా ఉంది.

తొలినాళ్ళ పత్రికలు – సత్యదూత

దీనిని బట్టి 1832 లోనే తెలుగు పత్రిక తొలిసారిగా ప్రచురితమైందని నిర్ధారించవచ్చు. అటు తర్వాత 1835 లో సత్యదూత అనే పత్రిక వెలువడింది. బళ్ళారి నుంచి క్రైస్తవ సంఘం వారు వెలువరించారు. 'సత్యదూత' 1835 లో లేదని ఇది కేవలం ఊహేనని శ్రీ బండి గోపాలరెడ్డి అంటున్నారు. "సిలోన్ మిషనరీ కాన్ఫరెన్స్ (1879) ప్రచురణలో నేను చూచినంతవరకు బళ్ళారి క్రైస్తవ కూటమి తాలూకు సమాచారంలో ఈ ప్రస్తావన లేదు. బళ్ళారి మాన్యుయెల్లులోగాని, గజిటర్ లో గాని దీని వైనం ఉన్నదీ లేనిదీ నేనింకా చూడలేదు. మద్రాసు ఆర్కెయివ్స్‌లో, నేను గాలించినంత వరకు దీనిని గురించిన దాఖలా ఏదీ నా కనులకు తగల్లేదు."

అని శ్రీ గోపాలరెడ్డి వాదం. చాలామంది పెద్దలు సత్యదూతను గురించి చెప్పారు గనుక, లేదు అనడానికి తగిన బలం లేదు గనుక ఉందనే అనుకొందాం

ఇంతవరకూ సత్యదూత మొదటి పత్రిక అని చెప్పినప్పుడు కదా ఈ వాదనంతా. 1831 లోనే తెలుగు - తమిళ-ఆంగ్లపత్రిక ఉన్నట్లు డాక్టర్ జి.ఎన్. నాగిరెడ్డి తిరుగులేని ఆధారాలతో నిరూపించారు గనుక సత్యదూత ఎప్పటిదయినా ఆక్షేపణ లేదు. కాని తెలుగు పత్రిక చరిత్రను చెప్పిన వారంతా ఇంతవరకు సత్యదూత తొలి తెలుగు వారపత్రిక అని చెబుతూవచ్చారు. వారి మాటల ప్రామాణ్యాన్ని శంకించనక్కర లేదు గాని డాక్టర్ జి.ఎన్ రెడ్డి చూపిన ప్రమాణం తిరుగులేనిది.

ఏషియాటిక్ జర్నల్ ఎక్కడ నుండి వెలువడింది.

(1) మద్రాసు

(2) శ్రీరాం పూర్

(3) లండన్

(4) బళ్ళారి

[Question ID = 400][Question Description = S7_Telugu_Q130]

1. 1 [Option ID = 1597]
2. 2 [Option ID = 1598]
3. 3 [Option ID = 1599]
4. 4 [Option ID = 1600]

3)

సూచన : ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ప్రశ్నకు సమాధానములు రాయండి.

ఒక విధంగా చూస్తే తెలుగులో వార్తాపత్రికా సంప్రదాయం 16 వ శతాబ్ది ఉత్తరార్ధం చివరనే మొద లైందనవచ్చు; తొలి తెలుగు వార్తాపత్రిక ఉద్భవించినదనవచ్చు. అది రాయవాచకం. దీని రచయిత విశ్వనాథ నాయకుని స్థానాధిపతి. ఈ రచన విజయనగర సార్వభౌముల, ముఖ్యంగా కృష్ణరాయల సమాచారం తెలిపే ఆకరంగా ప్రభవించింది. ఇది ఒక విధంగా డైరీ కూడా. ఇలాటిదే కన్నడంలో రామరాజన బఖైరు. కాని ఇవి నేటి పత్రికల దృష్టితోనే కాక ఇతర దృష్టితో చూచినా సంపూర్ణ వార్తాపత్రికలు కావు. కనుక తెలుగులో ఆధునిక సాహిత్య ప్రక్రియలైన కథ, నవల, వ్యాసం, ఆత్మాశ్రయ కవితల లాగే పత్రికా రచన కూడా పాశ్చాత్య ప్రభావంతో పూచిన సారస్వత ప్రక్రియా ప్రసూనమేనని అందాం. సాహిత్య ప్రక్రియలలో ఇది అన్యతమమయినా అన్ని సాహిత్య ప్రక్రియలను అందించగల - ఏకకాలంలోనే అందించగల విశిష్టత దీనికి ఉంది.

భారతదేశంలో ఈ విధంగా అవతరించిన తొట్టతొలి పత్రిక దిగ్దర్శన్. ఇది 1818 లో వంగ రాష్ట్రంలో శ్రీరాంపూర్ లో అవతరించింది. సంపాదకుడు మార్షుమేన్. అటు తర్వాత 14 సంవత్సరాలకు కాని తెలుగులో పత్రిక వెలువడలేదు.

తెలుగులో మొదటి పత్రిక కర్నాటిక్ క్రానికల్ అని, ఇది మద్రాసు నుంచి వెలువడేదని డా. జి.ఎన్ . రెడ్డి అంటున్నారు. ఈ పత్రిక ప్రతులేవీ దొరకలేదు కాని ఒక తమిళ తెలుగు పత్రికకు అనుమతి ఇచ్చినట్లు రె వరెండు జె. లాంగ్ అనే ఫాదరీ 1829 లో బెంగాల్ ప్రభుత్వానికి పంపిన నివేదికలో పేర్కొన్నారు. ఆయన దాని పేరు చెప్పలేదు.కాని లండన్ నుంచి వెలువడే ఏషియాటిక్ జర్నల్ 1822 నవంబర్ సంచికలో ప్రచురితమైన పుస్తక సమీక్షను బట్టి దానిపేరు 'కర్నాటిక్ క్రానికల్' అని డాక్టర్ రెడ్డి నిరూపించారు. ఆ సమీక్ష ఈ విధంగా ఉంది.

ది కర్నాటిక్ క్రానికల్ : ఇంగ్లీషు- తమిళ్- తెలుగు భాషలలో ముద్రించిన ఈ పత్రికల ఫైలు (సంపుటి) మాకు అందింది. ఆంగ్ల వ్యాసాలు తెలుగు తమిళాలలోను, తెలుగు తమిళ వ్యాసాలు ఇంగ్లీషులోను అనువదింపబడ్డాయి. హిందూస్థాన్ లోనూ ఈ పద్ధతినే ప్రవేశపెట్టే ఉద్దేశం ఉంది. పత్రిక ఉపోద్ఘాతం "ఇది కేవలంవార్తలను యథాతథంగా పొందుపరచడమే కాని వ్యాఖ్య కాదని" తెలుపుతున్నది. ఇది బాల్యావస్థకు తార్కాణం.పత్రిక ముద్రణ బాగుంది. వార్తల అనువాదం చాలవరకు మూలానుసారిగా ఉంది. ధోరణి మితవాద ధోరణిగా ఉంది.

తొలినాళ్ళ పత్రికలు – సత్యదూత

దీనిని బట్టి 1832 లోనే తెలుగు పత్రిక తొలిసారిగా ప్రచురితమైందని నిర్ధారించవచ్చు. అటు తర్వాత 1835 లో సత్యదూత అనే పత్రిక వెలువడింది. బళ్ళారి నుంచి క్రైస్తవ సంఘం వారు వెలువరించారు. 'సత్యదూత' 1835 లో లేదని ఇది కేవలం ఊహేనని శ్రీ బండి గోపాలరెడ్డి అంటున్నారు. "సిలోన్ మిషనరీ కాన్ఫరెన్స్ (1879) ప్రచురణలో నేను చూచినంతవరకు బళ్ళారి క్రైస్తవ కూటమి తాలూకు సమాచారంలో ఈ ప్రస్తావన లేదు. బళ్ళారి మాన్యుయెల్లులోగాని, గజిటర్ లో గాని దీని వైనం ఉన్నదీ లేనిదీ నేనింకా చూడలేదు. మద్రాసు ఆర్కెయివ్స్‌లో, నేను గాలించినంత వరకు దీనిని గురించిన దాఖలా ఎదీ నా కనులకు తగల్లేదు." అని శ్రీ గోపాలరెడ్డి వాదం. చాలామంది పెద్దలు సత్యదూతను గురించి చెప్పారు గనుక, లేదు అనడానికి తగిన బలం లేదు గనుక ఉందనే అనుకొందాం

ఇంతవరకూ సత్యదూత మొదటి పత్రిక అని చెప్పినప్పుడు కదా ఈ వాదనంతా. 1831 లోనే తెలుగు – తమిళ–ఆంగ్లపత్రిక ఉన్నట్లు డాక్టర్ జి.ఎన్. నాగిరెడ్డి తిరుగులేని ఆధారాలతో నిరూపించారు గనుక సత్యదూత ఎప్పటిదయినా ఆక్షేపణ లేదు. కాని తెలుగు పత్రిక చరిత్రను చెప్పిన వారంతా ఇంతవరకు సత్యదూత తొలి తెలుగు వారపత్రిక అని చెబుతూవచ్చారు. వారి మాటల ప్రామాణ్యాన్ని శంకించనక్కర లేదు గాని డాక్టర్ జి.ఎన్ రెడ్డి చూపిన ప్రమాణం తిరుగులేనిది.

'సత్యదూత' పత్రిక ఎక్కడ నుండి వెలువడింది ?

(1) లండన్

(2) మద్రాసు

(3) బళ్ళారి

(4) సిలోన్

[Question ID = 401][Question Description = S7_Telugu_Q131]

1. 1 [Option ID = 1601]
2. 2 [Option ID = 1602]
3. 3 [Option ID = 1603]
4. 4 [Option ID = 1604]

4)

సూచన : ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ప్రశ్నకు సమాధానములు రాయండి.

ఒక విధంగా చూస్తే తెలుగులో వార్తాపత్రికా సంప్రదాయం 16 వ శతాబ్ది ఉత్తరార్ధం చివరనే మొద లైందనవచ్చు; తొలి తెలుగు వార్తాపత్రిక ఉద్భవించినదనవచ్చు. అది రాయవాచకం. దీని రచయిత విశ్వనాథ నాయకుని స్థానాధిపతి. ఈ రచన విజయనగర సార్వభౌముల, ముఖ్యంగా కృష్ణరాయల సమాచారం తెలిపే ఆకరంగా ప్రభవించింది. ఇది ఒక విధంగా డైరీ కూడా. ఇలాటిదే కన్నడంలో రామరాజన బఖైరు. కాని ఇవి నేటి పత్రికల దృష్టితోనే కాక ఇతర దృష్టితో చూచినా సంపూర్ణ వార్తాపత్రికలు కావు. కనుక తెలుగులో ఆధునిక సాహిత్య ప్రక్రియలైన కథ, నవల, వ్యాసం, ఆత్మాశ్రయ కవితల లాగే పత్రికా రచన కూడా పాశ్చాత్య ప్రభావంతో పూచిన సారస్వత ప్రక్రియా ప్రసూనమేనని అందాం. సాహిత్య ప్రక్రియలలో ఇది అన్యతమమయినా అన్ని సాహిత్య ప్రక్రియలను అందించగల – ఏకకాలంలోనే అందించగల విశిష్టత దీనికి ఉంది.

భారతదేశంలో ఈ విధంగా అవతరించిన తొట్టతొలి పత్రిక దిగ్దర్శన్. ఇది 1818 లో వంగ రాష్ట్రంలో శ్రీరాంపూర్ లో అవతరించింది. సంపాదకుడు మార్షుమేన్. అటు తర్వాత 14 సంవత్సరాలకు కాని తెలుగులో పత్రిక వెలువడలేదు.

తెలుగులో మొదటి పత్రిక కర్నాటిక్ క్రానికల్ అని, ఇది మద్రాసు నుంచి వెలువడేదని డా. జి.ఎన్ . రెడ్డి అంటున్నారు. ఈ పత్రిక ప్రతులేవీ దొరకలేదు కాని ఒక తమిళ తెలుగు పత్రికకు అనుమతి ఇచ్చినట్లు రె వరెండు జె. లాంగ్ అనే ఫాదరీ 1829 లో బెంగాల్ ప్రభుత్వానికి పంపిన నివేదికలో పేర్కొన్నారు. ఆయన దాని పేరు చెప్పలేదు.కాని లండన్ నుంచి వెలువడే

ఏషియాటిక్ జర్నల్ 1822 నవంబరు సంచికలో ప్రచురితమైన పుస్తక సమీక్షను బట్టి దానిపేరు 'కర్నాటిక్ క్రానికల్' అని డాక్టర్ రెడ్డి నిరూపించారు. ఆ సమీక్ష ఈ విధంగా ఉంది.

దీ కర్నాటిక్ క్రానికల్ : ఇంగ్లీషు– తమిళ్– తెలుగు భాషలలో ముద్రించిన ఈ పత్రికల ఫైలు (సంపుటి) మాకు అందింది. ఆంగ్ల వ్యాసాలు తెలుగు తమిళాలలోను, తెలుగు తమిళ వ్యాసాలు ఇంగ్లీషులోను అనువదింపబడ్డాయి. హిందూస్థాన్ లోనూ ఈ పద్ధతినే ప్రవేశపెట్టే ఉద్దేశం ఉంది. పత్రిక ఉపోద్ఘాతం "ఇది కేవలంవార్తలను యథాతథంగా పొందుపరచడమే కాని వ్యాఖ్య కాదని" తెలుపుతున్నది. ఇది బాల్యావస్థకు తార్కాణం.పత్రిక ముద్రణ బాగుంది. వార్తల అనువాదం చాలవరకు మూలానుసారిగా ఉంది. ధోరణి మితవాద ధోరణిగా ఉంది.

తొలినాళ్ళ పత్రికలు – సత్యదూత

దీనిని బట్టి 1832 లోనే తెలుగు పత్రిక తొలిసారిగా ప్రచురితమైందని నిర్ధారించవచ్చు. అటు తర్వాత 1835 లో సత్యదూత అనే పత్రిక వెలువడింది. బళ్ళారి నుంచి క్రైస్తవ సంఘం వారు వెలువరించారు. 'సత్యదూత' 1835 లో లేదని ఇది కేవలం ఊహేనని శ్రీ బండి గోపాలరెడ్డి అంటున్నారు. "సిలోన్ మిషనరీ కాన్ఫరెన్స్ (1879) ప్రచురణలో నేను చూచినంతవరకు బళ్ళారి క్రైస్తవ కూటమి తాలూకు సమాచారంలో ఈ ప్రస్తావన లేదు. బళ్ళారి మాన్యుయెల్లులోగాని, గజిటర్ లో గాని దీని వైనం ఉన్నదీ లేనిదీ నేనింకా చూడలేదు. మద్రాసు ఆర్కెయివ్స్‌లో, నేను గాలించినంత వరకు దీనిని గురించిన దాఖలా ఏదీ నా కనులకు తగల్లేదు." అని శ్రీ గోపాలరెడ్డి వాదం. చాలామంది పెద్దలు సత్యదూతను గురించి చెప్పారు గనుక, లేదు అనడానికి తగిన బలం లేదు గనుక ఉందనే అనుకొందాం

ఇంతవరకూ సత్యదూత మొదటి పత్రిక అని చెప్పినప్పుడు కదా ఈ వాదనంతా. 1831 లోనే తెలుగు – తమిళ– ఆంగ్లపత్రిక ఉన్నట్లు డాక్టర్ జి.ఎన్. నాగిరెడ్డి తిరుగులేని ఆధారాలతో నిరూపించారు గనుక సత్యదూత ఎప్పటిదయినా ఆక్షేపణ లేదు. కాని తెలుగు పత్రిక చరిత్రను చెప్పిన వారంతా ఇంతవరకు సత్యదూత తొలి తెలుగు వారపత్రిక అని చెబుతూవచ్చారు. వారి మాటల ప్రామాణ్యాన్ని శంకించనక్కర లేదు గాని డాక్టర్ జి.ఎన్ రెడ్డి చూపిన ప్రమాణం తిరుగులేనిది.

తెలుగు లో మొదటి పత్రిక ' కర్నాటిక్ క్రానికల్' అని అన్నది ఎవరు ?

(1) మార్షమేన్

(2) జె. లాంగ్

(3) గోపాలరెడ్డి

(4) డా. జి.ఎన్. రెడ్డి

[Question ID = 402][Question Description = S7_Telugu_Q132]

1. 1 [Option ID = 1605]
2. 2 [Option ID = 1606]
3. 3 [Option ID = 1607]
4. 4 [Option ID = 1608]

5)

సూచన : ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ప్రశ్నకు సమాధానములు రాయండి.

ఒక విధంగా చూస్తే తెలుగులో వార్తాపత్రికా సంప్రదాయం 16 వ శతాబ్ది ఉత్తరార్థం చివరనే మొదలైందనవచ్చు; తొలి తెలుగు వార్తాపత్రిక ఉద్భవించినదనవచ్చు. అది రాయవాచకం. దీని రచయిత విశ్వనాథ నాయకుని స్థానాధిపతి. ఈ రచన విజయనగర సార్వభౌముల, ముఖ్యంగా కృష్ణరాయల సమాచారం తెలిపే ఆకరంగా ప్రభవించింది. ఇది ఒక విధంగా డైరీ కూడా. ఇలాటిదే కన్నడంలో రామరాజన బఖైరు. కాని ఇవి నేటి పత్రికల దృష్టితోనే కాక ఇతర దృష్టితో చూచినా సంపూర్ణ వార్తాపత్రికలు కావు. కనుక తెలుగులో ఆధునిక సాహిత్య ప్రక్రియలైన కథ, నవల, వ్యాసం, ఆత్మాశ్రయ కవితల లాగే పత్రికా రచన కూడా పాశ్చాత్య ప్రభావంతో పూచిన సారస్వత ప్రక్రియా ప్రసూనమేనని అందాం. సాహిత్య ప్రక్రియలలో ఇది

అన్యతమమయినా అన్ని సాహిత్య ప్రక్రియలను అందించగల - ఏకకాలంలోనే అందించగల విశిష్టత దీనికి ఉంది.

భారతదేశంలో ఈ విధంగా అవతరించిన తొట్టతొలి పత్రిక దిగ్దర్శన్. ఇది 1818 లో వంగ రాష్ట్రంలో శ్రీరాంపూర్ లో అవతరించింది. సంపాదకుడు మార్షుమేన్. అటు తర్వాత 14 సంవత్సరాలకు కాని తెలుగులో పత్రిక వెలువడలేదు.

తెలుగులో మొదటి పత్రిక కర్నాటిక్ క్రానికల్ అని, ఇది మద్రాసు నుంచి వెలువడేదని డా. జి.ఎన్ . రెడ్డి అంటున్నారు. ఈ పత్రిక ప్రతులేవీ దొరకలేదు కాని ఒక తమిళ తెలుగు పత్రికకు అనుమతి ఇచ్చినట్లు రె వరెండు జె. లాంగ్ అనే ఫాదరీ 1829 లో బెంగాల్ ప్రభుత్వానికి పంపిన నివేదికలో పేర్కొన్నారు. ఆయన దాని పేరు చెప్పలేదు.కాని లండన్ నుంచి వెలువడే ఏషియాటిక్ జర్నల్ 1822 నవంబర్ సంచికలో ప్రచురితమైన పుస్తక సమీక్షను బట్టి దానిపేరు 'కర్నాటిక్ క్రానికల్' అని డాక్టర్ రెడ్డి నిరూపించారు. ఆ సమీక్ష ఈ విధంగా ఉంది.

ది కర్నాటిక్ క్రానికల్ : ఇంగ్లీషు- తమిళ్- తెలుగు భాషలలో ముద్రించిన ఈ పత్రికల ఫైలు (సంపుటి) మాకు అందింది. ఆంగ్ల వ్యాసాలు తెలుగు తమిళాలలోను, తెలుగు తమిళ వ్యాసాలు ఇంగ్లీషులోను అనువదింపబడ్డాయి. హిందూస్థాన్ లోనూ ఈ పద్ధతినే ప్రవేశపెట్టే ఉద్దేశం ఉంది. పత్రిక ఉపోద్ఘాతం “ఇది కేవలంవార్తలను యథాతథంగా పొందుపరచడమే కాని వ్యాఖ్య కాదని” తెలుపుతున్నది. ఇది బాల్యావస్థకు తార్కాణం.పత్రిక ముద్రణ బాగుంది. వార్తల అనువాదం చాలవరకు మూలానుసారిగా ఉంది. ధోరణి మితవాద ధోరణిగా ఉంది.

తొలినాళ్ళ పత్రికలు - సత్యదూత

దీనిని బట్టి 1832 లోనే తెలుగు పత్రిక తొలిసారిగా ప్రచురితమైందని నిర్ధారించవచ్చు. అటు తర్వాత 1835 లో సత్యదూత అనే పత్రిక వెలువడింది. బళ్ళారి నుంచి క్రైస్తవ సంఘం వారు వెలువరించారు. 'సత్యదూత' 1835 లో లేదని ఇది కేవలం ఊహేనని శ్రీ బండి గోపాలరెడ్డి అంటున్నారు. “సిలోన్ మిషనరీ కాన్ఫరెన్స్ (1879) ప్రచురణలో నేను చూచినంతవరకు బళ్ళారి క్రైస్తవ కూటమి తాలూకు సమాచారంలో ఈ ప్రస్తావన లేదు. బళ్ళారి మాన్యుయెల్లులోగాని, గజిటర్ లో గాని దీని వైనం ఉన్నదీ లేనిదీ నేనింకా చూడలేదు. మద్రాసు ఆర్కెయివ్స్‌లో, నేను గాలించినంత వరకు దీనిని గురించిన దాఖలా ఎదీ నా కనులకు తగల్లేదు.” అని శ్రీ గోపాలరెడ్డి వాదం. చాలామంది పెద్దలు సత్యదూతను గురించి చెప్పారు గనుక, లేదు అనడానికి తగిన బలం లేదు గనుక ఉందనే అనుకొందాం

ఇంతవరకూ సత్యదూత మొదటి పత్రిక అని చెప్పినప్పుడు కదా ఈ వాదనంతా. 1831 లోనే తెలుగు - తమిళ- ఆంగ్లపత్రిక ఉన్నట్లు డాక్టర్ జి.ఎన్. నాగిరెడ్డి తిరుగులేని ఆధారాలతో నిరూపించారు గనుక సత్యదూత ఎప్పటిదయినా ఆక్షేపణ లేదు. కాని తెలుగు పత్రిక చరిత్రను చెప్పిన వారంతా ఇంతవరకు సత్యదూత తొలి తెలుగు వారపత్రిక అని చెబుతూవచ్చారు. వారి మాటల ప్రామాణ్యాన్ని శంకించనక్కర లేదు గాని డాక్టర్ జి.ఎన్ రెడ్డి చూపిన ప్రమాణం తిరుగులేనిది.

'రాయవాచకం' రచయిత

(1) డా. జి.ఎన్. రెడ్డి

(2) విశ్వనాథ నాయకుని స్థానాధిపతి

(3) గోపాలరెడ్డి

(4) జె. లాంగ్

[Question ID = 403][Question Description = S7_Telugu_Q133]

1. 1 [Option ID = 1609]
2. 2 [Option ID = 1610]
3. 3 [Option ID = 1611]
4. 4 [Option ID = 1612]

6)

సూచన : ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ప్రశ్నకు సమాధానములు రాయండి.

ఒక విధంగా చూస్తే తెలుగులో వార్తాపత్రికా సంప్రదాయం 16 వ శతాబ్ది ఉత్తరార్థం చివరనే మొద లైందనవచ్చు; తొలి తెలుగు వార్తాపత్రిక ఉద్భవించినదనవచ్చు. అది రాయవాచకం. దీని రచయిత విశ్వనాథ నాయకుని స్థానాధిపతి. ఈ రచన విజయనగర సార్వభౌముల, ముఖ్యంగా కృష్ణరాయల సమాచారం తెలిపే ఆకరంగా ప్రభవించింది. ఇది ఒక విధంగా డైరీ కూడా. ఇలాటిదే కన్నడంలో రామరాజన బఖైరు. కాని ఇవి నేటి పత్రికల దృష్టితోనే కాక ఇతర దృష్టితో చూచినా సంపూర్ణ వార్తాపత్రికలు కావు. కనుక తెలుగులో ఆధునిక సాహిత్య ప్రక్రియలైన కథ, నవల, వ్యాసం, ఆత్మాశ్రయ కవితల లాగే పత్రికా రచన కూడా పాశ్చాత్య ప్రభావంతో పూచిన సారస్వత ప్రక్రియా ప్రసూనమేనని అందాం. సాహిత్య ప్రక్రియలలో ఇది అన్యతమమయినా అన్ని సాహిత్య ప్రక్రియలను అందించగల - ఏకకాలంలోనే అందించగల విశిష్టత దీనికి ఉంది.

భారతదేశంలో ఈ విధంగా అవతరించిన తొట్టతొలి పత్రిక దిగ్దర్శన్. ఇది 1818 లో వంగ రాష్ట్రంలో శ్రీరాంపూర్ లో అవతరించింది. సంపాదకుడు మార్షమేన్. అటు తర్వాత 14 సంవత్సరాలకు కాని తెలుగులో పత్రిక వెలువడలేదు.

తెలుగులో మొదటి పత్రిక కర్నాటిక్ క్రానికల్ అని, ఇది మద్రాసు నుంచి వెలువడేదని డా. జి.ఎన్ . రెడ్డి అంటున్నారు. ఈ పత్రిక ప్రతులేవీ దొరకలేదు కాని ఒక తమిళ తెలుగు పత్రికకు అనుమతి ఇచ్చినట్లు రె వరెండు జె. లాంగ్ అనే ఫాదరీ 1829 లో బెంగాల్ ప్రభుత్వానికి పంపిన నివేదికలో పేర్కొన్నారు. ఆయన దాని పేరు చెప్పలేదు.కాని లండన్ నుంచి వెలువడే ఏషియాటిక్ జర్నల్ 1822 నవంబర్ సంచికలో ప్రచురితమైన పుస్తక సమీక్షను బట్టి దానిపేరు 'కర్నాటిక్ క్రానికల్' అని డాక్టర్ రెడ్డి నిరూపించారు. ఆ సమీక్ష ఈ విధంగా ఉంది.

ది కర్నాటిక్ క్రానికల్ : ఇంగ్లీషు– తమిళ్– తెలుగు భాషలలో ముద్రించిన ఈ పత్రికల ఫైలు (సంపుటి) మాకు అందింది. ఆంగ్ల వ్యాసాలు తెలుగు తమిళాలలోను, తెలుగు తమిళ వ్యాసాలు ఇంగ్లీషులోను అనువదింపబడ్డాయి. హిందూస్థాన్ లోనూ ఈ పద్ధతినే ప్రవేశపెట్టే ఉద్దేశం ఉంది. పత్రిక ఉపోద్ఘాతం "ఇది కేవలంవార్తలను యథాతథంగా పొందుపరచడమే కాని వ్యాఖ్య కాదని" తెలుపుతున్నది. ఇది బాల్యావస్థకు తార్కాణం.పత్రిక ముద్రణ బాగుంది. వార్తల అనువాదం చాలవరకు మూలానుసారిగా ఉంది. ధోరణి మితవాద ధోరణిగా ఉంది.

తొలినాళ్ళ పత్రికలు - సత్యదూత

దీనిని బట్టి 1832 లోనే తెలుగు పత్రిక తొలిసారిగా ప్రచురితమైందని నిర్ధారించవచ్చు. అటు తర్వాత 1835 లో సత్యదూత అనే పత్రిక వెలువడింది. బళ్ళారి నుంచి క్రైస్తవ సంఘం వారు వెలువరించారు. 'సత్యదూత' 1835 లో లేదని ఇది కేవలం ఊహేనని శ్రీ బండి గోపాలరెడ్డి అంటున్నారు. "సిలోన్ మిషనరీ కాన్ఫరెన్స్ (1879) ప్రచురణలో నేను చూచినంతవరకు బళ్ళారి క్రైస్తవ కూటమి తాలూకు సమాచారంలో ఈ ప్రస్తావన లేదు. బళ్ళారి మాన్యుయెల్లులోగాని, గజిటర్ లో గాని దీని వైనం ఉన్నదీ లేనిదీ నేనింకా చూడలేదు. మద్రాసు ఆర్కెయివ్స్‌లో, నేను గాలించినంత వరకు దీనిని గురించిన దాఖలా ఎదీ నా కనులకు తగల్లేదు." అని శ్రీ గోపాలరెడ్డి వాదం. చాలామంది పెద్దలు సత్యదూతను గురించి చెప్పారు గనుక, లేదు అనడానికి తగిన బలం లేదు గనుక ఉందనే అనుకొందాం

ఇంతవరకూ సత్యదూత మొదటి పత్రిక అని చెప్పినప్పుడు కదా ఈ వాదనంతా. 1831 లోనే తెలుగు - తమిళ- ఆంగ్లపత్రిక ఉన్నట్లు డాక్టర్ జి.ఎన్. నాగిరెడ్డి తిరుగులేని ఆధారాలతో నిరూపించారు గనుక సత్యదూత ఎప్పటిదయినా ఆక్షేపణ లేదు. కాని తెలుగు పత్రిక చరిత్రను చెప్పిన వారంతా ఇంతవరకు సత్యదూత తొలి తెలుగు వారపత్రిక అని చెబుతూవచ్చారు. వారి మాటల ప్రామాణ్యాన్ని శంకించనక్కర లేదు గాని డాక్టర్ జి.ఎన్ రెడ్డి చూపిన ప్రమాణం తిరుగులేనిది.

'దిగ్దర్శన్' పత్రిక ఎక్కడ నుంచి వెలువడింది __________

(1) శ్రీరాం పూర్

(2) మద్రాసు

(3) బళ్ళారి

(4) లండన్

[Question ID = 404][Question Description = S7_Telugu_Q134]

1. 1 [Option ID = 1613]
2. 2 [Option ID = 1614]
3. 3 [Option ID = 1615]
4. 4 [Option ID = 1616]

7)

సూచన : ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ప్రశ్నకు సమాధానములు రాయండి.

ఒక విధంగా చూస్తే తెలుగులో వార్తాపత్రికా సంప్రదాయం 16 వ శతాబ్ది ఉత్తరార్థం చివరనే మొద లైందనవచ్చు; తొలి తెలుగు వార్తాపత్రిక ఉద్భవించినదనవచ్చు. అది రాయవాచకం. దీని రచయిత విశ్వనాథ నాయకుని స్థానాధిపతి. ఈ రచన విజయనగర సార్వభౌముల, ముఖ్యంగా కృష్ణరాయల సమాచారం తెలిపే ఆకరంగా ప్రభవించింది. ఇది ఒక విధంగా డైరీ కూడా. ఇలాటిదే కన్నడంలో రామరాజన బఖైరు. కాని ఇవి నేటి పత్రికల దృష్టితోనే కాక ఇతర దృష్టితో చూచినా సంపూర్ణ వార్తాపత్రికలు కావు. కనుక తెలుగులో ఆధునిక సాహిత్య ప్రక్రియలైన కథ, నవల, వ్యాసం, ఆత్మాశ్రయ కవితల లాగే పత్రికా రచన కూడా పాశ్చాత్య ప్రభావంతో పూచిన సారస్వత ప్రక్రియా ప్రసూనమేనని అందాం. సాహిత్య ప్రక్రియలలో ఇది అన్యతమమయినా అన్ని సాహిత్య ప్రక్రియలను అందించగల – ఏకకాలంలోనే అందించగల విశిష్టత దీనికి ఉంది.

భారతదేశంలో ఈ విధంగా అవతరించిన తొట్టతొలి పత్రిక దిగ్దర్శన్. ఇది 1818 లో వంగ రాష్ట్రంలో శ్రీరాంపూర్ లో అవతరించింది. సంపాదకుడు మార్షుమేన్. అటు తర్వాత 14 సంవత్సరాలకు కాని తెలుగులో పత్రిక వెలువడలేదు.

తెలుగులో మొదటి పత్రిక కర్నాటిక్ క్రానికల్ అని, ఇది మద్రాసు నుంచి వెలువడేదని డా. జి.ఎన్. రెడ్డి అంటున్నారు. ఈ పత్రిక ప్రతులేవీ దొరకలేదు కాని ఒక తమిళ తెలుగు పత్రికకు అనుమతి ఇచ్చినట్లు రె వరెండు జె. లాంగ్ అనే ఫాదరీ 1829 లో బెంగాల్ ప్రభుత్వానికి పంపిన నివేదికలో పేర్కొన్నారు. ఆయన దాని పేరు చెప్పలేదు.కాని లండన్ నుంచి వెలువడే ఏషియాటిక్ జర్నల్ 1822 నవంబర్ సంచికలో ప్రచురితమైన పుస్తక సమీక్షను బట్టి దానిపేరు 'కర్నాటిక్ క్రానికల్' అని డాక్టర్ రెడ్డి నిరూపించారు. ఆ సమీక్ష ఈ విధంగా ఉంది.

ది కర్నాటిక్ క్రానికల్ : ఇంగ్లీషు– తమిళ్– తెలుగు భాషలలో ముద్రించిన ఈ పత్రికల ఫైలు (సంపుటి) మాకు అందింది. ఆంగ్ల వ్యాసాలు తెలుగు తమిళాలలోను, తెలుగు తమిళ వ్యాసాలు ఇంగ్లీషులోను అనువదింపబడ్డాయి. హిందూస్థాన్ లోనూ ఈ పద్ధతినే ప్రవేశపెట్టే ఉద్దేశం ఉంది. పత్రిక ఉపోద్ఘాతం "ఇది కేవలంవార్తలను యథాతథంగా పొందుపరచడమే కాని వ్యాఖ్య కాదని" తెలుపుతున్నది. ఇది బాల్యావస్థకు తార్కాణం.పత్రిక ముద్రణ బాగుంది. వార్తల అనువాదం చాలవరకు మూలానుసారిగా ఉంది. ధోరణి మితవాద ధోరణిగా ఉంది.

తొలినాళ్ళ పత్రికలు – సత్యదూత

దీనిని బట్టి 1832 లోనే తెలుగు పత్రిక తొలిసారిగా ప్రచురితమైందని నిర్ధారించవచ్చు. అటు తర్వాత 1835 లో సత్యదూత అనే పత్రిక వెలువడింది. బళ్ళారి నుంచి క్రైస్తవ సంఘం వారు వెలువరించారు. 'సత్యదూత' 1835 లో లేదని ఇది కేవలం ఊహేనని శ్రీ బండి గోపాలరెడ్డి అంటున్నారు. "సిలోన్ మిషనరీ కాన్ఫరెన్స్ (1879) ప్రచురణలో నేను చూచినంతవరకు బళ్ళారి క్రైస్తవ కూటమి తాలూకు సమాచారంలో ఈ ప్రస్తావన లేదు. బళ్ళారి మాన్యుయెల్లులోగాని, గజిటర్ లో గాని దీని వైనం ఉన్నదీ లేనిదీ నేనింకా చూడలేదు. మద్రాసు ఆర్కెయివ్స్‌లో, నేను గాలించినంత వరకు దీనిని గురించిన దాఖలా ఎదీ నా కనులకు తగల్లేదు." అని శ్రీ గోపాలరెడ్డి వాదం. చాలామంది పెద్దలు సత్యదూతను గురించి చెప్పారు గనుక, లేదు అనడానికి తగిన బలం లేదు గనుక ఉందనే అనుకొందాం

ఇంతవరకూ సత్యదూత మొదటి పత్రిక అని చెప్పినప్పుడు కదా ఈ వాదనంతా. 1831 లోనే తెలుగు – తమిళ–

ఆంగ్లపత్రిక ఉన్నట్లు డాక్టర్ జి.ఎన్. నాగిరెడ్డి తిరుగులేని ఆధారాలతో నిరూపించారు గనుక సత్యదూత ఎప్పటిదయినా ఆక్షేపణ లేదు. కాని తెలుగు పత్రిక చరిత్రను చెప్పిన వారంతా ఇంతవరకు సత్యదూత తొలి తెలుగు వారపత్రిక అని చెబుతూవచ్చారు. వారి మాటల ప్రామాణ్యాన్ని శంకించనక్కర లేదు గాని డాక్టర్ జి.ఎన్ రెడ్డి చూపిన ప్రమాణం తిరుగులేనిది.

'కర్నాటిక్ క్రానికల్' ఎక్కడ నుండి వెలువడింది.

(1) బళ్ళారి

(2) లండన్

(3) శ్రీరాంపూర్

(4) మద్రాసు

[Question ID = 405][Question Description = S7_Telugu_Q135]

1. 1 [Option ID = 1617]
2. 2 [Option ID = 1618]
3. 3 [Option ID = 1619]
4. 4 [Option ID = 1620]

Topic:- Telugu_Q136-150_L2_P2_CTET

1) సమగ్ర మూల్యాంకనం ఏ తరహా మూల్యాంకనాన్ని సూచిస్తుంది ?

(1) సహపాఠ్య కార్యక్రమం

(2) విద్యాత్మక విషయాలు

(3) విద్యాసంబంధిత మరియు సహ విద్యాసంబంధ రంగాలు

(4) సంచిత మూల్యాంకన పరీక్షలు

[Question ID = 406][Question Description = S7_Telugu_Q136]

1. 1 [Option ID = 1621]
2. 2 [Option ID = 1622]
3. 3 [Option ID = 1623]
4. 4 [Option ID = 1624]

2) సంప్రదాయబద్ధ పెన్ను – కాగితం పరీక్ష ద్వారా మూల్యాంకనం చేయలేని భాషానైపుణ్యాలు __________.

(1) వినటం మరియు మాట్లాడటం

(2) చదవటం మరియు మాట్లాడటం

(3) రాయటం మరియు వినటం

(4) చదవటం మరియు వినటం

[Question ID = 407][Question Description = S7_Telugu_Q137]

1. 1 [Option ID = 1625]
2. 2 [Option ID = 1626]
3. 3 [Option ID = 1627]
4. 4 [Option ID = 1628]

3) స్కానింగ్ అనేది దేన్ని కనుగొనేందుకు

(1) రచయిత అభిప్రాయాన్ని

(2) క్లిష్టపదాలను

(3) నిర్దిష్ట అంశమూ లేక సమాచారం

(4) ప్రధాన భావన

[Question ID = 408][Question Description = S7_Telugu_Q138]

1. 1 [Option ID = 1629]
2. 2 [Option ID = 1630]
3. 3 [Option ID = 1631]
4. 4 [Option ID = 1632]

4)

ఒక ఉపాధ్యాయురాలు యువ అభ్యాసకులకు కొత్త పదాలు బోధించేందుకు నిజమైన వస్తువులను ఉపయోగిస్తుంది. ఎందుకంటే

(1) అది పదాలకున్న సరైన స్పెల్లింగ్ బోధించుటలో ఉపకరిస్తుంది

(2) పదాల్ని మనం కేవలం వస్తువుల ద్వారా మాత్రమే బోధించగలం

(3) యువ విద్యార్థులు అమూర్త ఆలోచనాశక్తి కలిగి ఉండరు

(4) వాళ్లు వాస్తవ ప్రపంచంలో చూసే వస్తువుల్తో పదాల్ని కలిపి చూడటానికి ఆస్కారం ఇస్తుంది.

[Question ID = 409][Question Description = S7_Telugu_Q139]

1. 1 [Option ID = 1633]
2. 2 [Option ID = 1634]
3. 3 [Option ID = 1635]
4. 4 [Option ID = 1636]

5) ప్రారంభ మూల్యాంకనం అనేది ఎందుకు ఉపకరిస్తుంది.

(1) తరగతి గదిలో పోటీవాతావరణాన్ని ఏర్పరుస్తుంది

(2) బోధనలో ఉపాధ్యాయురాలి సామర్థ్యాన్ని మూల్యాంకనం చేసేందుకు

(3) అభ్యాసకులు మెరుగుపరచుకొనేందుకు నాణ్యమైన ఫీడ్‌బ్యాక్ ఇస్తుంది

(4) వారంలో పరీక్షలు నిర్వహించటం

[Question ID = 410][Question Description = S7_Telugu_Q140]

1. 1 [Option ID = 1637]
2. 2 [Option ID = 1638]
3. 3 [Option ID = 1639]
4. 4 [Option ID = 1640]

6) తరగతి గదిలో జరిగే పొరపాట్లకు ఈ క్రిందివాటిలో ఏవి కారణం ?

(1) పొరపాట్లు అనేవి అభ్యస రంగాలు మరియు అభ్యాసకులకు ఉపాధ్యాయులకు కూడా అవి ఫీడ్‌బ్యాక్

(2) అభ్యాసకులు భాషను ఉపయోగిస్తున్నప్పుడు చేసే తప్పులను అక్కడికక్కడే సరిదిద్దాలి

(3) పొరపాట్లు అనేవి అభ్యాసకుడు నెమ్మదిగా నేర్చుకునేవాడు అనేదానికి సూచనలు

(4) పొరపాటు అనేది రెందవ భాషలో మొదటి భాష జోక్యానికి సూచన

[Question ID = 411][Question Description = S7_Telugu_Q141]

1. 1 [Option ID = 1641]
2. 2 [Option ID = 1642]
3. 3 [Option ID = 1643]
4. 4 [Option ID = 1644]

7)

పోర్టుఫోలియో మూల్యాంకనానికి ఈ క్రిందివాటిలో ఏది సరైనదికాదు ?

(1) పోర్టుఫోలియో మూల్యాంకనం విద్యార్థి అభ్యసన్నానికి సాక్ష్యాన్నిస్తుంది.

(2) విద్యార్థులు మరింత స్వయం ప్రతిపత్తితో ఉండటానికి అది సహకరిస్తుంది

(3) అది విద్యార్థి ఆలోచనను పెంపొందించి, తమని తాము స్వయం నియంత్రణ చేసుకనేందుకు ఉపకరిస్తుంది.

(4) పోర్టుఫోలియో మూల్యాంకనం అనేది విద్యార్థి అభ్యసనాన్ని ఒకసారి చేసే మూల్యాంకనం

[Question ID = 412][Question Description = S7_Telugu_Q142]
1. 1 [Option ID = 1645]
2. 2 [Option ID = 1646]
3. 3 [Option ID = 1647]
4. 4 [Option ID = 1648]

8) పఠనపూర్వ కార్యకలాపాలను ఈ క్రిందివాటిలో ఏది సమర్థిస్తుంది ?

(1) భావానువాద టాస్క్ లను వాడటం

(2) ఊహించి చెప్పే టాస్క్ వంటిది

(3) అభ్యాసకులను వాచకాన్ని సంక్షిప్తీకరించమని అడగటం

(4) వ్యాకరణ నిర్మాణాలు బోధించటం

[Question ID = 413][Question Description = S7_Telugu_Q143]
1. 1 [Option ID = 1649]
2. 2 [Option ID = 1650]
3. 3 [Option ID = 1651]
4. 4 [Option ID = 1652]

9) మాట్లాడే నైపుణ్యాన్ని పెంపొందించటంలో ప్రధానాంశం __________.

(1) స్పష్టమైన, సరైన ఉచ్చారణను ఉపయోగించటం

(2) చక్కటి శ్రావ్యమైన కంఠాన్ని సృష్టించటం

(3) సందర్భాన్ని, పరిస్థితిని మనస్సులో పెట్టుకొని మాట్లాడటం

(4) ఇంటెన్షెన్, వాయిస్ మాడ్యులేషన్ వాడటం

[Question ID = 414][Question Description = S7_Telugu_Q144]
1. 1 [Option ID = 1653]
2. 2 [Option ID = 1654]
3. 3 [Option ID = 1655]
4. 4 [Option ID = 1656]

10)

భాషాబోధనలో ఈ క్రిందివాటిలో ఏది తప్పుడు భావన

(1) యదార్థ సందర్భాలలో ఉపయోగించటానికి ప్రయత్నించటం ద్వారా అభ్యాసకులు భాషా సముపార్జన చేస్తారు.

(2) అభ్యసనంలో అభ్యాసకులు మొదటి భాష ప్రముఖ పాత్ర వహిస్తుంది

(3) భాషాబోధన భావప్రసార కార్యకలాపాల మీద దృష్టి పెట్టాలి

(4) భాషాబోధన మాట్లాడటానికి కాక రాయటానికి ప్రాముఖ్యత ఇవ్వాలి

[Question ID = 415][Question Description = S7_Telugu_Q145]
1. 1 [Option ID = 1657]
2. 2 [Option ID = 1658]
3. 3 [Option ID = 1659]
4. 4 [Option ID = 1660]

11) సందర్భంలో వ్యాకరణం దేన్ని నొక్కిచెపుతుంది ?

(1) భాషా సూత్రాన్ని అంతరంగీకరించుకోవటం

(2) భాషా సూత్రాలను బట్టీ పట్టటం

(3) విషయాన్ని అనువదించటం

(4) నియమాలను అతిగా సాధారణీకరించటం

[Question ID = 416][Question Description = S7_Telugu_Q146]
1. 1 [Option ID = 1661]

2. 2 [Option ID = 1662]
3. 3 [Option ID = 1663]
4. 4 [Option ID = 1664]

12)

వ్యాకరణాన్ని సమర్థవంతంగా బోధించటానికి సంబంధించి ఈ క్రింది వాటిలో ఏది సరైనది కాదు ___________.

(1) సరైన భావప్రసారంలో రూపాన్ని ప్రదర్శించటం

(2) సందర్భంలో అవసరమైన వ్యాకరణ సూత్రాలను వెలికి తీస్తుంది

(3) యదార్థ జీవితభావ ప్రసార సందర్భాలు లాంటివాటిల్లో ఆచరణలో రూపాన్ని అందిస్తుంది

(4) సూత్రాలను బట్టీపట్టటం ద్వారా డ్రిల్లులో వ్యాకరణం నేర్చుకోవటం

[Question ID = 417][Question Description = S7_Telugu_Q147]

1. 1 [Option ID = 1665]
2. 2 [Option ID = 1666]
3. 3 [Option ID = 1667]
4. 4 [Option ID = 1668]

13)

NCF 2005 ఆదేశిక సూత్రాలలో ఈ క్రిందివాటిలో దేనిని చేర్చలేదు :

(1) జ్ఞానాన్ని తరగతి వెలుపల ఉన్న జీవితంతో కలపడం

(2) అభ్యసనం అనేది చెప్పిందే చెప్పటం నుంచి దాటివచ్చిందని హామీ ఇవ్వటం

(3) వాచక పుస్తక కేంద్రకంగా తన పిల్లల సమగ్ర అభివృద్ధికి కరిక్యులాన్ని వృద్ధి పరచటం

(4) ఒక ప్రొఫెషనల్ ఉపాధ్యాయుడి పాత్ర పోషించటం

[Question ID = 418][Question Description = S7_Telugu_Q148]

1. 1 [Option ID = 1669]
2. 2 [Option ID = 1670]
3. 3 [Option ID = 1671]
4. 4 [Option ID = 1672]

14)

ఉపాధ్యాయురాలు పిల్లలను ఎందుకు మూల్యాంకనం చేస్తుంది.

(1) తరగతి గదిలో భాషను బాగా ఉపయోగించ గలిగేది ఎవరో తెలుసుకోవటం కోసం

(2) విద్యార్థుల అభ్యసన ఖాళీలను తెలుసుకొనేందుకు

(3) పిల్లలు తమ అభ్యసనంలో మరింతగా ముందుకు పోయేందుకు సహకరించడానికి తరువాత పఠనం చేయటం

(4) ఒక విద్యార్థిని మిగతా తరగతి విద్యార్థులతో పోల్చేందుకు

[Question ID = 419][Question Description = S7_Telugu_Q149]

1. 1 [Option ID = 1673]
2. 2 [Option ID = 1674]
3. 3 [Option ID = 1675]
4. 4 [Option ID = 1676]

15)

కొత్త పదాలను శక్తివంతంగాబోధించేందుకు ఒక ఉపాధ్యాయురాలు నిజమైన వస్తువులను వాడుతోంది. ఈ వస్తువులను ఏమంటారు ?

(1) బోధనా పద్ధతి

(2) బోధనా వ్యూహాలు

(3) బొమ్మలు

(4) రియాలియా

[Question ID = 420][Question Description = S7_Telugu_Q150]

1. 1 [Option ID = 1677]
2. 2 [Option ID = 1678]
3. 3 [Option ID = 1679]
4. 4 [Option ID = 1680]